Shruti Haasan Teams Up With Rajnikanth...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Ranchi ● Sunday, 07 July 2024 ● Year : 02 ● Issue : 169 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

: 79,996.60 निफ्टी 24,323.85

6,900

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS गुमला में 35 सीरीज केन बम बरामद

GUMLA: झारखंड के गुमला जिला में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भाकपा माओवादी द्वारा आंजन हरिनाझाड़ गांव जाने के रास्ते में बिछाया गया 35 सीरीज केन बम बरामद हुआ है। ये बम पुलिस को क्षति पहुँचाने के उद्देश्य से लगाया गया थी। बम निरोधक दस्ते ने शुक्रवार को पांच केन बम को सड़क खोदकर निकाला और निष्क्रिय कर दिया। जबिक बाकी बचे बम को शनिवार को निष्क्रिय किया गया। बम करीब 200 फीट की दूरी तक सड़क के बीच बिछाया हुआ था। गुमला पुलिस ने इस संबंध में बताया कि बरामद सभी केन बम को रात होने की वजह से बाहर नहीं निकाला जा सका था।

23 जुलाई को पेश किया जाएगा आम बजट

NEW DELHI: 23 जुलाई को नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली नई एनडीए सरकार का पहला आम बजट लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर 22 जुलाई 2024 से 12 अगस्त २०२४ तक बजट सत्र को आयोजित करने की मंजूरी दे दी है।

दिमाग खाने वाले अमीबा का मिला चौथा केस

NEW DELHI : केरल में इंसानी दिमाग खाने वाले अमीबा का एक और केस मिला है। एक १४ साल के लड़के में रेयर ब्रेन इन्फेक्शन अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। लड़के का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, ब्रेन इन्फेक्शन से पीड़ित लड़का उत्तरी केरल जिले के पय्योली का रहने वाला है। डॉक्टरों ने बताया कि उसे 1 जलाई को अस्पताल में भर्ती कर गया था। जिसके बाद उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई।



केंद्र ने कही थी 6 जुलाई से प्रक्रिया शुरू करने की बात

एमसीसी का बड़ा फैसला नीट काउंसलिंग स्थगित

AGENCY NEW DELHI:

शनिवार से शुरू होने जा रही नीट यूजी के काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन को मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है। जल्द ही नया डेट जारी किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण बात है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने पहले सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि काउंसलिंग प्रक्रिया 6 जुलाई 2024 को शुरू होगी, लेकिन एमसीसी ने इसको लेकर कोई डिटेल्ड शेड्यूल भी जारी नहीं किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी की काउंसलिंग पर रोक लगाने से किया था इनकार

इसके पहले नीट मामले में दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि फिलहाल नीट काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाई जाएगी। अब इस मामले की सुनवाई सोमवार 8 जलाई को होनी है। जस्टिस

काउंसलिंग को लेकर कमेटी की ओर से जारी नहीं हुआ था शेड्यूल



सफेद झूठ बोल रही है सरकार : कांग्रेस

शनिवार को कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी २०२४ की काउंसलिंग में देरी तथा उच्चतम न्यायालय में दायर केंद्र सरकार के हलफनामे को लेकर कहा कि लाखों युवाओं से सफेद झूठ बोला जा रहा है तथा उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी

असदुद्दीन ने सुनवाई के बाद काउंसलिंग पर रोक लगाने से

सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय को बताया कि नीट-यूजी में कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। लाखों युवाओं से यह सफेद झूट बोला जा रहा है। उनके भविष्य को बर्बाद किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि केवल कुछ जगहों पर अनियमितताएं/चीटिंग हुई हैं। यह गुमराह करने वाली बात है।

20 जून को एक और याचिका पर पर रोक लगाने से दोबारा इनकार सनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम किया था।

दोबारा परीक्षा कराने पर इसका प्रभाव लाखों उम्मीदवारों पर पड़ेगा

पांच जुलाई को केंद्र सरकार

ने दायर किया था हलफनामा

आपको बता दें कि इससे पहले

शनिवार को केंद्र सरकार ने परीक्षा

रद्द न करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में

था। केंद्र सरकार ने इस मामले की

सुनवाई कर रही बेंच को बताया कि

नीट-यूजी की परीक्षा को रद्द नहीं

किया जा सकता है, क्योंकि केंद्र का

शुक्रवार को हलफनामाँ दाखिल किया

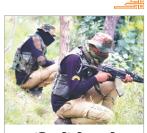
कहना है कि परीक्षा में बड़े स्तर पर अनियमिततताओं के कोई सबुत नहीं पाए गए हैं, ऐसे में नीट एग्जॉम को दोबारा कराने की जरूरत नहीं है। केंद्र ने यह भी कहा कि नीट की और अखिल भारतीय परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी कदम उठाए गए हैं। नीट यूजी की काउंसलिंग प्रक्रिया कई चरणों में

इनकार कर दिया था। इसके बाद नाथ की बेंच ने नीट काउंसलिंग

15 दिनों का एकांतवास खत्म. बाहर आए भगवान जगन्नाथ, रथयात्रा आज RANCHI: शनिवार को भगवान

जगन्नाथ प्रभु का 15 दिनों का एकांतवास खत्म हुआ। नेत्रदान के बाद भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ बाहर आए, तो भक्त भाव-विभोर हो उठे। भगवान का एकांतवास खत्म होने की खुशी में 108 दीपों से भगवान की मंगलआरती, जगन्नाथ अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाट और भगवान की स्तुति हुई। मालपुआ सहित अन्य मिष्ठान्नों का भोग लगाया गया। भगवान रात ९ बजे तक भक्तों को दर्शन मंडप में दर्शन दिए। प्रभ जगन्नाथ यहीं रात्रि विश्राम करेंगे। रविवार को रांची में रथ यात्रा है। सुबह 4 बजे से ही भक्त भगवान की पूजा करने के लिए कतारबद्ध होने लगेंगे।

पूरी खबर पेज 03 पर।



आतंकियों से मुटभेड़ में सेना का एक जवान शहीद, दूसरा घायल

SRINAGAR : शनिवार को जम्म् कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाँ बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बल दक्षिण कश्मीर जिले के मोदरगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान चला रहे थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया किं इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद तलाश अभियान मृढभेड में तब्दील हो गया। बताया जा रहा है कि सेना ने 2 से 3 आतंकियों को घेर लिया है। मठभेड में सेना के 2 जवान घायल हो गए। घायल जवानों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां इलाज के दौरान एक जवान शहीद हो गया। यह मुटभेड़ कुलगाम के मोदरघम इलाके में हुई है। फिलहाल खबर है कि आतंकियों से मुटभेड़ में घायल जवान को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलगाम के मोदरघम इलाके में संयुक्त बलों और आतंकियों के बीच

हेमंत का फ्लोर टेस्ट कल सीएम आवास में गठबंधन के विधायकों की मीटिंग आज

4 जुलाई को हेमंत सोरेन ने फिर

मुख्यमंत्री की पद की शपथ ली थी। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने एक हफ्ते में फ्लोर टेस्ट में बहुमत साबित करने को कहा है। सरकार ने 8 जुलाई को बहुमत साबित करने का निर्णय किया है। इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राज्यपाल ने जो न्योता दिया, उसमें एक हफ्ते में फ्लोर टेस्ट करने को कहा गया है। गठबंधन के सभी विधायक मुख्यमंत्री के साथ हैं और उन्हें विधायक दल का नेता चुना है। गठबंधन की ओर से 7 जुलाई को फ्लोर टेस्ट में रणनीति तय करने के लिए सीएम आवास में बैठक होगी। बता दें कि गठबंधन की बैठक में हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया था। इसके बाद 3 जुलाई को पूर्व सीएम चंपाई सोरन ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा दिया था। इसके बाद हेमंत सोरेन ने 4 जुलाई को मुख्यमंत्री पद के लिए पद और गोपनीयता की शपथ ली। हेमंत सोरेन ने अकेले शपथ ली थी। इसी को लेकर रविवार को सीएम आवास में बैठक होगी, जिसमें फ्लोर टेस्ट को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। गठबंधन के पास फिलहाल कुल



- 🛮 ८ जुलाई को विधानसभा में बहुमत साबित करेंगे मुख्यमंत्री सोरेन
- गढबंधन के पास कुल 43 विधायक
- बीजेपी के पास 24 एमएलए
- आजसू के पास 3 और एनसीपी के पास एक विधायक, २ निर्दलीय बेजीपे के खेमे में

43 विधायक हैं। पांच विधायक या तो लोकसभा चुनाव में सांसद बन चुके हैं या तो पार्टी छोड़ चुके हैं। बीजेपी के पास 24 विधायक हैं। 2 विधायक मनीष जायसवाल और ढुल्लू महतो सांसद बन गए हैं। आजसू के पास 3 और एनसीपी के पास एक विधायक हैं। 2 निर्दलीय विधायक का बेजीपे के खेमे में हैं।

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सभी अधिकारियों को उपस्थित रहने का आदेश

८ जुलाई को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सभी अधिकारियों को उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है। सरकार की प्रधान सचिव वंदना दादेल के कार्यालय से इस संबंध में शनिवार को आदेश जारी किया गया है। सभी अपर मुख्य सचिव, झारखंड सरकार के सभी प्रधान सचिव, सरकार के सभी सचिव, पुलिस महानिदेशक, सभी विभागों के प्रमुख, रांची के उपायुक्त और रांची के एसएसपी को संबोधित पत्र में कहा गया है कि 8 जुलाई 2024 को 11 बजे से पांचवें झारखंड विधानसभा का १६वां सत्र शुरू हो रहा है। इस सत्र क दारान सभा पदाधिकारिया का उपस्थित रहना अनिवार्य है। सरकार के इस आदेश में कहा गया है कि

झारखंड विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियम 139 के तहत मुख्यमंत्री की ओर से मंत्रिपरिषद में विश्वास का प्रस्ताव रखा जाना है। इसके बाद वाद-विवाद एवं मतदान होना है। इसलिए ८ जुलाई को सुबह 11 बजे से विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने तक सभी पदाधिकारी विधानसभा के पदाधिकारी दीर्घा में मौजूद रहेंगे। बता दें कि हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट ने बडगाई जमीन घोटाले में राहत देते हुए जमानत दे दी थी। कोर्ट ने कहा कि ईडी के पास कोई सबुत नहीं है,जिससे यह माना जाए कि हेमंत घोटाले में लिप्त हैं। जेल से बाहर आते ही यह अटकले तेज हो गई थी कि हेमंत की फिर से ताजपोशी हो सकती है।

30 लाख वोटों से जीतकर डॉ. मसूद पजशकियान बने ईरान के 9वें राष्ट्रपति



ईरान में मसूद पजशिकयान देश के 9वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को 30 लाख वोटों से हराया। ईरान में शुक्रवार को दूसरे चरण की वोटिंग हुई थी। इसमें करीब 3 करोड़ लोगों ने मतदान किया था। ईरानी स्टेट मीडिया आईआरएनए के मुताबिक, पजशिकयान को 1 करोड़ 64 लाख वोट मिले, जबिक जलीली को 1 करोड़ 36 लाख वोट हासिल हुए। पजशिकयान डॉक्टर होने के साथ-साथ कुरान भी पढ़ाते हैं। 5 जुलाई को 16 घंटे तक चली वोटिंग में देश की करीब 50% जनता ने वोट डाला था। आधिकारिक समय के मुताबिक, मतदान शाम 6 बजे खत्म होना था। हालांकि, बाद में इसे रात 12

बजे तक बढ़ा दिया गया था। ईरान

के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की 19

मई को हेलिकॉप्टर क्रैश में मौत

के बाद देश में राष्ट्रपति चुनाव की

घोषणा की गई थी।

AGENCY NEW DELHI:

पहले चरण में किसी को

नहीं मिला था बहुमत ईरान में पहले चरण की वोटिंग 28 मई को हुई थी। इसमें कोई भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत वोट हासिल नहीं कर पाया था, जो चुनाव जीतने के लिए जरूरी है। हालांकि, पजशकियान ४२.५ प्रतिशत वोटों के साथ पहले और जलीली 38.8 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे। ईरान के संविधान के मुताबिक, अगर पहले चरण में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिलता है, तो टॉप 2 उम्मीदवारों के बीच अगले चरण की वोटिंग होती है। इसमें जिस कैंडिडेट को बहुमत मिलता है, वो देश का अगला राष्ट्रपति बनता है। देश के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह वोट डालने के बाद कहा था कि पिछले चरण की तुलना में इस बार अधिक वोटिंग हो रही है। ये बेहद खुशी की बात है। दरअसल 28 मई को हुए पहले चरण के चुनाव में सिर्फ 40 प्रतिशत ईरानियों ने वोट डाला था। यह आंकड़ा १९७९ में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे कम रहा था।

भाजपा के लोगों ने हमारा ऑफिस तोडा. हम डनकी सरकार तोड़ेंगे : राहुल

AHMEDABAD: शनिवार को गुजरात के अहमदाबाद के पालडी रिंथत राजीव गांधी भवन में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहल गांधी ने पार्टी कार्यकताओं पुरजोर तरीके से उत्साहित किया। उन्हें गुजरात में भाजपा को हराने के लिए अभी से कमर कस लेने को कहा। राममंदिर, अभय मुद्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र कर उन्होंने भाजपा को चारों ओर से घेरने का प्रयास किया। बता दें कि राहुल गांधी कांग्रेस कार्यालय पर पथराव और पार्टी कार्यकताओं की गिरफ्तारी के विरोध में गुजरात दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि गुजरात में कांग्रेस जीतेगी। भाजपा ने उनका ऑफिस तोड़ा है, हम इनकी सरकार तोड़ेंगे। राहुल गांधी ने अयोध्या में भाजपा की हार का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा अयोध्या में इसलिए हारी क्योंकि भाजपा ने अयोध्या में जिन लोगों की जमीनें लीं, उन्हें राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में जगह नहीं मिली। राहुल गांधी ने कार्यकताओं से कहा कि चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ता अयोध्या में बब्बर शेर की तरह इंडिया गढबंधन के लिए खड़े रहे और वहां पर भाजपा हार गई। राहुल गांधी ने गुजरात के कांग्रेस कार्यकताओं से कहा आप लोगों ने बहुत लाठियां खा ली हैं, अब उन्हें हटाना है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के घोषणापत्र ने भाजपा को

बैकफुट पर ला दिया।

एनके एरिया कोयला परियोजना के कांटा घर पर दिनदहाड़े गोलीबारी फायरिंग में एक शख्स को लगीं दो गोलियां, भर्ती

PHOTON NEWS RANCHI:

शनिवार को झारखंड की राजधानी रांची और चतरा के सीमावर्ती इलाके में स्थित एनके एरिया कोयला परियोजना के पास कांटा घर पर दिनदहाडे फायरिंग हुई। फायरिंग के दौरान वहां से भाग रहे एक व्यक्ति को 2 गोली लगी। इस शख्स का नाम कौशल यादव (45 वर्षीय) है। कौशल संचालित शांति समिति का कर्मी है। एक गोली कौशल के कंधे में और दूसरी पीठ पर लगी। घटना के बाद उसे आनन-फानन में डकरा स्थित सीसीएल सेंट्रल अस्पताल ले



जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर कर दिया निशाने पर रहा है। कई उग्रवादी गया। बता दें कि पिपरवार थाना संगठन और अपराधी भी समय-क्षेत्र अंतर्गत आने वाला एनके समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज एरिया का पुरनाडीह प्रोजेक्ट पहले करते रहते हैं। पूर्व में भी यहां कई

इन अपराधियों ने दशहत फैलाने के उद्देश्य से दौड़ा दौड़ाकर वहां पर मौजूद लोगों पर गोलीबारी की। अपराधियों ने करीब 8 से 10 गोली चलायी। इस से अपराधियों और उग्रवादियों के

घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने

बताया कि दो बाइक में पांच

युवक मुंह बांधकर आये थे।

टीएसपीसी संगठन से जोड़कर देख रहे है। हत्याएं और गोलीबारी की घटना हो चुकी है। पिछले कुछ समय से टीएसपीसी द्वारा कोयला कारोबारी को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज

कर लेवी के लिए धमकी दी जा

गोलीबारी में शांति समिति

का कर्मी घायल हो गया।

व्यवसायियों, उनके स्टाफ

दहशत का माहौल है। इस

घटना के बाद कोयला

और सीसीएल कर्मियों

घटना को भी कारोबारी

हाथरस हादसे के बाद से गायब भोले बाबा पहली बार आए मीडिया के सामने

HATHRAS: हाथरस त्रासदी पर सवालों से घिरे सूरजपाल उर्फ भोले बाबा आखिरकार शनिवार मीडिया के सामने आए और चुप्पी तोड़ी। उल्लेखनीय है कि दो जुलाई को सिकंदराराऊ के फुलरई मुगल गढ़ी गांव में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा उर्फ साकार हरि के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो चुकी है। इस त्रासदी में दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। उनका अभी तक अलीगढ़, आगरा, हाथरस, एटा सहित अन्य स्थानों पर उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह हादसे से व्यथित हैं। उन्हें शासन-प्रशासन पर पूरा भरोसा है कि उपद्रवकारी बक्शे नहीं जाएंगे। दो जुलाई के बाद से उत्तर प्रदेश पुलिस भोले बाबा की तलाश में है।

बालटाल और नुनवान बेस कैंप में ही रहने की यात्रियों को दी गई है सलाह

भारी बारिश ने अस्थायी रूप से रोकी अमरनाथ यात्रा

शनिवार को जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण अमरनाथ तीर्थयात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उत्तर और दक्षिण कश्मीर के दोनों बेस कैंप से चलने वाली यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से यात्रियों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई है। अब तक डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बाबा बफार्नी के दर्शन किये हैं। तीर्थयात्रा 29 जून को अनंतनाग

अब तक डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, १९ अगस्त को समाप्त होगी यात्रा दर्शन के बाद उसी दिन लौटना होता है कैंप



पहलगाम मार्ग और गंदेरबल में बालटाल मार्ग से शुरू हुई थी और यह 19 अगस्त को समाप्त होगी।

अधिक तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा में बर्फ से निर्मित शिवलिंग के दर्शन किए थे। बालटाल बेस पहलगाम से चंदनवारी (24 किलोमीटर), चंदनवारी से शेषनाग (१३ किलोमीटर), शेषनाग से पंचतरणी (५ किलोमीटर) और पंचतरणी से गुफा मंदिर (6 किलोमीटर) शामिल हैं 114

कैंप से यात्रियों को गुफा मंदिर तक

पैदल या टहुओं पर 14 किलोमीटर

लंबा रास्ता तय करना पड़ता है,

पारंपरिक

नुनवान

पहलगाम-गुफा मंदिर मार्ग में

किलोमीटर लंबे बालटाल बेस कैंप मार्ग से जाने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन के बाद उसी दिन बेस

अनुमति नहीं दी गई है। हालांकि यात्रियों के टहरने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के मुताबिक बुधवार को 30 हजार से अधिक यात्री भोले नाथ के दर्शन करने पहुंचे थे।

कैंप लौट आते हैं। जानकारी के

मुताबिक किसी नए जत्थे को अब

नुनवान बेस कैंप और चंदनवारी अक्ष

के माध्यम से गुफा की ओर जाने की

(पहलगाम) बेस कैंप से जाने वालों को 48 किलोमीटर की दुरी तय करनी पड़ती है, जिसमें चार दिन एक तरफ से लगते हैं।



सरी, तटिनी, पयस्विनी...

नहीं है ख्वाहिश की दरिया से जा मिलूँ अभी

लोगों की प्यास बुझे कुछ और बहुं मैं अभी। फेंक दे मनु उत्कंठा और वेदना

इस बहाव में रुको मत बस बढ़े चलो, क्या रखा है ठहराव में।

विसर्जित कर दो सारी गंदगी मुझे नहीं है मलाल फेंक दो द्वेष विकार और करो तुम कुछ कमाल।

जीवन तुझको मिले सदियों से बहती आई हूँ चट्टानों से गिरती पड़ती फिर भी मुस्काई हूँ।

स्वार्थ तज कर भी औरों के लिए तटिनी का तो काम है उसे सिर्फ बहना होगा।

थोड़ी देर और बहूं फिर सागर प्यासे तकते होंगे, उन्हें भी तो जीवन दे दूँ।

दरिया से जाकर मिलना ही मेरा बहा ले जाऊँ तेरी सारी पीड़ा ये भी है कर्म।

मैं नदी हूँ बहती रहती अविरल धो लो अपने सारे मैल रहो तुम भी विमल निर्मल।।



सुलगती आग हृदय में हरदम, हवा उसे तू दिया न कर। कितनी पीड़ा दफन पड़ी है, उसको तू उकसाया न कर।

किस अहंकार में तू है डूबा, सत्य को तू नीचा न कर। राख हो जाएगा सबकुछ, महलों को श्मशान न कर।

मैं पथ अपना बदल लूंगी, मुझे तू इतना रूलाया न कर। सही है मैंने पीड़ाओं की जंग, अब और मुझे सताया न कर।

तन मन है समर्पित तझ पर. झूठी शान दिखाया न कर। नाजुक और नादान है ये मन, हरदम तू आजमाया न कर।

जिन आँखों में प्रेम का दरिया, सागर उसे बनाया न कर। तेरे लिए जो दीप हैं जलते, उस रोशनी को दुजा न कर।

सत्य में तप जाएगा जग सारा, बेवजह मन झुलसाया न कर। सहती हूँ दर्द सारे अपनों के लिए, हरदम ठोकर लगाया न कर।

ये हृदय नहीं दर्पण है तुम्हारा, इसे तू धुंधलाया न कर। सिर्फ दाग ही रह जाएंगे तेरे लिए, दर्पण चूर चूर किया न कर।

तन मन है समर्पित तुझ पर, झुठी शान दिखाया न कर। नाजुक और नादान है ये मन, हरदम तू आजमाया न कर।।



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

प्रकृति की मनोहारी छटा के बीच तारा माता का भव्य मंदिर

मुझे भी ऋषिकेष से निकलने से पहले कुछ लोगों ने कहा था कि इस मंदिर में जरूर जाना। इसलिए मैंने इस जगह पर जाने का मन पहले से ही बना लिया। आपको बता दूं कि यह जगह ऋषिकेश से 215 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां का सबसे नजदीकी बस स्टेशन

जाल मल्ला है। इस जगह पर पहुंचने में कुल छह घंटे का समय लगता है। लेकिन रास्तों की खूबसूरती ऐसी कि किसी का भी में मोह ले। इस सफर में नदी, पहाड़, जंगल और जानवर सब कुछ देखने को मिलता है। प्रकृति के मनोहारी दृश्यों के बीच बसे नेपतर गांव की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग दो हजार मीटर है। यह गांव केदानाथ ट्रेकिंग हेतु अन्तिम गांव है, जहां तक टैक्सी से जाया जाता है। इस गांव के पश्चात मनोहारी बुग्यालों और पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य से केदारनाथ तक ट्रेकिंग रास्ता है, जो पर्यटकों को अपनी मनोहारी छटा से अभिभूत कर देता है।



घाटी का आखिरी गांव है। केदार वाइल्ड लाइफ सैंक्वरी की वजह से देश भर के छात्र यहां शोध के लिए आते हैं और जो लोग नेपतर आते हैं, वह तारा देवी मंदिर जरूर जाते हैं। क्योंकि यह वह मंदिर है जो खबसरत वादियों में स्थित होने के साथ- साथ गांव में आने वाली हर तरह की बीमारियों से लोगों की रक्षा करता है। इसी मान्यता की वजह से इस जगह का स्थानीय स्तर पर बहुत ही ज्यादा महत्व है। मुझे भी ऋषिकेष से निकलने

से पहले कुछ लोगों ने कहा था कि इस मंदिर में जरूर जाना। इसलिए मैंने इस जगह पर जाने का मन पहले से ही बना लिया। आपको बता दुं कि यह जगह ऋषिकेश से 215 किमी की दुरी पर स्थित है। यहां का सबसे नजदीकी बस स्टेशन जाल मल्ला है। इस जगह पर पहुंचने में कुल छह घंटे का समय लगता है। लेकिन रास्तों की खूबसूरती ऐसी कि किसी का भी में मोह ले। इस सफर में नदी, पहाड़, जंगल और जानवर सब कुछ देखने को मिलता है।

प्रकृति के मनोहारी दृश्यों के बीच बसे नेपतर गांव की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग दो हजार मीटर है। यह गांव केदानाथ ट्रेकिंग हेतु अन्तिम गांव है, जहां तक टैक्सी से जाया जाता है। इस गांव के पश्चात मनोहारी बग्यालों और पर्वत श्रंखलाओं के मध्य से केदारनाथ

पतर गांव कालीमठ तक ट्रेकिंग रास्ता है, जो पर्यटकों को अपनी मनोहारी छटा से अभिभृत कर देता है। एक तरह से देखा जाए तो यहां तक कि यात्रा बहुत ही सरल और सगम है, लेकिन नेपतर से बाद की यात्रा चुनौतियों से भरी हुई है। हाई एटीट्यूड ट्रेक होने के कारण आपको जिला पर्यटन कार्यालय और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से इजाजत लेनी होती है और एक गाइड हायर करना होता है जो कम से कम बेसिक माउंटेनियरिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया हुआ हो और इसके बाद खुद को पहले एक बड़े ट्रेक के लिए तैयार करना होता है। यहां से ऊपर की चढ़ाई कठिन होती है और तकरीबन 18 किमी का रास्ता दो दिन में पूरा होता है और यदि मौसम बिगड़ गया तो तीन दिन भी लगते हैं और वापस आने में दो दिन। इस तरह अगर यह कुल चार से पांच दिन का ट्रेक बनता है। इसलिए मैंने तय किया कि मैं तारा देवी मंदिर तक ही जाऊंगा जिसके लिए महज तीन से चार किमी का ट्रेक करना होता है।

ट्रेक शुरू होते ही नेपतर गांव से ऊपर गोरगंगा नामक स्थान पर प्रकृति की मनोहारी छटा के बीच तारा माता का सुन्दर और भव्य मंदिर स्थित है। तारा माता मंदिर में काष्ठ निर्मित माता की मर्ति काष्ठकला का अदभुत नमूना है। यह मंदिर लगभग 250 साल पुराना है और शारदीय नवरात्रि के समय यहां देवी का भव्य पूजन तथा मेले एवं कुश्ती का आयोजन

मां तारा की रोमांचक कथा एक कथानुसार राजा भूपेन्द्र



सेन जुनवा से गांव जुग्गर शिलगांव के जंगल में आखेट के लिये निकले, जहां पर मां तारा के शेर की गर्जना राजा को सुनाई दी और फिर एक स्त्री की आवाज राजा को सुनाई दी- राजन मैं तुम्हारी कुलदेवी हूं, जिसे तुम्हारे पूर्वज बंगाल में ही भूल से छोड़कर आ गये थे, तुम मेरा यही मंदिर बनवाकर तारा मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना करो, मैं तुम्हारे कुल की रक्षा करूंगी। राजा ने तत्काल ही गांव में जुग्गर नामक स्थान पर मंदिर बनवाकर चतुर्भुज तारा देवी की प्रतिमा स्थापित कराकर विधिवत उसकी प्राण प्रतिष्ठा कराई, जिससे यह उत्तर भारत में तारा देवी का मूल स्थान बन गया। तारा देवी के विपुल और रोमांचक तेज के आगे थोड़ी सी भी असावधानी होने पर तारा देवी कुपित हो जाती हैं। तारा देवी का मंदिर मूल जुग्गर से काफी पहले खंडहर बन चुका है, जिसके पत्थरादि अवशेष ही शेष हैं।

यह भी है मान्यता

वर्तमान स्थित नवमंदिर का निर्माण जयसिंह चन्देल एवं अन्य श्रद्धालुओं द्वारा लगभग 250 वर्ष पूर्व कराया गया। पौराणिक एवं सिद्ध मान्यता के अनुसार जब-जब तारा देवी के आस-पास के गांवों में कोई जानवरों या मनुष्यों की महामारी फैलती है तो तारा देवी मंदिर में लोकाचार मन्नत पद्धति एवं अनुष्टान से समस्त प्रकार की महामारी से मक्ति मिलती है।

मैंने इस जगह पर आकर माता के दर्शन किया और आसपास के प्राकृतिक वातावरण और सुन्दर दृश्यों के मध्य खो गया। कहने को तो यह ट्रेक छोटा है पर पूरी तरह से खुबसुरती और जैव विविधता से भरा हुआ है।

केदारनाथ वाइल्डलाइफ सैंक्वरी के अंदर आता है इसलिए इस ट्रेक पर बढ़ते हुए कई तरह की जैविक विविधता देखने को मिलती है। कई तरह के जानवर और परिन्दे अनायास ही दिख जाते हैं। मंदिर के पास ही इस घाटी में पहला सेब का बागान लगाया गया है, जो प्रयोग के तौर पर लगाया गया है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो घाटी में सेब के बागान लगाने में बाकी लोगों को भी सहलियत मिलेगी।

इस तरह पहुंच सकते तारा माता मंदिर

इस जगह पर यदि आप आते हैं तो आपको सबसे पहले ऋषिकेश आना होगा। फिर ऋषिकेश से गप्तकाशी और गुप्तकाशी और गुपकाशी से कालीमठ। यह जगह कालीमठ घाटी के अन्दर पड़ती है और इस घाटी के आखिरी छोर पर स्थित है। कालीमठ की अपनी बहुत ही पौराणिक मान्यता है। इसी जगह पर कालीमठ शक्तिपीठ स्थित है, जहां देश के कोने कोने से सैलानी आते हैं। इसी जगह पर रुक्ष महादेव और चामुंडा देवी का भी मंदिर है। इसकी वजह से यह आसपास के लोगों के लिए धार्मिक आस्था का एक बहुत बड़ा केन्द्र बन पड़ी है। इस जगह पर आकर आप कुछ दिन शांति और सुकृन के साथ बिता सकते हैं। इस जगह के मौसम और प्राकृतिक वातावरण को एन्जॉय कर सकते

सर्दियों में इस जगह पर खूब बर्फबारी होती है। बारिश को छोड़कर इस जगह पर हर मौसम में आया जा सकता है। यह जगह निसंदेह आपको अच्छी लगेगी और आप बार बार आना चाहेंगे।

■ 70MM

अबकी बार, ले चल पार, ले चल पार ओ मेरे मांझी...

🗗 छ ही फिल्में ऐसी होती हैं जिनके अंत में आप अंत का अंदाजा लगा चुकने के बावजुद सहमे से बैठे उस पल का इन्तजार करते रहते हैं जब फिल्म अपने सबसे तनावयक्त मोड़ पर होती है और किसी भी पल आपकी आह निकलने वाली होती है। इस लिहाज से बिमल रॉय को कई चीजों का उस्ताद मानने के साथ साथ क्लाईमैक्स का भी मास्टर मानना पड़ेगा। याद कीजिये देवदास का वह अंतिम दृश्य जब देवदास यानि दिलीप कमार पल पल मौत की तरफ बढ़ रहे हैं और दर्शकों का कलेजा मँह को आता जा रहा है मानो देवदास कि मौत के साथ ही बाहर निकल जायेगा। यहाँ बात बंदिनी की हो रही है जिसका क्लाईमैक्स एक अमर गीत का साथ पाकर और भी उल्लेखनीय और यादगार बन गया

नूतन यानि कल्याणी जेल से रिहा होने के बाद अपने कड़वे अतीत को भूला कर एक सुनहले भविष्य की ओर बढ़ रही है। एक सज्जन और होनहार डाक्टर ने उसका हाथ थामने की पेशकश की है और कल्याणी ने उस तक अपनी सारी रामकहानी पहुंचा दी है। कुछ भी नहीं छिपाया की कैसे उसके हाथों एक हत्या हो चुकी है और कैसे वह एक अच्छे घर की बेटी से जेल की कैदी तक का सफर काट चुकी है। फिर भी डाक्टर उसमें एक सेवा भावना वाली लड़की व अपनी प्रियतमा देखता है और शादी के विचार पर अडिग है। और तो और डाक्टर की माँ भी कल्याणी की कहानी सुन कर द्रवित हो चुकी हैं और

उसे अपनी बहु बनाने की अग्रिम



शुभकामना भेज चुकी हैं। वह जेल की एक सहायिका के साथ रेल के सफर के लिए तैयार है जो उसके खूबसूरत भविष्य की तरफ जाता है। सब कछ ठीक होता है की तभी उसका अतीत उसकी आँखों के सामने आकर अचानक खडा हो जाता है। अशोक कमार यानि बिकास बाबू, जो उसके लिए सब कुछ थे और जिनके शादी के न निभाए जाने वाले वादे के कारण उसने अपना घर गांव पिता सब कुछ खो दिया, उसके सामने हैं, बीमार और पस्तहालत। वह उनको दवाई पिलाती है और वहाँ से अपनी सहायिका के साथ बाहर निकल आती है। उसकी ट्रेन का समय हो रहा है। बिकास बाबू से जिन बातों की शिकायत थी, वह सारी दूर हो चुकी हैं। उनके एक मित्र से उसे वहीं पता चल गया है की बिकास बाबू ने पार्टी के दिए वादे को रखने के कारण अपने प्यार की कुरबानी दी। उनका कोई दोष नहीं है और वह पहले जैसे ही मासूम और महान हैं। इस समय उनकी तबीयत बहुत खराब है, उन्हें छूत की बीमारी लग चुकी है और वह अपने गांव जाकर ही मारना चाहते हैं। कल्याणी की ट्रेन ने सीटी दे दी है और उसकी सहायिका उसे लेकर ट्रेन में चढ़ चुकी है। बिकास बाबू अपने मित्र के साथ पानी के जहाज में जाकर बैठ रहे हैं।

पार्श्व में गीत बज रहा है, 'मन की किताब से तू मेरा नाम ही मिटा देना, गुण तो न था कोई भी, अवगण मेरे भला देना। मझे आज की विदा का मरके भी रहता इंतजार....' कल्याणी बार-बार पलट कर उस स्टीमर की तरफ देख रही है जिसमे बिकास बाब जा रहे हैं। उसका मन अपने सच्चे और निश्छल अतीत और सुनहले भविष्य के बीच फंसा हुआ है। गीत आगे बढ़ता है, 'मत खेल जल जायेगी, कहती है आग मेरे मन की। मैं बंदिनी पिया की, मैं संगिनी हूँ साजन की। मेरा खींचती हैं आंचल, मन मीत तेरी हर पुकार.....' और यह मुक पुकार उसे ट्रेन में आगे नहीं बढ़ने देती। टेक आती है 'ओ रे मांझी.....' और साथ ही ट्रेन अपनी अंतिम सीटी देती है। इसी पर कल्याणी अपने और बिकास बाबू के बीच के उस छोटे से फासले को पार करने के लिए कृद पड़ती है जो ट्रेन से उस स्टीमर के बीच तक का ही है। उसके साथ आई सहायिका उसे रोकती है और कहती है, 'पागल न बनो, हमारा रास्ता उधर नहीं।' कल्याणी रोती हुई कहती है, 'मुझे जाने दीजिए, मेरा रास्ता उधर ही है।' ये वही रास्ता है जिस पर चलना शुरू करने में तो बहुत सोचना पड़ता है लेकिन चलना

शुरू कर देने पर लगता है की



नहीं सकता था। बहरहाल, इस अंतिम दृश्य में जो खिंचाव और संतुलन है, वैसा बहुत कम फिल्मों में देखने को मिलता है। कल्याणी का स्टीमर पर पहुंचना और बिना कुछ कहे पहले बिकास बाबू के पैरों में फिर उनके सीने से लग जाना बहुत कुछ कह देता है। बिकास बाबू की वो आंखें, जब वो अचानक अपने सामने कल्याणी को पाते हैं, एक आर्द्रता के साथ उस संतोष से भरी हैं जो किसी दुआ के कबूल हो जाने पर आती हैं। दोनों में से किसी को कुछ कहने सुनने की कोई जरूरत नहीं है। कहना सुनना बहुत हो चुका है। दोनों एक दूसरे के गले लग जाते हैं और वहीं मुखंडा फिर से बजता है, 'मैं बंदिनी पिया की, मैं संगिनी हुँ साजन की। मेरा खींचती हैं आंचल, मन मीत तेरी हर पुकार....'

जरासंध के 'लौहकपाट' पर आधारित नवेन्द्र घोष की पटकथा वाली यह नायिका प्रधान फिल्म हिंदी फिल्मों में मील का पत्थर मानी जाती है और नृतन का अभिनय इस फिल्म में शीर्ष पर दिखाई देता है। पूरी

फिल्म में वह कम बोलती हैं और उनकी आंखें सब कछ कहती हैं। उनके अभिनय में हर भाव दिखाई देता है चंचलता, शोखी, गंभीरता, उदासी और इंतजार लेकिन वहाँ एक स्थाई उदासी दिखाई देती है जो इस फिल्म में उनका स्थाई भाव है। उनकी उदासी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को एक भावप्रणव अभिनेत्री दी जिन्होंने इस शानदार दिल को छूने वाली उदासी से एक से एक बढ़कर खूबसूरत फिल्में

गांव के पोस्टमास्टर की बेटी कल्याणी देश की आजादी के लिए संघर्ष कर रहे नौजवान बिकास बाबू से स्नेह रखती है। बिकास बाबू कल्याणी से शादी का वायदा करते हैं और गांव से चले जाते हैं। बाद में कल्याणी को पता चलता है की उन्होंने किसी और लड़की से शादी कर ली। वह गांव के तानों से तंग आकार गांव छोड़कर शहर चली आती है जहाँ उसे एक अस्पताल में नौकरानी की नौकरी इस वायदे के साथ मिल जाती है की जल्दी ही उसे नर्स बनाने की

वहाँ एक कर्कशा मरीज की सेवा के दौरान उसे पता चलता है की वही बिकास बाबू की पत्नी है

व्यवस्था की जायेगी।

और वह न जाने किस भावना के वशीभृत होकर उसे जहर देकर मार डालती है। उसे जेल भेज दिया जाता है। वहाँ जेल का डाक्टर देवेन्द्र यानि धर्मेन्द्र उसकी कर्तव्यपरायणता से मोहित होकर शादी का प्रस्ताव रख देता है लेकिन अपने अतीत की भयावहता से आक्रांत कल्याणी इस शादी से मना कर देती है। मधुर गीतों और दिल को छूने

वाले संगीत से सजी इस फिल्म में सभी कलाकारों का अभिनय सहज और वास्तविक है। चाहे अशोक कुमार हों या छोटी सी भूमिका में धर्मेन्द्र लेकिन फिल्म पूरी तरह से नृतन की है और वे पूरी सफलता से इसे अपने कन्धों पर ले जाती हैं। बिमल रॉय के पसंदीदा कमल बोस का छायांकन यहाँ भी अपने शबाब पर है और एस डी बर्मन साहब को शैलेन्द्र और गुलजार के लिखे खुबसुरत गीतों का सहारा मिला है। कहा जाता है की गुलजार ने बतौर गीतकार ह्यमेरा गोरा अंग लई ले। ह्र से शुरूआत की थी। फिल्म के सभी गीत बेहतरीन और दिल को छूने वाले हैं चाहे मुकेश का गाया ह्यओ जाने वाले हों सके तो...' या आशा जी का गाया 'ओ पंछी प्यारे साझ सकारे..!, सभी गीत फिल्म को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं और सदाबहार हैं. १९६३ में इस फिल्म को हिंदी में सर्वश्रेष्ट फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था और इसने १९६४ में फिल्मफेयर पुरस्कारों की झड़ी लगा दी थी। सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ट निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री सहित इसने सर्वश्रेष्ट कहानी और छायांकन का भी पुरस्कार बटोरा था।

O BRIEF NEWS

राजद के झारखंड प्रभारी सहित अन्य नेताओं ने सीएम से की मुलाकात

RANCHI: राजद के झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान नेताओं ने हेमंत सोरेन को फिर से मुख्यमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि मुलाकात के दौरान जयप्रकाश नारायण यादव, अध्यक्ष संजय सिंह यादव एवं प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्यहित, जनहित में राजनीतिक-सामाजिक कार्यों सहित अन्य विषयों पर घंटो तक विस्तार पर्वक चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार, महासचिव अभय सिंह, महिला अध्यक्ष रानी कुमारी, युवा अध्यक्ष रंजन यादव, सचिव रामकुमार यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नसीम व अभय सपा से 6 साल के लिए निष्कासित RANCHI: शनिवार को

समाजवादी पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष केश्वर यादव ने नसीम बख्श और अभय सिंह यादव को अनुशासनहीनता के कारण 6 वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन दोनों नेताओं के खिलाफ पार्टी के दूसरे वरीय नेताओं से अभद्र व्यवहार करने को लेकर शिकायत की गई थी। जांच में यह शिकायत सही पाई गई है। इसके बाद उन्होंने पार्टी से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है।

सचिव ने 18 को बुलाई जिला खेल पदाधिकारियों की बैठक

RANCHI : पर्यटन, संस्कृति, खेलकृद एवं युवाकार्य विभाग के सचिव ने सभी जिला खेल पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक 18 जुलाई को बुलाई है। बैठक में खेल निदेशक, पर्यटन निदेशक और सांस्कृतिक निदेशक भी शामिल रहेंगे। इस बैठक में 12 बिंदुओं पर समीक्षा की जायेगी। इनमें स्वीकृत / निर्मित प्रखंड स्तरीय स्टेडियम की डिटेल रिपोर्ट, जहां रिपेयरिंग/रेनोवेशन की जरूरत हो उससे जुड़ा प्रस्ताव, सिदो कान्ह यवा क्लब निबंधन की अद्यतन स्थिति, जहां जहां प्रखंड स्तरीय स्टेडियम नहीं है, उसके प्रस्ताव की समीक्षा की जायेगी।

सरकार की प्राथमिकता काम नहीं, कमाई : सुदेश

RANCHI : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता काम नहीं कमाई है। सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग एवं अवैध ट्रांसपोर्टिंग के उद्योग चल रहे हैं। भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन गया है। जनसेवा की शपथ लेने वाली सरकार के मुखिया जनता के बारे में सोचने के स्थान पर सिर्फ अपने बारे में सोच रहें है। इससे झारखंडी जनमानस के बीच हताशा और निराशा है। सुदेश कुमार महतो शनिवार को कांके रोड, रांची स्थित आवासीय कार्यालय में मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान समाजसेवी रामचंद्र साहू के नेतृत्व में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के कई युवाओं और समाजसेवियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के 'सृजन' स्टार्टअप कॉन्क्लेव में शामिल हुए सीएम

अधिक से अधिक रोजगार सुजन के लिए सरकार प्रतिबद्धः हेमंत

शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार रांची विश्वविद्यालय परिसर के आर्यभट्ट सभागार में फेडरेशन आफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित 'सृजन' स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में जो भी उद्योग हैं और जो भी नए उद्योग आने वाले हैं, उसके प्रति सरकार की सकारात्मक सोच है। राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो। अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों। हमारी सरकार उद्योगों और उद्योग स्थापित करने वालों को पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने झारखंड चैंबर्स से कहा कि झारखंड में कई ऐसे उद्योग हैं, जो वर्षों पराने हैं। उद्यमियों की पीढी-दर-पीढ़ी यहां व्यवसाय कर रही

राष्ट्रीय जनता दल के रांची जिला

अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने कांके प्रखंड

सामिति के अध्यक्ष और सचिव पद

की घोषणा शुक्रवार को कर दी है।

कांके प्रखंड अध्यक्ष पद पर सूरज

कुमार राय, और सचिव मोहम्मद

शोएब को जिलाध्यक्ष ने मनोनीत

किया है। प्रखंड अध्यक्ष का पद

मिलने पर सूरज कुमार और सचिव

मोहम्मद शोएब ने राजद के प्रदेश

प्रभारी जय प्रकाश नारायण यादव,

जिला अध्यक्ष धमेंद्र महतो और पार्टी

के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव,

तेजस्वी यादव का आभार व्यक्त

किया है। कहा कि पार्टी ने जिस

आशा और उम्मीद से उन्हें पार्टी में

दायतित्व सौपा है, हमलोग पार्टी को

पूर्ण विश्वास दिलाते हैं कि उस

उम्मीद पर परा खरा उतरने का प्रयास

करेंगे। संगठन को मजबूत बनाने की

कोशिश करेंगे। सुरज कुमार राय को



कार्यक्रम में मंचासीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य। • फोटोन न्य्रज

है। ये सभी झारखंड के बदलते स्वरूप को देखते आ रहे हैं। वे यहां की आर्थिक-सामाजिक और भौगोलिक स्थितियों से भली-भांति वाकिफ हैं। वे जितनी अच्छी तरह इस राज्य को समझ सकते हैं, दूसरे नहीं समझ सकते हैं। ऐसे में आपके साथ मिलकर राज्य का सर्वांगीण

राजद कांके प्रखंड अध्यक्ष बने

सूरज व सचिव मोहम्मद शोएब

विकास करना हमारा उद्देश्य है। मख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप पॉलिसी बनाई है। हालांकि, इस राज्य में स्टार्टअप को जितना बढ़ावा मिलना चाहिए था. उसमें थोडा पीछे हैं लेकिन सरकार जल्द ही स्टार्टअप को मजबूती और बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम

मौलाना मुशर्रफ बने समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष

RANCHI: झारखंड में विस चुनाव की तैयारी में सभी सियासी पार्टियां लग गई हैं। शनिवार को समाजवादी पार्टी ने रांची के बियासी निवासी कुल हिंद फलाहुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय महासचिव सह मरकजी जमीयत उलेमा हिंद के सदस्य सह जमीयत उलेमा झारखंड के मजलिस मृंतजमा के सदस्य और जामिया अरबिया कसिमुल उलुम के प्रिंसिपल हजरत मौलाना मो मुशर्रफ आलम कासमी को झारखंड समाजवादी अल्पसंख्यक सभा का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इससे पहले भी मौलाना मुशर्रफ झामुमो, झारखंड वनांचल कांग्रेस आदि में बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आज मौलाना मुशर्रफ को रांची के मोरहाबादी स्थित इस्टेट गेस्ट हाउस में बुलाकर

पीढी-दर-पीढी मिले उद्योगों का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद देश के नीति–निर्धारकों ने इस राज्य की अहमियत को समझा था। इसी का नतीजा था कि हमारे राज्य में कई बड़े उद्योग स्थापित हुए। टाटा और बिड़ला जैसे कई उद्योग समूहों ने अपने उद्योग लगाए। इसी राज्य में कोल इंडिया की सबसे ज्यादा गतिविधियां संचालित हो रही है। देश की मशहूर हैवी इंजीनियरिंग कॉपोर्रेशन लिमिटेड (एचईसी) भी हमारे राज्य में स्थापित है लेकिन जैसे–जैसे समय आगे बढ़ता

उठाएगी। स्टार्टअप के जरिए

यवा रोजगार से जड़े और दसरों

को भी रोजगार दें, इस सोच के

अवसर पर राज्यसभा सदस्य

महुआ माजी, विधायक रामेश्वर

उरांव, पूर्व राज्यसभा सदस्य महेश

इनकी रही मौजूदगी : इस

साथ सरकार आगे बढ़ेगी।

बनती गई कि यहां के कई उद्योग-धंधे बंद हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन उद्योगों का विस्तार होना था, वे सिमटते गए। इस वजह से लोग बेरोजगार भी हुए लेकिन हमारी सरकार उद्योगों की ऐसी बुनियाद डालना चाहती है, जिसका लाभ लोगों को पीढ़ी–दर–पीढ़ी मिल सके। इसमें झारखंड चैम्बर्स का जो भी सुझाव होगा उस पर सकारात्मक अमल करते हुए सरकार पूरा सहयोग करेगी।

गया और परिस्थितियों कुछ ऐसी

सचिव अविनाश कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेन्स विभाग की सचिव विप्रा भाल, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सचिव

परेश गटानी सहित अन्य सदस्य

पोद्दार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य बाबूलाल ने फिर हेमंत को लिया निशाने पर, कहा-सोरेन परिवार के लिए केवल झंडा **ढोने के लिए ही हैं** झानुमो वर्कर

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने एक बार फिर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को लेकर अपनी भावना जाहिर की है। सोशल मीडिया के जरिए इसे शेयर करते कहा है कि वर्तमान सीएम हेमंत सोरेन ने जिस तरह से चंपाई सोरेनजी को अपमानित कर मुख्यमंत्री की कुर्सी से बेदखल किया, उसकी पीड़ा अब चंपाई के बयानों में दिखाई देने लगी है। हेमंत सोरेन में असुरक्षा की भावना इस कदर घर कर गई है कि उन्हें अपने ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों पर भरोसा नहीं रहा। हेमंत सोरेन और उनका परिवार झामुमो के आदिवासी नेताओं और कार्यकताओं को सिर्फ दरी बिछाने और झंडा ढोने के योग्य समझता है। बाबुलाल के मुताबिक, चंपाई सोरेन ने धीरे-धीरे ही सही लेकिन



सकारात्मक राजनीति की ओर कदम बढ़ाया था। पार्टी कैडरों के बीच चंपाई की बढ़ती स्वीकार्यता देख हेमंत विचलित हो उठे। चंपाईजी के प्रकरण को देखकर अब उम्मीद है झारखंड राज्य का आंदोलन करने वाले आदिवासी नेता, कार्यकर्ता झारखंड की अस्मिता और यहां के संसाधनों को किसी बदमिजाजी, सनकी और परिवारवादी व्यक्ति के हाथ में नहीं सौंपेंगे।

ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए मिला अंतिम मौका

लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपित बंद ग्रामीण विकास के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम से जुड़े मामले में चार्टर्ड अकाउंटेंट ईडी ने जवाब के लिए हृदयानंद तिवारी की अग्रिम जमानत याचिका की सनवाई कोर्ट से मांगा समय शनिवार को हुई। मामले में ईडी समन अवहेलना मामले में ने दो सप्ताह का समय जवाब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सशरीर दाखिल करने के लिए मांगा। उपस्थिति से छूट के पिटीशन पर कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल एमपी-एमएलएं के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की कोर्ट करने के लिए अंतिम मौका देते में शनिवार को सुनवाई हुई। मामले हुए मामले की अगली सुनवाई में ईडी ने जवाब दाखिल करने के 26 जुलाई निर्धारित की है। लिए कोर्ट से समय की मांग की। इससे पूर्व भी ईडी की ओर से कोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि जवाब दाखिल करने के लिए 15 जुलाई निर्धारित की है। हेमंत सोरेन ने कोर्ट में सशरीर उपस्थित चार सप्ताह के समय की मांग से छूट के लिए सीआरपीसी की की गई थी।दरअसल, ईडी ने धारा 205 के तहत पिटीशन टेंडर कमीशन घोटाले में 22 दाखिल किया है। इससे पूर्व तीन फरवरी, 2023 को वीरेंद्र राम जून को सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा को गिरफ्तार किया था। इनके ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था। तीन सहयोगियों नीरज मित्तल, पूर्व में सीजेएम कोर्ट द्वारा मामले ताराचंद गुप्ता एवं राम प्रकाश में संज्ञान लिए जाने के बावजुद भी

भाटिया को भी ईडी ने इस मामले

में गिरफ्तार किया है। हृदयानंद

तिवारी ने ही चार्टर्ड अकाउंटेंट

मुकेश मित्तल से वीरेंद्र राम को

मिलवाया था। मुकेश मित्तल के

ऑफिस में हृदयानंद तिवारी

काम करता था। ईडी की टीम ने

वीरेंद्र राम की 39.28 करोड़

रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

की थी। जब्त की गई संपत्ति

वीरेंद्र ने टेंडर में कमीशन से

उगाही अर्जित की है। 22

फरवरी, 2023 को वीरेंद्र राम

के आवास पर छापेमारी के

दौरान उसके रांची के अशोक

नगर स्थित आवास से ईडी ने

वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ईडी को करीब 40 लाख से अधिक के कैश एवं डेढ़ करोड़ के आभूषण मिले थे। ईडी ने उनके करीब एक दर्जन लग्जरी वाहन भी बरामद किया था। ईडी की पूछताछ में उसके पास से 125 करोड़ की चल-अचल संपत्ति की जानकारी मिली थी।

हेमंत सोरेन की उपस्थिति कॉर्ट में

नहीं हुई थी। मामले में हेमंत सोरेन

की और से सीजेएम कोर्ट के समन आदेश को हाई कोर्ट में

चुनौती दी गई है।

अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुए राहुल गांधी

भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में राहुल गांधी समन के बावजूद शनिवार को रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। इस पर शिकायतकर्ता के वकील ने राहुल गांधी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया लेकिन कोर्ट ने इनकार कर दिया। एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की कोर्ट ने कहा कि जारी समन मिला है या नहीं इसका सर्विस रिपोर्ट कोर्ट को नहीं मिला है। इसको देखते हुए वारंट अभी जारी नहीं किया जा सकता है। मामले में उपस्थिति की अगली तिथि निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता नवीन झा के अधिवक्ता विनोद कुमार साहू ने पैरवी की। इससे पूर्व कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी कर कोर्ट में उपस्थित होने को कहाँ था। राहुल गांधी की ओर से पूर्व में एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा जारी समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के आरोपी को दबोचा हिमार पुलिस ने रांची के

सूरज कुमार यादव। 🛭 फोटोन न्यूज

मोहम्मद शोएब। 🛭 फोटोन न्यूज

प्रखंड अध्यक्ष और मोहम्मद शोएब

जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो, जिला

उपाध्यक्ष मोहम्मद सलिल अंसारी,

राजद नेता शमीम अंसारी, हलीम

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से मानव तस्करी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही दो नाबालिग लड़िकयों को मुक्त कराया है। दोनों नाबालिगों को सीडब्ल्यूसी के मौखिक आदेश पर उनकी सुरक्षा के लिए प्रेमाश्रय रांची को सौंप दिया गया।निरीक्षक दिगंजय शर्मा ने शनिवार को बताया कि रांची मंडल के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे स्टेशन रांची पर चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या दो और तीन के पास दो नाबालिग लड़िकयों को एक पुरुष के साथ संदिग्ध स्थिति में बैठे देखा गया। पूछताछ करने पर मानव तस्कर ठीक से जवाब नहीं दिया। इसके बाद महिला स्टाफ की



आरपीएफ की गिरफ्त में मानव तस्कर। • फोटोन न्यूज

मौजूदगी में उनसे एक-एक करके पूछताछ की गई तो पता चला कि पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) निवासी दो नाबालिगों को खूंटी निवासी अनिल मंसिद ओरेया पोल्ट्री फॉर्म के मालिक से 15 हजार रुपये के बदले हरियाणा राज्य के अंबाला में एक पोल्ट्री फॉर्म में सौंपने के लिए रेलवे स्टेशन रांची लाया था। दोनों नाबालिगों से पूछताछ करने पर स्पष्ट हुआ कि दोनों को पोल्ट्री के मालिक से दलाली शुल्क प्राप्त करके हरियाणा में जबरन श्रम के लिए भेजा जा रहा था। सभी कानुनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपित अनिल मंसिद ओरेया को उपनिरीक्षक सोहन लाल ने गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए एएचटीयू थाना कोतवाली को सौंप दिया गया। एएचटीयू पीएस कोतवाली ने आरोपित के खिलाफ बीएनएस और 75/81जेजे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

नगड़ी में स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में गांजा बरामद

नगड़ी से एक स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। लोहरदगा एसपी हरिश बिन जमा को मिले सूचना के आधार पर रांची एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने शुक्रवार की देर रात यह कार्रवाई की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि ओडिशा से स्कॉर्पियो में गांजा लोड कर तस्कर लोहरदगा की तरफ जा रहे थे। लोहरदगा पलिस ने गांजा तस्कर का पीछा करना शुरू किया, तो वो अपनी गाड़ी को लेकर रांची जाने वाले रास्ते में भागने लगे। लोहरदगा पुलिस की टीम ने भी तस्कर का पीछा किया। भागने के क्रम में तस्कर की गाड़ी ने नगड़ी में एक कार को टक्कर मार दी। इसके बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गयी। लोहरदगा पुलिस भी मौके पर पहुंची और इसकी सूचना रांची पुलिस को दी।

युवा आजसू ने की एसएस मेमोरियल कॉलेज के लेखापाल को हटाने की मांग



PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कांके रोड स्थित एसएस मेमोरियल कॉलेज में युवा आजसू का दीपक दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्राचार्य से मिला और अवगत कराया कि खेल विभाग में कार्यरत जितेंद्र सिंह को लेखापाल का प्रभार दिया गया है, जो कहीं से उचित प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि विभाग भी अलग है और लेखापाल के लिए वाणिज्य विषय में योग्यता के साथ-साथ लेखापाल की भी जानकारी होनी चाहिए । संबंधित कर्मी का अनुभव खेल से

संबंधित है। उन्हें खेल का ही प्रभार दिया जाए तो उचित होगा। वित्तीय मामला बहुत गंभीर और संवेदनशील होता है। कॉलेज प्रशासन को चाहिए कि उचित और योग्य कर्मी को ही वित्तीय प्रभार दिया जाए। अगर दो दो दिनों के अंदर इन्हे लेखपाल के पद से पद मुक्त नहीं किया गया तो आजसू चरणबद्ध आंदोलन करेगी। मौके पर शुभम पांडे, नितेश दुबे, शाह अफसर, करण सिंह,कुणाल शाहदेव, सूरज कुमार लोहारा, अमन कुमार, उमेश कुमार, आनंद कुमार, नितेश कुमार, सुनील लोहारा, अमित कुमार, रोहित

कुमार ,रवि रंजन आदि मौजूद थे।

साथ एक आरोपी गिरफ्तार RANCHI: रेलवे सरक्षा (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से शराब के साथ एक

रेलवे स्टेशन पर शराब के

व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम शुभम कुमार सिंह है। वह बिहार के भोजपुर का रहने वाले है। एएसआई शक्ति सिंह ने शनिवार को बताया कि रांची मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर लगातार ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर नशा के समान के खिलाफ अभियान जारी है। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 18624 सीटी के ऑन ड्यूटी एस्कॉर्ट पार्टी कुणाल पाठक ने सूचना दी कि कोच संख्या एस-1 में एक व्यक्ति संदिग्ध व्यवहार कर रहा है। सूचना के बाद कोच की जांच करने पर शराब की आठ बोतल बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपित ने बिहार में ऊंचे मूल्य पर बेचने के लिए रांची से शराब खरीदने की बात स्वीकार की।

आज भव्य रथयात्रा में शामिल होंगे हजारों श्रद्धालु, कल सुबह 5 बजे खुलेगा भगवान का पट

एकांतवास से बाहर आए भगवान जगन्नाथ, भाव-विभोर हुए भक्त

भगवान जगन्नाथ प्रभु का 15 दिनों का एकांतवास खत्म हुआ। शनिवार को नेत्रदान के बाद भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ बाहर आए, तो भक्त भाव-विभोर हो उठे। भगवान का एकांतवास खत्म होने की खुशी में 108 दीपों से भगवान की मंगलआरती, जगन्नाथ अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाठ और भगवान की स्तुति हुई। मालपुआ सहित अन्य मिष्ठान्नों का भोग लगाया गया। भगवान रात 9 बजे तक भक्तों को दर्शन मंडप में दर्शन देंगे। प्रभु जगन्नाथ आज यहीं रात्रि विश्राम करेंगे। रविवार (7 जुलाई) को रांची में रथ यात्रा



है। सुबह 4 बजे से ही भक्त भगवान की पुजा करने के लिए कतारबद्ध होने लगेंगे। दोपहर 2 बजे के बाद भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा को बारी-बारी से रथ पर बैठाया जाएगा। रथ पर ही भगवान के

सभी विग्रहों का शृंगार होगा। इस दौरान विष्णु सहस्रनाम अर्चना और मंगल आरती होगी। मंगल आरती के बाद रथ में रस्सा बंधन होगा और शाम 5 बजे रथयात्रा शुरू होगी। सभी भक्त रथ की रस्सी खींचकर रथ को मौसीबाड़ी

तक ले जाएंगे। मौसीबाड़ी में महिलाएं रथ पर भगवान की पूजा करेंगी। शाम 7 बजे तक सभी विग्रहों को मौसीबाड़ी में रखा जायेगा। आरती और भोग निवेदन किया जायेगा। रात आठ बजे भगवान का पट बंद कर दिया जायेगा। अगले दिन यानी सोमवार (8 जुलाई) को सुबह 5 बजे पट खुलेगा और प्रभु भगवान की पूजा होगी। सुबह 6 बजे मंगलआरती व बाल भोग लगाया जायेगा। दोपहर 12 बजे अन्न भोग लगाया जायेगा। वहीं दोपहर 12:10 बजे पट बंद हो जायेगा। 3 बजे मंदिर का पट फिर से खोल दिया जाएगा। रात के 8 बजे तक भक्त अपने भगवान के दर्शन कर सकेगे।

डीसी, एसएसपी ने रथयात्रा के रूट का किया निरीक्षण



जगन्नाथपुर मेले का आयोजन रविवार, सात जुलाई को हो रहा है। शनिवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राज कुमार मेहता ने रथ यात्रा की तैयारी और मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सभी ने जगन्नाथपुर मंदिर से मौसी बाड़ी तक रथ यात्रा के रूट का निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी ने कहा कि मेले में

विधि व्यवस्था के सभी इंतजाम किये गये है। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसका खयाल रखा जा रहा है। मेले में 24 घंटे बिजली, चलंत शौचालय, पानी की व्यवस्था की गयी है। इसके साथ फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गयी है। एसएसपी ने कहा कि मेले में सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम कियेँ गये है।

'पासवा' रजिस्टर्ड संस्था, दुरूपयोग करने पर कार्रवाई की होगी मांग

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) रजिस्टर्ड संस्था के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ए कुमार और झारखंड प्रभारी तौफीक हुसैन ने एक लेटर जारी कर कहा कि पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) रजिस्टर्ड संस्था के नाम का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ आईजी रजिस्टर्ड को सूचित कर कार्रवाई की मांग की जाएगी। पासवा झारखंड के प्रदेश प्रभारी तौफीक हसैन ने एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अलख कुमार ने बताया कि हमारी संस्था मान्यता प्राप्त एवं रजिस्टर्ड संस्था है। इसका मुख्य कार्यलय असनाबाद झुमरीतिलैया जिला कोडरमा में स्थित है। इस रजिस्टर्ड संस्था के अंतर्गत झारखंड में निजी

विद्यालयों के हित और राज्य में संचालित वि?द्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों के कल्याण के लिए कार्य किया जाता हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने कहा की झारखण्ड में राँची के आलोक कुमार दुबे और उनके सहयोगियों द्वारा हमारी संस्था के नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है। वे लोग पासवा के नाम से ही बिना अनुमति के हमारी संस्था पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के नाम का उपयोग कर रहे है। हमारी संस्था पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन झारखण्ड में भी रजिस्ट्रेशन के अंतर्गत संचालित है। उन्होंने यह भी कहा की इस नाम का उपयोग करने वालों पर जल्द ही आईजी रजिस्टर रांची को सूचित किया जाएगा।

BRIEF NEWS

एमबीएनएस कॉलेज ने मनाया वन महोत्सव

JAMSHEDPUR: एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के एनएसएस सेल की ओर से शनिवार को वन महोत्सव मनाया गया। इसके अंतर्गत



अभियान के तहत रैली के लगाने के लिए जागरूक

किया गया। इस अभियान को सफल बनाने में प्रिंसिपल पिंकी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका भारती, भवतारण भकत, शंकर कच्छप और छात्र-छात्राएं सक्रिय रहे।

शिविर में वंचित बच्चों ने कराई स्वास्थ्य जांच

JAMSHEDPUR: बारीडीह स्थित एडीएम अस्पताल द्वारा शनिवार को भालुबासा स्थित राजकीय हरिजन मध्य विद्यालय में शिविर लगाया गया, जहां लगभग 180 वंचित बच्चों ने स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर



मानद सचिव कृपाल सिंह और डॉ. निजामी ने किया। सचिव ने अगले सप्ताह पुनः शिविर लगाने का आश्वासन

बनाने में विद्यालय के प्रधानाध्यापक किशोर शर्मा, राजेश उपाध्याय सहित अस्पताल व विद्यालय परिवार सिक्रय रहा।

भाकपा माओवादियों का कोल्हान बंद 10 जुलाई को

EAST SINGHBHUM: भाकपा माओवादी की दक्षिणी जोनल कमेटी ने 10 जुलाई को कोल्हान प्रमंडल बंद का आह्वान किया है। दक्षिणी जोनल कमेटी ने कहा है कि आपरेशन कगार के तहत झारखंड पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने लोवादा में ऑपरेशन क्लीन चलाकर हमारे छह साथियों का नरसंहार किया है। इसके खिलाफ 10 जुलाई को 24 घंटे का कोल्हान प्रमंडल बंद बुलाया गया है। भाकपा माओवादियों ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि 23 मई को लोवादा गांव के पास जंगल में कामरेड बुधराम सहित तीन सदस्यीय टीम की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में जब कामरेड बुधराम को पैर में गोली लगा तो वे चलने में असमर्थ हो गये। पुलिस ने कामरेड बुधराम को घायल अवस्था में पकड़ कर बर्बरता के साथ शारीरिक यातना देने के बाद सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और वे शहीद हो गये। भाकपा माओवादियों ने कहा कि दूसरी घटना लिपुंगा की है।

रथयात्रा को लेकर आज सरायकेला में नो एंट्री

SARAIKELA: रथयात्रा को लेकर 7 जुलाई को सरायकेला में नो एंट्री रहेगी। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक साहेबगंज से चाईबासा रोड पर भाजपा कार्यालय तक सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक छोटे-बड़े मालवाहक वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

संपूर्णता अभियान के तहत निकाली प्रभात फेरी

LOHARDAGA: नीति आयोग की ओर से प्रारंभ अभियान संपूर्णता अभियान को लेकर आज प्रभात फेरी का आयोजन समाहरणालय प्रांगण लोहरदगा से नगर भवन तक किया गया। इसका शुभारंभ जिला योजना पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह और आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रभात फेरी में निदया हिंदू प्लस टू उच्च विद्यालय लोहरदगा के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने बैनर व तख्तियों के माध्यम से संपूर्णता अभियान को सफल बनाने की अपील की। संपूर्णता अभियान में गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच, पोषाहार, बच्चों का टीकाकरण, स्कूली बच्चों को पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराना, स्वयं सहायता समहों को रिवॉल्विंग फण्ड उपलब्ध कराना और किसानों को मदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराना है। यह सभी उपलब्धियां अगले तीन माह यानी सितंबर तक हासिल कर लिया

राष्ट्रपति के गृह क्षेत्र से खुली पुरी स्पेशल ट्रेन

POTKA: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के गृह क्षेत्र बादामपहाड़ (ओडिशा) से शनिवार को पुरी स्पेशल ट्रेन खुली, जिसका हल्दीपोखर रेलवे



🗔 स्टेशन पर सबह ८ बजे मखिया देवी कुमारी भूमिज के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। यह ट्रेन सीधीरसाई हॉल्ट एवं हल्दीपोखर स्टेशन पर रूकते हुए गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस ट्रेन के चालू होने से लोग आसानी से पुरी धाम पहुंच पाएंगे

और जगन्नाथ महाप्रभु का दर्शन कर पाएंगे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यकताओं ने लगाए औषधीय पौधे

JAMSHEDPUR : भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती को भाजपा जमशेदपुर महानगर ने पूरी श्रद्धा से मनाया। शनिवार को साकची स्थित



जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में कार्यकताओं ने औषधीय पौधे लगाए। इससे पूर्व प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद समेत पार्टी के वरीय नेताओं व कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस दौरान कार्यकताओं ने 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे', 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी वो कश्मीर हमारा है' एवं 'भारत माता की जय के नारे

से कार्यालय परिसर गुंजायमान रखा। वहीं, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यालय परिसर में रुद्राक्ष, रक्तचंदन, कपूर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान में पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव की माता ने भी पौधा लगाया। भाजपा जमशेदपुर महानगर अंतर्गत सभी 28 मंडलों में शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती को कार्यकताओं ने श्रद्धापूर्वक मनाया।

हाथरस कांड में मृत श्रद्धालुओं को दी श्रद्धांजलि



JAMSHEDPUR: उत्तर प्रदेश के हाथरस में भगदड़ से कई प्रांत के 121 श्रद्धालु दिवंगत हो गए थे। इन्हें शनिवार को शहर के पुरोहितों-आचार्यों ने गीता पाठ कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गोलमुरी स्थित पशुपित नाथ शिव मंदिर में धर्मरिक्षणी पौरोहित्य महासंघ के सभी आचार्य ने भगवान पशुपित नाथ से मोक्ष प्रदान कराने के लिए दो मिनट मौन रखकर प्रार्थना की। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष पं. विपिन झा, रमेश उपाधाय, परशुराम पांडेय, उमेश तिवारी, राम अवधेश चौबे, सत्येंद्र पांडेय शास्त्री, मुन्ना पांडेय आदि उपस्थित रहे।

जमुआ-कोडरमा मुख्य मार्ग के पेटहंडी तालाब के पास हुआ हादसा

बच्चों से भरा वाहन टकाराया एक दर्जन बच्चे हुए घायल

गिरिडीह में एक स्कली बच्चों से टाटा मैजिक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। इस घटना में करीब एक दर्जन बच्चों को चोट लगी है। इनमें कछ बच्चों को गंभीर चोटें आई है जिसे इलाज के लिए अभिभावक धनबाद लेकर चले गए हैं। घटना दोपहर की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार जमुआ में संचालित इंपीरियल स्कूल ऑफ लर्निंग के बच्चे एक टाटा मैजिक वैन नंबर जेएच 20 बी 9871 में स्कूल से छुट्टी के बाद सवार होकर अपने-अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान जमुआ-कोडरमा मुख्य मार्ग के पेटहंडी तालाब के पास विपरीत दिशा से आ रही एक मछली लदी वाहन से स्कूली बच्चों की वाहन की टक्कर हो गई। इसमें दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूली बच्चों से भरी वाहन बीच



क्षतिग्रस्त वाहन। ● फोटोन न्यूज

सड़क पर पलट गयी और सभी बच्चे इधर-उधर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। आस-पास गुजर रहे लोग और वाहन चालकों ने अपने-अपने वाहन को रोक कर बच्चों को उठाना शुरू कर दिया

हरे कृष्णा निवास से इस्कॉन

की निकलेगी भव्य रथयात्रा

और आस-पास के अस्पताल में बच्चों को लेकर पहुंच गए। इधर जैसे ही घटना की जानकारी घायल बच्चों के अभिभावकों को मिली तो अभिभावक भी दौडते भागते घटनास्थल पर पहुंचे और अपने बच्चों को लेकर इधर-उधर इलाज के लिए भागने लगे।

कांवरियों की सेवा में शिविर लगाएगी माता हीरामणि संस्था

PALAMU : देवघर के विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में कांवरियों की सेवा के लिए डालटनगंज का माता हीरामणि देवी निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर 26वें वर्ष भी कैंप लगाने का निर्णय लिया है। इस शिविर को सफल बनाने के लिए 200 सदस्यीय जत्था 14 जुलाई को डालटनगंज से देवघर के लिए रवाना होगा। बताते चलें कि वर्ष 1998 से माता हीरामणि देवी निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर देवघर के दुम्मा में कैंप लगाते आ रहा है। पूरे एक महीने इस शिविर के माध्यम से कांवरियों की निःस्वार्थ सेवा की जाती है। इस संदर्भ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए शिविर के सेवादार प्रमोद अग्रवाल, पप्पन अग्रवाल और कंचन अग्रवाल ने संयुक्त रूप से शनिवार को बताया कि 14 जुलाई को सुबह 11.30 बजे सुदना स्थित कैंप कार्यालय से 200 सदस्यों का सेवा दल देवघर के

विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में बनेगी बीजेपी की सरकार : निशिकांत

(संजय पांडे) मौजूद रहे। गौरधाम

प्रभु ने बताया गया कि कोई भी

मनुष्य रथ पर सवार जगन्नाथ जी

का दर्शन करते हैं तो उनका

पुनर्जन्म नहीं होता एवं उनके दर्शन

मात्र से ही पापों से मुक्त हो जाते

हैं। प्रभु जी ने पूरे शहरवासियों को

आमंत्रित किया तथा प्रसाद के

माध्यम से कृपा पाने का आग्रह

किया। उन्होंने कहा कि 15 दिन

अज्ञातवास के बाद शनिवार शाम

में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं

दुमका में गोड्डा के भाजपा सांसद ने किया दावा

सुभद्रा दर्शन देंगे।

PHOTON NEWS DUMKA: गोड़ा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा

PHOTON NEWS PALAMU:

हरे कृष्णा निवास डालटनगंज से

रविवार दोपहर दो बजे इस्कॉन

द्वारा भव्य रथयात्रा निकाली

जायेगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर

ली गयी है। शनिवार को इस

सिलसिले में इस्कॉन मायापुर धाम

के संकीर्तन डिपार्टमेंट प्रमुख

गौरधाम प्रभु की अध्यक्षता में

बैठक करने के बाद पत्रकारों को

जानकारी दी गयी। मौके पर प्रथम

उपमहापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ

मंगल सिंह, सुंदर माधव दास

सांसद निशिकांत दुबे को आचार संहिता के एक मामले में दुमका सिविल कोर्ट ने बरी कर दिया। न्यायालय से राहत मिलने के बाद कोर्ट परिसर के बाहर निशिकांत दुबे ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि पिछले दिनों उन्होंने कई भविष्यवाणी की थी, जो अक्षरशः सत्य साबित हुई। उन्होंने कहा कि चाहे हेमंत सोरेन के जेल जाने की बात हो या सरफराज अहमद के राज्यसभा सदस्य बनने की बात सभी बातें सत्य हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पूर्व में भविष्यवाणी की थी कि कल्पना सोरेन जैसे ही



विधायक बनेंगी, चंपई सोरेन को सीएम का पद त्यागना पडेगा और हुआ भी ठीक वही। गोड्डा सांसद ने कहा कि हेमंत सोरेन परिवारवाद की वजह से मुख्यमंत्री बन गए। इस दौरान गोड्डा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक नई भविष्यवाणी की। उन्होंने दावा

दो-ढाई महीने में विधानसभा चुनाव होंगे और उसके बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। सांसद ने कहा कि राज्य में बीजेपी की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जितने भी भ्रष्टाचार किए हैं और गलत काम किए हैं उन सभी का हिसाब होगा। सांसद ने दावा करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से अधिक सीट मिलने जा रही हैं। हेमंत सोरेन के खिलाफ तीखी आलोचना करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को दुमका में कहा कि चंपाई सोरेन को सीएम पद से हटाना काफी

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील के करते हुए कहा कि झारखंड में

के एक कर्मचारी की प्लांट के भीतर ही क्रेन से गिर जाने से मौत हो गई। मृतक जमशेदपुर के कदमा थाना क्षेत्र का रहने वाला नरेश प्रसाद (32) है, जो टाटा स्टील के सीआरएम विभाग में स्थाई कर्मचारी था। बताया जाता है कि नरेश प्रसाद क्रेन ऑपरेटर था और क्रेन पर चढ़ रहा था। इसी दौरान वह अचानक गिर गया। गिरने की वजह से बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा विभाग की टीम ने नरेश प्रसाद को टीएमएच अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद वहां के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना को लेकर टाटा स्टील की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक नरेश प्रसाद शनिवार सुबह चार बजे क्रेन ऑपरेशन के दौरान ही गिर गया, जिससे उसकी

छंदबद्ध गीतों के साथ 'छंदमाल्य' का साहित्यकारों ने उटाया आनंद



कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: छंदबद्ध रचनाओं की गीतमय प्रस्ततियों के साथ छंदमाल्य भाग-4 का आयोजन शनिवार को बिष्टपुर स्थित सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन के प्रयाग कक्ष में हुआ। छंदमाल्य कवि मंडपम् एवं सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन तुलसी भवन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम की अध्यक्षता छंदाचार्य डॉ. रागिणी भूषण ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं डॉ. रागिनी भूषण द्वारा दीप स्तुति के साथ किया गया। सरस्वती वंदना डॉ. रजनी रंजन द्वारा रचित छंदोबद्ध वंदना उन्हीं के स्वर में प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में किसी भी वाक्य को गद्य में उच्चारित नहीं किया गया। अतिथियों का स्वागत, मंच पर आमंत्रण, आभार, संचालन एवं

गया। यहां तक की समीक्षात्मक टिप्पणियां भी छंदों में ही की गईं। छंदमाल्य श्रंखला की चौथी प्रस्तति हुई। कार्यक्रम की सुत्रधार, चिंतक एवं परिकल्पक प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम' ने प्रतिभागी के रुप में मनीषा सहाय 'सुमन, डॉ. रजनी रंजन एवं रीना सिन्हा 'सलोनी', आरती श्रीवास्तव 'विपुला', किरण कुमारी 'वर्तनी', रीना गुप्ता 'श्रुति',शिप्रा सैनी 'मौर्य', लक्ष्मी सिंह 'रुबी'एवं पद्मा प्रसाद 'विंदेश्वरी' हैं। इनके द्वारा दोहा, चौपाई, घनाक्षरी एवं ताटक छंद में रचनाएं प्रस्तुत की गईं। इसी क्रम में पुस्तक छंदमाल्य व दोहे मन को मोहे का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. रागिणी भषण ने की। मौके पर मख्य अतिथि रामनंदन प्रसाद (उपाध्यक्ष, तलसी भवन), विशिष्ट अतिथि प्रसेनजीत तिवारी (मानद सचिव, तुलसी भवन) तथा मंजू ठाकुर

इश्क में इबे पित ने पत्नी व बेटे को घर से निकाला

RAMGARH: पति और पत्नी के

बीच जब भी कोई लडकी की एंटी

हुई है वह घर बबार्दी के कगार पर

पाकुड़ में विस्फोटक के साथ कारोबारी गिरफ्तार

महेशपुर थाना की पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाकर भारी मात्रा में विस्फोटक के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी महेशपुर थाना क्षेत्र के सीलमपुर गांव के समीप से हुई है। महेशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है एसडीपीओ विजय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पाकुड़िया प्रखंड की ओर से वाहन में भारी मात्रा में विस्फोटक लाया जा रहा है। यह जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने इलाके में वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सीलमपुर गांव के निकट एक बाइक को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। इस क्रम में बाइक की डिक्की

करीब 12 बच्चे घायल हुए हैं

जिनमें कुछ को गंभीर चोटें आई

है जिन्हें उनके अभिभावक इलाज

के लिए धनबाद लेकर चले गए

हैं। वहीं घटना के बाद जमुआ

पुलिस भी मामले की छानबीन में

जट गई है। घायल बच्चों में माही

यादव, पिता झ दिलीप यादव, 6

वर्ष, मो। अली पिता झ राम

मल्लिक 12 वर्ष, फिरोज उर्फ

फिरदौस आलम पिता झ्र राम

मल्लिक, आर्यन कुमार पिता झ

मुकेश कुमार, 5 वर्ष, अरबिंद

कुमार पिता-तरुण कुमार 6 वर्ष,

सभी रईयोडीह, हुसान राजा पिता

झ कोशर अली 6 वर्ष, मो।

मिस्टर पिता झ्र इमाम अंसारी 6

वर्ष, अमन अंसारी पिता झ मो

सिराज अंसारी शामिल है। जिसमें

चार बच्चों को बेहतर इलाज के

लिए धनबाद रेफर कर दिया गया।

शेष बच्चों का इलाज जमुआ में

टाटा स्टील में क्रेन से गिरकर कर्मी की मौत

कोल्ड रोलिंग मिल (सीआरएम)



पहुंच गया है। रामगढ़ में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां प्रेमिका के इश्क में डूबे पति ने अपनी पत्नी और बेटे को घर से बाहर निकाल दिया। प्रताड़ना की सारी हदें पार करने के बाद उसने अपने छोटे भाई चांदु बनर्जी के से डेटोनेटर को जब्त किया गया। सहारे अपनी पत्नी का घर में प्रवेश बाइक की डिक्की से डेटोनेटर भी बंद कर दिया है। यह मामला बरामद होते ही पुलिस ने शख्स तब उजागर हुआ जब शनिवार के को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शाम पीड़िता रूम्पा बनर्जी अपने कारोबारी से पूछताछ के लिए थाने बेटे अंकित बनर्जी के साथ रामगढ़ ले जाया गया। पूछताछ के क्रम में थाने पहुंची। उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। रूम्पा बनर्जी गिरफ्तार एनुल हुसैन ने बताया कि ने पुलिस को बताया कि उसकी पाकुड़िया प्रखंड के डोमनगढ़िया निवासी राजा अंसारी विस्फोटक शादी वर्ष 2004 में पतरातू बस्ती का धंधा काफी दिनों से कर रहा है निवासी चंदन बनर्जी के साथ हुई और उसी के कहने पर उक्त थी। शादी के कुछ वर्षों बाद ही उसके पति ने उसे प्रताडित करना विस्फोटक को पत्थर औद्योगिक

पलामू के जवान की जम्मू कश्मीर में हादसे में मौत

क्षेत्र रद्दीपुर ले जाया जा रहा था।

बीएसएफ जवान की शनिवार भोर जम्म-कश्मीर में सडक हादसे में मौत हो गई। जवान के घर में चचेरे भाई की शादी है। इसी शादी में शामिल होने के लिए वह ड्यूटी से छड़ी लेकर घर के लिए निकले थे लेकिन रास्ते में ही हादसे के शिकार हो गए।बीएसएफ जवान अमित शुक्ला (30) सदर मेदिनीनगर प्रखंड के सिंगरा निवासी उपेंद्र शुक्ला के बड़े पुत्र थे। एक साल पहले ही उनकी छिंदवाड़ा में पोस्टिंग हुई थी। बताया गया है कि छिंदवाड़ा कैंप से जम्मू रेलवे स्टेशन जाने के लिए शुक्रवार की रात दस बजे जाइलो वाहन से निकले थे। इसमें सीमा सुरक्षा बल के 26वीं वाहिनी के आठ जवान सवार थे। सभी छुट्टी में घर जाने के लिए स्टेशन से



ट्रेन पकड़ने निकले थे। इस बीच शनिवार भोर चार बजे जम्म के चिनैनी नाशरी टनल में तेज रफ्तार जाइलो पलट गई। इस घटना में अमित शक्ला की मौत हो गई जबिक बाकी जवान जख्मी हैं। अमित शक्ला के घर पर आज पूर्वाह्न 11 बजे के करीब उनकी मौत की खबर मिली। इसकी जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में मातम पसर गया। पांच भाई बहनों में अमित शुक्ला सबसे बड़े थे।

अपनी पहचान खोता जा रहा पारंपरिक वाद्ययंत्र, चमड़े और नगड़ा मिट्टी से होता है इसका निर्माण

अब मांदर की थाप नहीं, इंस्टा रील पर थिरकते हैं लोग

PHOTON NEWS KHUNTI:

झारखंड के सबसें प्रमुख वाद्ययंत्र जिसे झारखंउ की सांस्कृतिक पहचान कहा जाता है, धीरे-धीरे अपनी पहचान खोता जा रहा है। कोई भी सामाजिक या सांस्कृतिक समारोह मांदर के बिना अधुरा माना जाता है। ढोल-नगाड़े, शहनाई सब कुछ हो, पर मांदर की थाप न हो तो समारोह में रस नहीं रह जाता। बात चाहे करमा की हो, जीतिया हो अथवा शादी-विवाह या जन्मोत्सव हर कार्यक्रम मांदर के बिना अधुरा रह जाता है, लेकिन यही मांदर के सामने अब अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।मोबाइल और इंटरनेट के इस युग में न तो नई पीढ़ी को मांदर में रुचि है और न बजाने वालों को। यही कारण है कि मांदर का निर्माण



तीन प्रकार के होते हैं मांदर

संरचना के आधार पर मांदर तीन प्रकार के होते हैं एक छोटा मांदर बनता है, जो लगभग दो फीट लंबा और गोलाकार होता है, जिसे मुची मांदर कहा जाता है। दूसरा लगभग तीन फीट लंबा और गोलाकार होता है जिसे ठोंगी मांदर कहा जाता है। तीसरा लगभग साढे तीन फीट लंबा और गोलाकार होता है, जिसे जसपुरिया मांदर कहा जाता है। मुची मांदर और ठोंगी मांदर स्थानीय आदिवासी समुदाय के लोग बजाते है, जबकि जसपुरिया मांदर सदानों का प्रमुख वाद्ययंत्र है।

करने वाले इक्के-दुक्के लोग ही धंधा करने वाले समन राम बताते रह गये हैं। तोरपा प्रखंड के हैं कि अब बाजार में मांदर की

तपकारा में मांदर बनाने का पुश्तैनी मांग काफी कम हो गई है। उन्होंने

सभी समुदायों में लोकप्रिय है मांदर: लक्ष्मीकांत

झारखंड के प्रमुख नागपुरी कलाकार और मांदर वादकलक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक, जो बीकेबी मेमोरियल पब्लिक स्कूल तोरपा के प्राचार्य भी हैं, बताते हैं कि मांदर की बांयी ओर के मुंह की गोलाई लगभग 30 इंच और दांयी ओर की गोलाई लगभग 12 इंच तक की होती है। दोनों ओर मवेशी



के मोटे चमड़े का प्रयोग किया जाता है और उसके मुंह को बंद कर दिया जाता है। साथ ही दोनों ओर मिट्टी और एक खास तरह के लाल पत्थर को पीस कर चमड़े ऊपर उसका लेप चढ़ाया जाता है, जिसे खरन कहा जाता है। बांयी ओर मिट्टी की मोटी परत का लेप चढाया जाता है, जबिक दांयी ओर पतली। इसीसे मांदर के दोनो ओर मधुर आवाज निकलती है। समन राम और लक्ष्मीकांत नारायण

बड़ाईक ने बताया कि मांदर के निर्माण में दो से तीन दिन का समय लग जाता है। नागपरी भाषा में मांदर के बांयी ओर को ढसाश और दांयी तरफ को चनाश कहा जाता है। लक्ष्मीकांत नरायण बडाई बताते हैं कि झारखंडी संगीत का आधार ही मांदर है। मांदर के बिना कोई भी सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरा नहीं होता। झारखंड के सभी समुदायों सदान, मुंडा, उराव, हो, खड़िया, संताली, ईसाई सहित सभी जनजातियों में मांदर समान रूप से लोकप्रिय है।

बताया कि पहले के समय में रथ काफी संख्या में रांची के यात्रा के मेले में मांदर की काफी जगन्नाथपुर, जरियागढ़, तोरपा, बिक्री होती थी। मांदर बनाने वाले रागफेणी, रातु गढ़ आदि क्षेत्रो में

वाले विभिन्न आकार के मांदर बेचने के लिए जाते थे। रथ यात्रा के छह महीने पहले से कारीगर मांदर का निर्माण करने में लग जाते थे, पर इसकी मांग में काफी कमी आई है। समन राम बताते हैं कि मांदर का निर्माण नगड़ा मिट्टी और जानवर के चमड़े का उपयोग किया जाता है। मिट्टी का खोल बनाकर उसे तेज आग में पकाया जाता है। जब मिट्टी का खोल आग में पूरी तरह पक जाता है, तब उसे किसी मवेशी के चमड़े से बनी पतली पट्टी या रस्सी को चारों को लपेटा जाता है। बाद में मिट्टी के खोल के दोनों किनारे लगभग पांच सेंटीमीटर की चौड़ाई पर चमड़े को लगाया जाता है।

जल्द ही पेपर शुरू होने वाले हैं। नई कक्षा में पहली बार परीक्षाएं होंगी। अगर तुम इनमें अच्छे नंबर लाते हो तो तुम सबकी नजरों में आ जाओगे। इसीलिए जान लो कि कैसे कर सकते हैं अच्छा स्कोर...

दोस्तों, कई बार ऐसा होता है कि पूरी तैयारी के बावजूद पेपर में तुम्हारे नंबर उतने नहीं आ पाते, जितने की तुम्हें उम्मीद होती है। कई बार ऐसा भी होता है कि पेपर के पहले तो तुम्हें सब याद होता है, पर जैसे ही प्रश्न पत्र सामने आता है, तुम सब भूल जाते हो। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, जो तुम्हें पूरे नंबर दिलाने में सहायक होंगे।

सवाल ध्यान से पढ़ कर देना जवाब

अक्सर परीक्षा के वक्त तुम सवाल को ध्यान से नहीं देखते और उत्तर देना शुरू कर देते हो। सरसरी निगाहों से प्रश्न पत्र देखने पर कई बार तुम सवाल को सही से समझ नहीं पाते। कई सवाल एक-दूसरे से काफी मिलते-जुलते होते हैं, ऐसे में तुम अगर सवाल सही नहीं समझ पाते हो तो अपने अनुसार उसका उत्तर लिख देते हो। ऐसा करने पर तुम्हें उसके लिए अच्छे नंबर नहीं मिल पाते।

प्रश्न पत्र के निर्देशों को समझ लेना

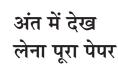
प्रश्न पत्र में दिए गए निर्देश को जरूर पढ़ना। ऐसा करने में तुम्हें पांच से दस मिनट का समय लग सकता है, लेकिन यह तुम्हारे लिए काफी फायदेमंद होगा। कई बार सभी सवालों का जवाब देना अनिवार्य नहीं होता, लेकिन गलती से तुम सभी सवालों का जवाब देकर अपना समय बर्बाद करते हो। निर्देश (इंस्ट्रक्शन) में यह बात स्पष्ट रूप से लिखी होती है कि कितने प्रश्नों का उत्तर देना है या किस सेक्शन से कितने प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

रिक्त स्थान दिलाएंगे पूरे नंबर

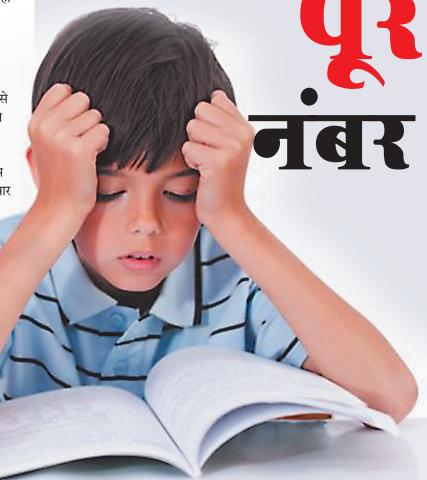
तुम्हारे पेपर में कई वैकल्पिक प्रश्न भी पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों में चार विकल्प होते हैं, जिनमें से कोई एक विकल्प सही होता है। ध्यानपूर्वक अगर उसका सही उत्तर दोगे तो उसमें पूरे नंबर मिलेंगे। इसके साथ ही कुछ प्रश्न रिक्त स्थान वाले भी होते हैं। इन प्रश्नों में एक या दो शब्द के उत्तर से रिक्त स्थान को भरना होता है। अगर तुम सही-सही उत्तर दोगे तो इनके पूरे नंबर मिलेंगे।

मेन पॉइंट को करो अंडरलाइन

परीक्षा में तुम पेन के साथ एक स्केच या बुक मार्कर जरूर ले जाना। सभी सवालों को हल करने के बाद उत्तर पत्र को गौर से पढ़ना और उसमें जो भी मेन पॉइंट लगे उसे स्केच या बुक मार्कर से जरूर अंडरलाइन कर देना। ऐसा करने पर टीचर जब तुम्हारी आंसरशीट को चेक करेंगे तो उन्हें महत्वपूर्ण पॉइंट पहले ही दिख जाएंगे।



परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र इस तरीके से करना ताकि सभी सवालों को हल करने के बाद भी तुम्हारे पास अंतिम समय में कुछ समय बच जाए। पांच मिनट का समय अगर तुम्हारे पास बचा रहेगा तो इस समय में तुम अपने उत्तर पत्र को एक बार फिर से पढ़ कर उसमें सुधार कर सकते हो।



करोगे पेपर

तो मिलेंगे

टाइम टेबल से पढ़ाई को बनाओ आसान

अगर तुम टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करोगे तो तुम्हारे लिए तैयारी काफी आसान हो जाएगी। तुम एक रूटीन चार्ट बना कर सभी विषयों के लिए समय तय कर सकते हो। जिस विषय में तुम्हें ज्यादा मेहनत की जरूरत है उस पर ज्यादा समय दो और जो विषय तुम्हारे लिए आसान है, उसे थोड़ा कम समय दो, लेकिन सभी विषय के लिए हर दिन समय जरूर तय करो। ऐसा करने से सभी विषयों की अच्छे से तैयारी हो जाएगी। और हां, टाइम टेबल बनाते समय खेलने और दोस्तों संग मस्ती करने के लिए भी रखना। इससे तनाव कम होगा।

वर्ड पजल बनाओ

वर्ड पजल खेलना तुम्हारे लिए काफी फायदेमंद होगा। पजल मेमोरी शार्प करने का काम करता है। पजल बनाने से तुम्हारी टेंशन कम होगी। तुम रिफ्रेश हो जाओगे। अब जब भी दो-तीन घंटों की पढ़ाई के बाद तुम्हारा पढ़ने में मन नहीं लगे तो दस मिनट के लिए पजल खेलना, इससे तुम तरोताजा हो जाओगे।

लिखना रहेगा बेहतर

निरंतर लिखना काफी अच्छा होता है। यह परीक्षा में तो तुम्हारे काम आएगा, साथ ही भविष्य में भी तुम्हारे लिए काफी मददगार होगा। अक्सर परीक्षा में लिखते वक्त छात्रों को परेशानी होती है। तुम्हारी लिखने की स्पीड कम होने की वजह से नियत समय में सभी सवालों का जवाब देना तुम्हारे लिए मुश्किल हो जाता है। अगर निरंतर लिखते रहने का अभ्यास करोगे तो परीक्षा हाल में तुम्हें लिखते वक्त किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

तनाव हावी न होने दो

परीक्षा को हौवा न बनाओ, परीक्षा का तनाव कभी न लो जैसे स्कूल जाना, खाना, खेलना और लोगों से मिलना–जुलना तुम रोज करते हो, उसी तरह परीक्षा भी तुम्हारी पढ़ाई का एक हिस्सा है। इसलिए तुम बिना तनाव लिए इसे दो। अगर तुम बिना तनाव के पढ़ोगे तो परीक्षा भी अच्छी जाएगी और नंबर भी अच्छे आएंगे। परीक्षा को नारियल के फल जैसा ही समझो– ऊपर से दिखने में काफी कठोर, लेकिन अन्दर से नरम। जैसे नारियल को अगर तरीके से तोड़ोगे तो अच्छा सा फल खाने को मिलेगा, नहीं तो चोट लगेगी, वैसे ही परीक्षा को टेंशन फ्री होकर दोगे तो तुम्हें अच्छा

सोना भी बहुत जरूरी है

रिजल्ट ही मिलेगा।

तिमाग एक मशान ह आर अगर मशान स ज्यादा काम लाग तो वह थक जाएगा, इसलिए जरूरी है कि इस मशीन का सही से इस्तेमाल करो और थकने पर इसे चार्ज करो। मतलब कि ज्यादा पढ़ाई करने पर दिमाग रूपी मशीन को आराम भी दो। आराम बहुत जरूरी है, इसलिए तुम अच्छी नींद लो। परीक्षा के दबाव में आकर तुम हमेशा अपनी नींद खराब कर देते हो और देर रात तक जागकर पढ़ने की कोशिश भी करते हो। इससे तुम्हारा स्वास्थ्य खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। पढ़ना जरूरी है, लेकिन नींद भी जरूरी है, इसलिए हर दिन आठ घंटे की नींद पूरी करो। अगर अच्छी नींद पूरी करोगे तो अगले दिन दोगुने उत्साह के साथ दोगुनी रफ्तार से पढ़ाई कर सकते हो।

समय का सदुपयोग करना सीखो

परीक्षा के दिनों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है समय का सदुपयोग। समय का प्रबंधन करके तुम अच्छे से समय का सदुपयोग कर सकते हो। सभी कामों के लिए तुम समय को



बनाओ। सभी विषयों के लिए समय का विभाजन कर दो।

जमकर खाओ कुछ

बनकर दिखाओं

खनकर दिखाओं खाने को तुम अक्सर मना कर देते हो, लेकिन चुस्त दिमाग का इस्तेमाल तभी हो सकता है जब शरीर चुस्त हो। इसलिए मम्मी की बात मान कर पौष्टिक खाना खाओ। जंक फूड को बिल्कुल 'न' कर दो और जमकर फल, जूस और दूध लो। दूध और जूस दिमाग को तेज-तर्रार बनाता है और तुम्हें स्वस्थ रखता

इनका रखना ध्यान

पढ़ाई करो, परिणाम की चिंता नहीं

कभी भी रिजल्ट का तनाव लेकर पढ़ने मत बैठो। टेंशन लेने से तैयारी अच्छी नहीं हो पाएगी। खुले दिमाग में कोई बात ज्यादा आसानी से समझ आती है, इसलिए तुम कूल होकर सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करो। अगर तुम अच्छे से पढ़ाई करोगे तो यकीन मानो रिजल्ट खुद ब खुद बेहतर होगा।

नोट्स बनाओ, एक्सचेंज करो

परीक्षा के ख्याल से नोट्स बनाना बेहतर होता है। चैप्टर में जो भी महत्वपूर्ण तथ्य लगे, उसके नोट्स बनाकर रख सकते हो। जब कई दोस्त नोट्स बनाओंगे तो काफी मदद मिलेगी एक-दूसरे से। तुम अपने दोस्तों के साथ नोट्स की अदला-बदली कर लो। ऐसा करने से तुम्हारी अच्छी तैयारी होगी।

ग्रुप स्टडी है बेहतर

पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के लिए सबसे बेहतर होता है ग्रुप स्टडी। सुनी हुई बात पढ़ी हुई बात से ज्यादा जल्दी समझ में आती है और ज्यादा समय तक याद रहती है, इसलिए तुम अपने दोस्तों के साथ ग्रुप स्टडी कर सकते हो।

रिवीजन का कोई विकल्प नहीं

परीक्षा के अंतिम दिनों में रिवीजन सबसे अधिक काम आती है। रिवीजन करने से पढ़ी हुई सारी चीजें तुम्हें याद आ जाती हैं और कम समय में भी तुम अच्छी तैयारी कर सकते हो। इसलिए अब तक सिलेबस का जितना भी भाग तुम्हें पढ़ाया गया है, उसकी अच्छे से रिवीजन कर लो।

जीव-जंतुओं को

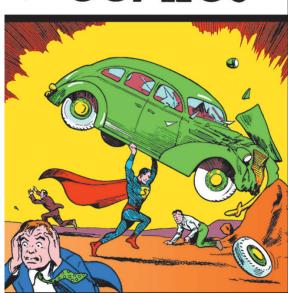


मनुष्य अपनी जैविक क्रियाओं के समय-चक्र को जानने के लिए घड़ी की सहायता लेता है। जंतु किस प्रकार समय पर ज्ञान प्राप्त कर लेते हैं? क्या उनके पास भी कोई घड़ी है? जैव वैज्ञानिक इस बात से सहमत हैं कि जंतुओं में जैविक क्रियाओं के समय–चक्र के ज्ञान के लिए विशेष तंत्र होता है, जिसे वैज्ञानिक जैविक घड़ी या बायोलॉजिकल क्लॉक कहते हैं। जैविक घड़ी जंतुओं और वनस्पतियों दोनों में होती है। पेड़-पौधे भी समय से प्रभावित होते हैं। जंतुओं और पेड़-पौधों में जैविक घड़ी की खोज में वैज्ञानिक लम्बे समय से प्रयोग करते आ रहे हैं। लेकिन सफलता अभी हाल में ही मिली है। इस नवीन खोज के अनुसार, मछलियों, रेंगने वाले जंतुओं, मेंढकों तथा स्तनधारी जंतुओं में जैविक घड़ी का कार्य पीनियल ग्रन्थि करती है। पीनियल ग्रंथि, मस्तिष्क में नलिकारहित छोटी–सी ग्रंथि होती है। इससे मिलेटोनिन हॉर्मीन नामक विशेष प्रकार का स्राव निकलकर रुधिर में मिल जाता है। यही हॉर्मोन समय संबंधी दैनिक क्रियाओं, मौसम संबंधी परिवर्तनों तथा जंतुओं के व्यवहार के लिए जिम्मेदार है और इसी से समय का ज्ञान प्राप्त होता है।

करोड़ों में नीलाम हुई सुपरमैन की पहली कॉमिक्स

दोस्तों, कॉमिक्स तो खूब पढ़ते होगे तुम। कोर्स की बुक में छिपा कर भी.. है न सच। मम्मी-पापा कॉमिक बुक्स पढ़ने से मना भी करते हैं, पर तुम कहां मानने वाले हो। सुपरमैन, स्पाइडर मैन, बैटमैन आदि का नाम तो सुना ही होगा तुमने। इसके अलावा और भी कई ऐसे कॉमिक बुक हैं, जो तुम सबको काफी पसंद हैं। अभी हाल ही में एक शॉपिंग साइट पर सुपरमैन कॉमिक बुक की पहली प्रति की नीलामी की गई। इस नीलामी ने तो रिकार्ड तोड़ दिया, क्योंकि जो कीमत इसके लिए आंकी गई, वह तो कल्पना भी नहीं कर सकते तुम। पूरे 3.2 मिलयन डॉलर में बिकी है यह कॉमिक्स। इसके साथ ही सुपरमैन की पहली कॉमिक बुक अब तक की सबसे महंगी कॉमिक बुक बन गई है। इसकी कीमत सुन होश उड़ गए तुम सबके। विश्वास नहीं होता न...पर यह सच है। दुनिया को सुपरमैन से मिलवाने वाली एक्शन





कॉमिक्स नंबर वन सुपरमैन कॉमिक बुक की शुरुआत वर्ष
1938 में हुई थी। जाहिर है कि इस पहली कॉमिक्स में सुपरमैन
का पहला एडवेंचर भी होगा। कल्पना कर पाओगे उस वक्त के
कॉमिक्स की। कैसी होगी कहानी, उसमें छपे चित्र, रंगों के
तालमेल अगर तुम्हें मिल जाए तो... संग्रहालय में रखने वाली चीज
होगी है न! इसकी शुरुआती कीमत केवल 10 सेंट्स थी। डारेन
एडम्स ने इस दुर्लभ कॉपी की नीलामी का फैसला किया और
इसकी शुरुआती बोली 99 सेंट्स रखी। जब नीलामी खत्म हुई
तब वाशिंगटन के फेडरेल वे में प्रिस्टाइन कॉमिक्स के मालिक ने
पाया कि यह राशि 3207852 डॉलर हो गई। एक्शन कॉमिक्स
नंबर 1,1938 की किताब है जिसमें सुपरहीरो को पहली बार
दर्शाया गया था। मतलब यह काफी दुर्लभ है। हालांकि शॉपिंग
साइट ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि इस किताब को
किसने खरीदा है।

दुनिया का दुर्लभ फूल साइप्रिपेडियम कैलकेलस



कभी ये जंगली ऑर्किड पूरे यूरोप में मिलता था। लेकिन अब यह सिर्फ ब्रिटेन में होता है। पीले और जामुनी से रंग वाला ये फूल अब इतना दुर्लभ है कि इसकी एक डाली पांच हजार अमेरिकी डॉलर में मिल सकती है। शिव का इस्तेमाल करते हुए जो

हिन्दू धर्म पर बोला है, वह वास्तव

में उनके अंदर भरे हिंदू घृणा के

भाव को दशार्ता है। क्या इस तरह

का दृष्य पहली बार सामने आया

है? क्या किसी कांग्रेसी या राहुल

गांधी के परिवार या उनकी सत्ता.

जहां भी है या रही वहां हिन्द घणा

नहीं प्रदर्शित की जाती ? आप

हिन्द घणा का प्रदर्शन तो छोडिए

कांग्रेस ने तो हिन्दू विरोध में इतने

अधिक अपराध किए हैं कि कभी

उससे वह मुक्त भी होना चाहे और

उसके लिए वह कितना भी बड़ा

प्रायश्चित कर ले तब भी कांग्रेस उन

सभी से कभी मक्त नहीं हो सकती

है। इतिहास में अनेक घटनाएं

आज दर्ज हैं, जो गिनाई जा सकती

हैं कि कैसे-कैसे कांग्रेस के नेताओं

ने समय-समय पर हिन्दू शक्ति को

कमजोर करने और उसकी

संस्कृति के ह्यास के लिए कार्य

किया है। हिन्दू नफरती होता तो

फिर ये होता ! सोचनेवाली बात

यह है कि यदि हिन्दू हिंसक होता

तो क्या किसी कांग्रेसी सरकार या

नेता की हिम्मत होती कि वह

उसके विरोध में तमाम नियम एवं

कानून बना पाता? यदि हिन्दू

रहे हैं, जो कल लिख रहे थे।

राहुल गांधी से पूछे जानेवाले

वस्तुतः इसीलिए आज वरिष्ठ

पत्रकार अशोक श्रीवास्तव और

लोकेंद्र पाराशर हिन्दुओं के हिंसक होने की बात पर यह जरूर पूछ

रहे हैं कि ''हिंदू हिंसक होता तो

सत्संग स्थल किसकी लापरवाही से बना श्मशान घाट?

हाथरस के सत्संग स्थल को किसने श्मशान घाट में तब्दील किया? ये सवाल घटना घट जाने के बाद हादसा स्थल के चारों ओर गूंज रहा है। जवाब कौन देगा और कौन है हादसे का जिम्मेदार? ये सवाल भी वहां मुंह खोले खड़ा हुआ है। भगदड़ में मरने वालों की तितर-बितर फैली लाशें, कराहते घायल श्रद्धालुओं की चीखें देखकर परिजनों की हिम्मत जवाब देती दिखी। राहत-बचाव में जुटे कर्मियों के कलेजे भी कंपकपा रहे थे। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में संभावित या आपातकाल की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक इंतजाम अगर थोड़े से भी होते तो इतनी दर्दनाक घटना नहीं घटती। हैरानी की बात ये है कि हजारों सत्संगियों की रक्षा में मात्र 73 पुलिसकर्मी तैनात थे, जिनमें दो दर्जन तो होमगार्ड ही थे। घटना का शोर जब तेजी से मचने लगा तो सबसे सुरक्षाकर्मी ही भाग खड़े हुए। दूसरों को बचाने से बेहतर खुद की जान जान बचानी जरूरी समझी। प्रशासन और आयोजक दोनों गहरी नींद में सोए हुए थे। सत्संग स्थल पर एक भी एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं थी। न ही कोई फायरब्रिगेड की गाड़ी वहां तैनात थी और न ही कोई विशेष अन्य व्यवस्थाएं की गईं थीं। इसलिए हाथरस भगदड़ को स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही का नतीजा इसलिए कहा जाएगा, क्योंकि जिस सत्संग स्थल पर बाबा भोले के प्रवचन का आयोजन था उसमें मात्र पांच हजार लोगों की बैठने-उठने की व्यवस्था थी। लेकिन लापरवाही देखिए 50 हजार से अधिक लोग सत्संग में पहुंचे हुए थे। इसलिए सत्संग स्थल कैसे बना श्मशान घाट? उसकी असल सच्चाई सबके सामने है। सत्संग स्थलों पर यह न पहला हादसा है और न ही अंतिम? इससे पूर्व भी कई दर्दनाक हादसे हुए। लेकिन घटना हो जाने पर शासन से लेकर प्रशासन तक खलबली मच जाती है। पर, जैसे ही मामले की तिपश कुछ शांत होती है, प्रशासन दूसरे हादसे का इंतजार करने लगता है। हाथरस का लोकल प्रशासन अगर वास्तव में थोडा सा भी अलर्ट होता। इतने श्रद्धालओं को सत्संग में पहुंचने की इजाजत नहीं देता, तो सैकड़ों लोग बेमौत मरने से बच सकते थे। उन्हें अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। हादसे होते ही प्रवचन सुनाने वाला बाबा पतली गली देखकर फरार हो गया। बाबा की हकीकत जानें तो वह कोई जन्मजात साध, पंडा या प्रवचनकर्ता नहीं है और न ही लंबे समय से इस क्षेत्र में है। आधी उम्र बीतने के बाद उसे प्रवचन सुनाने का शौक चढ़ा। करीब 26 वर्ष तक इंटेलिजेंट ब्यूरो में सामान्य कर्मचारी के तौर पर नौकरी की, नौकरी छोड़ने के बाद उसके अपना नाम बदला और ह्यविश्व हरि भोलेह्न रख लिया। फिर कृद पड़ा धर्म क्षेत्र में, बीते कुछ वर्षों में उन्होंने हिंदी पट्टी के राज्यों में लाखों की संख्या में अपने अनुयायी बनाए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा व बिहार में उनके भक्तों की संख्या बहुतायत है। यह बाबा भी पूर्व के बाबाओं की तरह दुख-दर्द, हारी-बीमारी दूर करने का वादा करता है। ग्रामीण महिलाएं इनकी भक्त ज्यादा है। जाहिर सी बात महिलाएं जब कहीं जाती हैं तो अपने साथ छोटे बच्चों को जरूर ले जाती हैं। मंगलवार को भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हुआ। सत्संग में भारी संख्या में महिला पहुंचीं। बच्चे भी थे उनके साथ। इसलिए हादसे में मरने वालों में नौनिहालों की भी संख्या काफी बताई जाती है। हादसे की जितनी निंदा की जाए कम है। सवाल उठता है सरकार-प्रशासन इस हादसे से कुछ सबक लेगा या फिर मुआवजा और सहानुभूति देकर मात्र मामला शांत करेगा। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और पक्ष-विपक्ष के नेता भी दुख प्रकट कर रहे हैं। करना भी चाहिए, घटना ही ऐसी, जो सन रहा है उसके रोंगेटे खड़े हो रहे हैं। घटना का दोषी समुचा स्थानीय प्रशासन है, उसकी लापरवाही से ही ये घटना घटी। संत्सग में अधिक भीड़ इसलिए पहुंची , क्योंकि मंगलवार को सत्संग का समापन दिन था जिसमें अनुमानित पांच हजार से भी अधिक श्रद्धालु पहुंचे हुए थे। घटना कैसे घटी ये जानना जरूरी है। प्रवचन सुनाने वाले बाबा की जब एंट्री हुई तो उसे करीब से देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उनके काफिले पर टूट पड़ी। अगर वहां दो-चार दर्जन सरक्षाकर्मी तैनात होते तो ऐसी घटना शायद न घटती। वो भीड को नियंत्रित कर सकते थे। पर, यहां सवाल एक ये भी उठता है कि आयोजकों ने पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए? भीड अगर ज्यादा थी तो प्रशासन से अपील करनी चाहिए थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के हताहत होने की खबर घटना के कुछ घंटों बाद ही सामने आ गई। सैकड़ों घायल श्रद्धालु विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। ईश्वर उनकी रक्षा करे, उन्हें जल्द स्वस्थ करे। लेकिन सत्संग स्थल कैसे समाधि स्थल बना इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हादसे की खबर से समुचे देश की आंखें नम हैं। घटना हाथरस जिले के कस्बा रतिभानपर इलाके की है। प्रदेश सरकार ने पीडितों के लिए आर्थिक सहायता देने का ऐलान कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है। लेकिन यह मुआवजा वह जख्म कभी नहीं भर सकता, जो इस हादसे ने दिया है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, दोषी

राहुल हिंदू हिंसक नहीं, तुम्हारी धारणा है नफरती



🛎 डॉ. मयंक चतुवेदी

क्या इस तरह का दृष्य पहली बार सामने आया है? क्या किसी कांग्रेसी या राहुल गांधी के परिवार या उनकी सत्ता, जहां भी है या रही वहां हिन्दू घृणा नहीं प्रदर्शित की जाती ? आप हिन्दू घृणा का प्रदर्शन तो छोड़िए कांग्रेस ने तो हिन्दू विरोध में इतने अधिक अपराध किए हैं कि कभी उससे वह मुक्त भी होना चाहे और उसके लिए वह कितना भी बड़ा प्रायश्चित कर ले तब भी कांग्रेस उन सभी से कभी मक्त नहीं हो सकती है। इतिहास में अनेक घटनाएं आज दर्ज हैं, जो गिनाई जा सकती हैं कि कैसे-कैसे कांग्रेस के नेताओं ने समय-समय पर हिन्दू शक्ति को कमजोर करने और उसकी संस्कृति के ह्रास के लिए कार्य किया है। हिन्दू नफरती होता तो फिर ये होता ! सोचनेवाली बात यह है कि यदि हिन्दू हिंसक होता तो क्या किसी कांग्रेसी सरकार या नेता की हिम्मत होती कि वह उसके विरोध में तमाम नियम एवं कानून बना पाता?

रहे हैं, वह हिन्दू धर्म पर अपना व्याख्यान कर रहे हैं और संपूर्ण हिन्दु समाज को हिंसक बता रहे हैं । कह रहे हैं, ...जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा. नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य करते हैं। बाद में जब उनकी बातों पर भारतीय जनता पार्टी घोर विरोध करती है, तब फिर वे अपने हिन्दू विरोधी नैरेटिव को भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर मोड आराध्य देव के होने और उनके देते हैं। संसद में लोकसभा में नेता अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह कांग्रेस के प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भगवान

नेता कभी खड़ा कर पाते? और यदि हिन्दू हिंसक होता तो कभी भारत की सीमाएं सिकुड़ती? नक्शे में कभी दुनिया के अफगानिस्तान, मलेशिया, फिजी, म्यांमार, भूटान समेत क्या आज इन देशों का यही अस्तित्व होता जो वर्तमान में है?

कांग्रेस सत्ता के लिए हिन्दुओं को शुरू से आपस में बांटने-लड़ाने का काम कर रही

आज ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनके

उत्तर इन्हीं प्रश्नों में छिपे हैं।

देखा जाए तो ऐसे अनेक तर्क हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि हिन्दू कभी हिंसक नहीं रहा है, स्वाभिमानी जरूर रहता रहा है। लेकिन आधुनिक भारत में एक नैरेटिव एक लम्बे समय से सेट करने का प्रयास हो रहा है कि जो कुछ गलत हो रहा है वह भारत में बहुसंख्यक हिन्दू जनता के होने के कारण से हो रहा है। वस्तुतः संसद में राहुल गांधी ने जो किया और जिस तरह से पहले भी करते रहे हैं उस सब का एक ही निहितार्थ है कि हिन्दुओं को बांटों, विभिन्न हिन्दू जातियों के बीच आपसी खाई पैदा करो.

आपस में लड़ाओं, उनके विश्वास को तोड़ों, परस्पर अविश्वास पैदा करो और उन्हें इतना अधिक भ्रमित कर दो कि वह अपना आत्मविश्वास ही खो बैठें।

बहुत हैं राहुल गांधी के हिन्दू विरोधी बयान

यह सार्वजनिक रिकॉर्ड में मौजूद है, जिसमें राहुल गांधी ये कहते नजर आते हैं कि ह्यमंदिर जानेवाले ही लड़की छेड़ते हैंह्न। ह्यभारत को आतंकवादियो से ज्यादा हिन्दुओं से खतरा हैह्न। जवाहर लाल नेहरु यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में जब 'अफजल हम शमिंदी हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं!', 'भारत तेरे इंशाअल्लाह..इंशाअल्लाह..' जैसे देश विरोधी नारे उस अफजल के समर्थन में लग रहे थे जोकि भारत का गुनहगार और संसद पर अटैक का मास्टर माइण्ड था, उस वक्त भी हमने देखा कि राहुल गांधी उनके साथ हाथों में हाथ लिखे खड़े नजर आ रहे थे। यह गंभीर और गहराई से सोचनेवाली बात है कि जो लोग देश के टुकड़े करने की मंशा रखते हैं, राहुल उनके साथ खड़े नजर आते हैं। यानी अप्रत्यक्ष रूप में यही माना जाएगा कि राहुल भी देश के दुकड़े-दुकड़े हों, इसके लिए उनका

लग रहे थे, वे लोग कौन है? विचार करेंगे तो ध्यान में आएगा कि देश शासन, प्रशासन और संविधानिक व्यवस्था जिसकी कि ये सिर्फ वोट की राजनीति और लाभ के लिए हाथ में संविधान की किताब लेकर उसकी रक्षा की दुहाई देते नहीं थकते हैं!

देश को तोड़नेवाली और आतंकी शक्तियों के साथ खड़े दिखते हैं राहुल

भारत का विभाजन न होता, हिंदू हिंसक होता तो कश्मीर घाटी कोई यह कैसे भल सकता है हिंदुओं से खाली न हो गई होती। कि अफजल पार्लियामेंट पर अटैक हिंदु हिंसक होता तो आतंकी करनेवाला एक आतंकवादी था। आक्रमणकारियों द्वारा तोड़े गए सुप्रीम कोर्ट ने उसे फांसी की सजा अपने देवताओं के मंदिरों की सुनाई थी और उस समय के वापसी के लिए अदालतों में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणम मुखर्जी कानूनी लड़ाई न लड़ता।'' अथवा ने उसे माफी नहीं दी थी। जो नारे यह कि ''क्या कन्हैयालाल का सर काटने वाले अहिंसक थे क्या जेएनयू में लगे उसके अनुसार तो गोधरा में राम भक्तों को जिंदा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, जलाने वाले अहिंसक थे, क्या जिन्होंने अफजल को सजा सुनाई और वह तत्कालीन राष्ट्रपति 1984 में हजारों सिखों को मौत के जिन्होनें फांसी की सजा में कोई घाट उतारने वाले अहिंसक थे, राहत अफजल को नहीं दी थी. वह क्या कश्मीर घाटी में लाखों हिंदुओं का कत्लेआम करके उसके कातिल हो गए, तब फिर उनके जिंदा रहने पर यदि नारों के उनकी बेटियों से बलात्कार करने वाले अहिंसक थे. क्या नैना जरिए जेएनयू में शर्मिंदगी व्यक्त की जा रही थी और राहुल गांधी का साहनी को तंदूर में जिंदा जलाने वाले अहिंसक थे, सूची बहुत उनको समर्थन मिलता यहां दिखा, अब हम उसके क्या मायने लंबी है राहुल गांधी! जवाब निकालें? जबिक तमाम फोटो एवं देते देते तुम्हारी अकल ठिकाने आ वीडियो मौजद हैं जो साफ गवाही जाएगी। जनेऊ पहनने से कोई हिंदू दे रहे हैं कि कैसे उस समय राहुल नहीं हो जाता ,, उसे हिंदू संस्कृति गांधी इन जेएनयू के टुकड़े टुकड़े सीखने के लिए हिंदु सा खून अपनी रगों में प्रवाहित करना होता गैंग के साथ हाथ में हाथ डाले है।" कछ देर के लिए चलों. बाद खड़े रहे थे। सच पृछिए तो फिलहाल जिस भाषा को संसद में में दी गई उनकी इस विषय पर राहुल गांधी गढ़ते हुए दिखाई देते सफाई को मान भी लिया जाए कि हैं, उसे देखकर और समझ कर उन्होंने संपूर्ण हिन्दू समाज को नहीं लगता यही है कि आज से कई सदन में बैठे भाजपा के लोगों को साल पूर्व जेएनयू में घटी टुकड़े गैंग यह कहा है कि बीजेपी, की घटना का खुमार उनके सिर से आरएसएस और नरेंद्र मोदी पूरा उतरा नहीं है। लगातार जो हिन्दू हिन्दू समाज नहीं है तब फिर नफरत की भाषा वे बोल रहे हैं, राहुल को यह नहीं भूलना चाहिए उससे समझ यही आता है कि वामी कि आखिर ये सभी नेता संसद में

मौन समर्थन है! ये नारे जिनके लिए छात्र संगठन के वो लोग आज भी संसद की मयार्दा है अपरिहार्य

रे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने 543 प्रतिनिधियों को चुन कर 18 वीं लोकसभा में भेजा है । उनकी आशा है ये सांसद देश की भलाई के लिए नीति और कायदे बनाएं, उसे लाग कराएँ और जन-जीवन को सुरक्षित और खुशहाल बनाएँ। उन्हें यही जनादेश मिला है। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसद गण प्रकट रूप से इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं। कहना न होगा कि देश का संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करता है। इसलिए उसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए कार्य करने का दायित्व धारण करने वाले जन प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की बैठकों में नियमित भाग लें और व्यर्थ की बयानबाजी की जगह सार्थक बहस करें। चुंकि जनता के समर्थन से ही वे सांसद का दर्जा पाते हैं इसलिए संसद तक पहुंचने की कठिन यात्रा परी कर

संसद की देहरी लांघ उनको सिर्फ और सिर्फ आम जनता की नुमाइंदगी ही करनी चाहिए । यही उनका फर्ज बनता है। लोकसभा की सदस्यता पांच साल की और राज्यसभा की छह साल की होती है। इस अवधि के दौरान सांसद से अपना लोक-दायित्व इस पूरी अवधि में निभाना अपेक्षित होता है । संसद के बजट, मानसन और शीतकालीन ये तीन मुख्य सत्र होते हैं। सांसदगण को संसद में अपना आचरण भी व्यवस्थित करना होता है। संसदीय बैठक में प्रश्नकाल और शुन्यकाल की व्यवस्था भी होती है जो सांसदों को भागीदारी का अवसर देती है। सांसदों की उपस्थिति अकसर समस्या होती है। उसे सुनिश्चित करने के लिए खास मौकों पर जब सदन में किसी विषय पर मतगणना की जरूरत पड़ती है तो सांसदों की घेरेबंदी भी करनी पड़ती है। उनको पकड़ में बनाए रखने के लिए पार्टियों द्वारा ह्विप जारी किया जाता है। इतिहास पर गौर करें तो पता चलता है कि पहली लोकसभा की बैठक वर्ष में सांसदों ने प्रश्न भी पूछे जिनका

दशक बाद पिछली यानी सत्रहवीं लोकसभा तक आते-आते स्थिति कितनी नाजुक हो गई इसका अनमान इसी से लगा सकते हैं कि कल 55 दिन की बैठक का ही औसत रहा। कोविड के कारण सन 2020 में कुल 33 दिन ही बैठक हुई । यह दुखद है कि सन 1952 के बाद सबसे कम संसदीय काम सत्रहवीं लोकसभा में हुआ। (लगभग) बिना विचार किए बिल पास करने की प्रथा भी चल निकली । 35 प्रतिशत बिल एक घंटे से कम की चर्चा के बाद पास हुए। अब बिल स्टैंडिंग कमेटी को भी नहीं जाते। पिछली लोकसभा के काल में कुल 16 प्रतिशत बिल ही उसके पास विचार हेतु भेजे गए। सांसदगणों ने 729 निजी बिल प्रस्तुत किए जिनमें से पर केवल 2 पर ही विचार हुआ । और तो और डेढ़ सौ सांसद निलम्बित भी हुए थे । 17 वीं लोकसभा में वर्ष 2014-19 के बीच कुल 274 बैठकें की गईं । इनमें विभिन्न प्रदेशों के विवरण कुछ इस तरह है : महाराष्ट्र 370, आंध्र 275, राजस्थान २७३, और पूर्वोत्तर १५२ प्रश्न। नए सांसदों ने अधिक प्रश्न पछे। औसतन सासंदों ने 45 बहसों में भाग लिया । केरल और राजस्थान के सांसद अधिक सक्रिय थे। उसके बाद स्थान था क्रमशः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और झारखंड के सांसदों का । सांसदों की उपस्थिति का प्रतिशत उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि से जुड़ा था (हायर सेकेंडरी 34 प्रतिशत,ग्रेजएट 47 प्रतिशत और स्नातकोत्तर 59 प्रतिशत सांसद उपस्थित रहे) 156 सांसद 60 प्रतिशत से कम उपस्थित रहे, 16 की उपस्थिति 35 प्रतिशत से कम थी । केवल दो सांसद ही शत प्रतिशत उपस्थित रहे। 120 सांसदों की उपस्थिति 90 प्रतिशत से अधिक थी। दो दशकों से सांसद और अब नई लोकसभा में विपक्ष के प्रमुख (लोप) नेता राहल गांधी की उपस्थित पिछली लोकसभा में 51 प्रतिशत थी । विपक्ष सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद

के कार्य में अकसर व्यवधान डालते हैं। उनका मकसद यही होता है कि कार्य न चल सके हो और सरकार की विफलता दर्ज हो । संसद से बाहर मीडिया के माध्यम से जनता को अकसर यह संदेश दिया जाता है कि विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया जाता और लोकतंत्र खतरे में है, सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है और किसी की कोई सुनवाई नहीं है। अकसर संसद एक नाट्य मंच का रूप ले लेता है जहां कई नेता अभिनय की ओर उन्मुख हो जाते हैं। मीडिया की सिक्रय और तीव्र उपस्थिति के बीच वेश-भूषा, हाव-भाव और बोल-चाल सभी कछ कैमरे की हद में होता है और टीवी आदि द्वारा यथाशीघ्र पूरे देश में प्रसारित हो जाता है। इस अवसर का लाभ उठाना लोकप्रियता अर्जित करने के लिए जरूरी होता है। अपनी सशक्त छवि-निर्माण के प्रति संवेदनशील नेतागण इसका कोई अवसर हाथ से नहीं जाने देते। हमें यह याद करना चाहिए कि भारत की

परम्परा में प्रसिद्ध है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें कोई वृद्ध न हों। वे वृद्ध, वृद्ध नहीं जो धर्म की बात न बोलते हों । वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपर्ण हो। आज संसदीय सौंध में वृद्ध महानुभावों की संख्या कम है और सत्य की तो बात ही भूल जाएं । आज नई भारतीय संसद की औसत आय 56 वर्ष है जो सत्रहवीं की तलना में तीन वर्ष कम है। इसमें 40 वर्ष की आय से कम 11 प्रतिशत सांसद हैं। 41 से 55 वर्ष की आय के बीच 38 प्रतिशत सांसद हैं। 80 प्रतिशत सांसद स्नातक या उससे अधिक की शिक्षा प्राप्त हैं। आपराधिक पृष्ठभूमि से नाता घना होता गया है और उनकी धौंस इतनी कि जेल में बन्द हो कर भी वे चुनाव लड़ कर विजयी हुए हैं। 46 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि 25 सांसद सौ करोड़ से अधिक की घोषित सम्पत्ति के स्वामी हैं यानी बिलेनियर हैं ।

Social Media Corner

चाहे फिर आयोजक हों या प्रशासनिक अधिकारी।

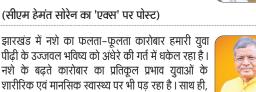
सच के हक में.

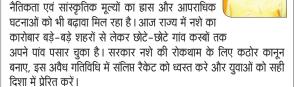
अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों से मां भारती को गौरवान्वित करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। मातृभूमि के लिए उनका समर्पण और त्याग देशवासियों को सदैव प्रेरित करता



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

रांची विश्वविद्यालय परिसर में फेडरेशन आफ झारखंड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में सम्मानित हुआ एवं युवा उद्यमियों को आगे बढ़ ज्यादा से ज्यादा नव-उद्यम लगाने हेतु प्रोत्साहित





(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नेता प्रतिपक्ष और भारतीय लोकतंत्र

यह जहरीला घूंट अब बार-बार पीना पड़ेगा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में अभिभाषण पर बोलते हुए राहुल गांधी के भीतर का वह सब बाहर आ गया है जो दस साल से दबा छिपा था। चुनाव परिणामों से संजीवनी प्राप्त राहुल ने भले ही समूचा विष एक साथ उगल डाला हो लेकिन उन्होंने भाजपा के तमाम दिग्गज नेताओं को बार बार प्रतिवाद करने पर मजबूर कर दिया। इतना अधिक उद्वेलित किया कि न केवल राजनाथ सिंह,न केवल अमित शाह अपित् प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे शीर्ष नेताओं को बीच बीच में खड़े होकर जवाब देने पर मजबूर होना पड़ा। एक तरह से यह राहुल के झुठ की जीत और बीजेपी टॉप लीडरशिप की पराजय है। राहुल गांधी हिन्दुत्व, भाजपा और संघ को सीधे सपाट ढंग से कोसते हुए सदन में पहली बार बेलगाम नेता के बतौर सामने आए। उनका यह

बदला हुआ रूप आने वाले दिनों

रतीय लोकतंत्र को में एक नई राजनीति की ओर इशारा कर रहा है। जाहिर है नई संसद बेहद हंगामे में चलेगी। सरकार के लिए कामकाज करना उतना सरल नहीं होगा।विपक्ष की ओर से महुआ मोइत्रा और ए राजा ने भी सत्तारूढ़ पार्टी पर बहुत कड़े शब्द बाणों की बौछार की। निश्चित रूप से सांसद में कल का दिन राहुल गांधी का था, इंडी का था। लेकिन दस साल पहले सत्ता छिन जाने से राहुल गांधी के भीतर हिन्दुओं और हिन्दुत्व के प्रति जितनी भी घृणा भरी थी वह एक साथ बाहर आ गई। चुनाव के बाद विपक्ष का अब सीधा सा फॉमूर्ला है। सत्ता न मिले तो अराजक हो जाओ। जिन्हें सत्ता मिले उन्हें किसी भी तरह उखाड़ने में लगे रहो।बात न बने तो सदन के भीतर सही गलत जो मन में आए बोलो और सदन से बाहर निकलते ही मचाओ,मीडिया बुलाओ,पीसी करो और प्रदर्शन करो।जिस जनता ने सरकार बनाई

चौराहे

बीच

बरसाओ,आतंक फैलाओ।सीधी बात यह कि बहुत हुआ , वोट से सत्ता में नहीं आए तो अराजक हो जाएंगे।पहले संविधान संविधान का झूठ फैलायाअब संसद में कोहराम मचाएंगे।देखते रहिए राजनीति में पराजय से उपजी अराजकता का नया दौर झेलने के लिए तैयार हो जाइए। बात साफ है गांधी, अखिलेश, ममता,तेजस्वी और केजरीवाल को दिल्ली की सत्ता चाहिए। बहुत हुआ दस साल, हम आएंगे, हम आ रहे हैं, हम आ गए करते करते निकल गए। अकेले-अकेले नहीं आ सकते थे तो इतने सारे दल जोड़े, सीट तालमेल किया। अफसोस कि फिर भी चंद कदम दूर लबे जाम रह गया।तो क्या अब पांच साल यूं ही हाथ मलें ?नहीं अब नहीं।खुद भी आए,माताजी भी आईं और जल्दी ही बहन जी भी संसद में आ जाएंगी।तो जीने नहीं देंगे मोदी जी।बाहर भी छकाएंगे और भीतर उसे कोसो,बंगाल की तरह निदोर्षों भी दिश चले ना चले, सरकार चले चलेंगे।अब चले,हम

अव्यवस्था फैले या अराजकता तुम संभालो,हम तो खेल बिगाडेंगे। सबसे बडा दर्द और टीस बेशक राहुल के दिल में है लेकिन सबसे बड़ी खुशी अखिलेश के दिल में है। इसलिए नहीं की बीवी सहित जीत गए। इसलिए भी नहीं कि सैफई दरबार के पांच लोग सांसद बन गए। इसलिए भी नहीं कि उत्तर प्रदेश में योगी को पटकी दे दी, मोदी से ज्यादा सीटें हासिल कर ली। बल्कि इसलिए कि जिस संसदीय सीट फैजाबाद में अयोध्या विधानसभा पड़ती है वह सीट जीत ली।अब प्रचारित यह कर कि उन्होंने बनाया,हमने वही अयोध्या जीत ली। संयोग यह कि जो जीते उनका नाम अवधेश प्रसाद। बस फिर क्या था कह रहे कि साक्षात अवधेश हमारे साथ आ गए।उन्हें अपने साथ अगली सीट पर बैठा रहे हैं। हद तो तब हो गई जब राहुल गांधी ने पास बैठे अवधेश प्रसाद से अपने संबोधन के बीच याराना दिखाना शुरू कर दिया।

हाथरस हादसे के सबक

हाथरस में बाबा नारायण साकार के सत्संग में मची भगदड़ में 120 से भी ज्यादा आस्थावान लोगों की मौत दर्दनाक तो है ही, यह हमारे तंत्र और समाज के सभी स्तरों पर आत्मचिंतन का अवसर भी है। विडंबना देखिए, जिन बाबा के दर्शन करने और प्रवचन सुनने आए इतने श्रद्धालु अपनी जान से हाथ धो बैठे, कई सारे जख्मी होकर अस्पतालों में पडे.हैं, वह हादसे के घंटों बाद तक लापता रहे, जबिक उन्हें घायलों की सेवा में जुटना चाहिए था। बहरहाल, संतोष की बात है कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे के शिकार लोगों के परिजनों व घायल सत्संगियों से मिलकर उनके आहत मन पर मरहम रखने का काम किया है और इस घटना की न्यायिक जांच कराने की घोषणा की है। जो ब्योरे हैं, वे बताते हैं कि हादसे की वजह भी चिर-परिचित है और नारायण साकार के सत्संग में जुटी भीड़ की प्रकृति भी, मगर उसके ठीक-ठीक कारणों को जानने के लिए न्यायिक जांच के नतीजों का इंतजार करना होगा। आशा है, यह जांच जल्द पूरी होगी और इसमें जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी। दुर्योग से ऐसे त्रासद मौकों पर भी सियासत अपनी निर्ममता नहीं छोड़ती। अभी हाथरस हादसे के सभी मृतकों की शिनाख्त भी नहीं हो पाई थी कि इस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। यह पीड़ादायक है। इसलिए पहला सबक तो हमारे राजनीतिक वर्ग को ही सीखने की जरूरत है कि कई बार मर्यादित मौन ज्यादा अभिव्यंजित होती है। दूसरा सबक हमारे शासन-तंत्र के लिए है कि वह स्थानीय प्रशासन को कैसे ज्यादा से ज्यादा संवेदनशील बनाए? भगदड़ की ऐसी घटनाएं लगातार और देश के लगभग सभी हिस्सों में घटती रही हैं, मगर इनके दोषियों को सजा दिए जाने की कोई नजीर याद नहीं आती और जब ऐसी कोई नजीर ही याद न रहे, तो लापरवाही पर लगाम कैसे लगेगी? ऐसा नहीं कि हमारे तंत्र में सामर्थ्य नहीं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A team that took everyone along

THE entire nation was united and overjoyed when Team India won the T20 World Cup. Our cricketers not only snatched victory from the jaws of defeat in the final against South Africa in Barbados but also remained undefeated throughout the tournament.where victory or defeat was greatly dependent on a single player or two. The Proteas were cruising to victory with only 30 runs required from the last five overs. South African batsman Heinrich Klaasen was at his destructive best, hitting one six after another. And just when we had lost all hope, he was dismissed by Hardik Pandya. This was the turning point. Later, in the last over, the amazing catch taken by Suryakumar Yadav at the boundary line off Hardik's bowling to dismiss David Miller sealed the fate of the South Africans. Suryakumar had to keep all his wits about him to not lose his balance and then jump back and catch the ball before it hit the ground.Hardik, whose captaincy of Mumbai Indians in the Indian Premier League (IPL) had drawn criticism because of the franchise's poor performance this year, regained his composure and form to shine in the final and most of the preceding games. He had replaced Rohit Sharma, a popular captain of Nita Ambani's franchise for years.

The wonderful pace bowler Jasprit Bumrah was as economical and effective with the white ball as he always is. He was well supported by another speedster, Arshdeep Singh, who peaked at just the right time.irat Kohli came good just when the team needed him the most. His performance in the final contributed massively to our victory. This was his last appearance in T20 Internationals. He will not forget the moment. Fellow Indians will certainly not forget the debt the nation owes to this bighearted cricketer. I am honoured that he has chosen my city of Mumbai as his permanent residence in deference to his wife's wishes.

Another stalwart who has decided to hang up his boots in T20 cricket is the captain himself. Rohit has provided immense joy and much entertainment with the willow over the years. He has assumed the role of the wrecker-in-chief for India as well as Mumbai Indians. His sixes and fours, which he hits with gay abandon, have delighted his fans in international and league cricket. He was not that successful in this World Cup except in the Super Eight match against Australia, in which he narrowly fell short of a century. He was also part of the Indian team which won the inaugural T20 World Cup back in 2007 in South Africa. I welcome the Nagpurborn Rohit back to Mumbai, where he settled down as a young cricketer.

Flamboyant wicketkeeper-batsman Rishabh Pant was another delight to watch, not just behind the stumps but in front too. Two other big hitters, Suryakumar and Shivam Dube, all-rounder Axar Patel — who bailed out the team at crucial moments — and Chinaman bowler Kuldeep Yadav, all contributed their mite to the success of this team. It was a great team effort, spearheaded by a great leader.

Opponents were treated with respect. There was no room for complacency even when playing against minnows like the USA and Ireland.

Our political leaders can learn a few lessons from this World Cup-winning team. The most important lessons are in the domain of leadership. Take everyone along, utilise the strengths of each player and never treat your opponents as dirt to be trampled on. Even the RSS sarsanghchalak gave that advice after the BJP's below-par show in the Lok Sabha elections, in which the saffron party lost substantial ground in its stronghold of Uttar

Drawbacks of Agnipath scheme far outweigh its benefit

If the scheme is designed to inculcate discipline in the country's youth, as some have said, this can be achieved through less risky options.

THE Agnipath scheme came under scrutiny during the just-concluded session of Parliament. It also made headlines during the recent Lok Sabha elections. In a traditional army like ours, the introduction of a scheme that changes its basic structure must be backed by strong and cogent reasons.

Even though not so stated, the main reason for the change was to reduce the pension expenditure, thus saving money for the modernisation of the defence forces. That is understandable, since over 70 per cent of the defence Budget currently goes into meeting the revenue needs. Pensions have been singled out as a

major drain. The One Rank One Pension (OROP) scheme has been vilified, though unfairly. There are many other categories of pensioners who have been beneficiaries of the OROP or its equivalent. Soldiers only started getting benefits of the scheme in 2015, after over three decades of struggle. The number of pensioners is on the rise because of their longer life span. But this trend is temporary. Statistically, the numbers entering the pension scheme and those exiting it are likely to plateau soon.Unfortunately, India does not have a defence culture. An average citizen has scant knowledge of or interest in the subject. There is an ageold wish for the defence forces: 'may there never be wanting, and may they never be wanted'. A good army does not keep the country secure by fighting a war, but by preventing one.

It does this through deterrence by remaining fully equipped, trained an ready. To keep it thus ever ready entails costs.

When an annual review is done, all ministries and departments show a tangible utilisation of the allocated funds. This is done by counting additional highways, universities, hospitals, airports, etc. But those entrusted with keeping the country safe have nothing to show in physical terms. The fact that every other development Maintaining peace and security is not the purview of the has been possible because of them is often overlooked. Their contribution is not perceptible, and their expenses are liable to be misconstrued as being wasteful. Consequently, they are the first to come in the crosshairs of the cost-cutting measures. The Army's manpower is internally reviewed regularly. However, it

needs to be remembered that weapons and technology per se do not win wars; it is the soldier who does. If that were not true, Israel, with far superior weapons and technology, would have achieved its avowed aim of finishing the ragtag Hamas a long time ago. But Israeli Defence Minister Yoav Gallant is desperately asking for 10,000 additional soldiers. India has over 15,000 km of land borders. These run through the toughest terrain in the world. The situation on some 7,000 km of the land border remains perpetually active, calling for the After controversy erupted, certain benefits of the deployment of troops. It is debatable whether the 12 lakh-strong Army is too large. Although Pakistan is no



pole star, it is pertinent to remember that our western neighbour — with less than one-fourth of our size and nearly one-seventh of our population and an economy in a shambles — is maintaining 6.5 lakh personnel. By that yardstick, our defence forces' strength should be around 33 lakh instead of the present more than 14 lakh personnel. With our booming economy, the incessant drumbeat of our Army being too large and causing a burgeoning expenditure needs to be muted.

Army alone. It requires a synergy of diplomatic, economic, political and other factors. Unfortunately, our relations with our immediate neighbours have remained strained over the years. It falls to the Army to 'manage' those relations by keeping the adversaries at bay. This underscores the need for keeping a strong

army. As a result of the suspension of recruitment in the Covid-19 years, while retirements continued, the Army manpower had come down by nearly two lakh. Luckily, there was no war during the period. If considered prudent by the security policymakers, that reduced strength can be institutionalised. But whatever is retained must be homogenous. A hybrid army comprising a mix of regular and contractual soldiers cannot match a cohesive force.

Agnipath scheme were put forward. One is the lowering of the age profile by two/three years. It may

> be mentioned that after the 1962 war debacle, the Army had sent out teams to different theatres to carry out physical tests at varying altitudes. Based on their findings, mandatory standards were prescribed for annual battle physical efficiency tests. Interestingly, the standards for all aged from 18 to 35 years were exactly the same. The age factor, therefore, is more of a post-event justification than a factor in favour of the continuation of the scheme.

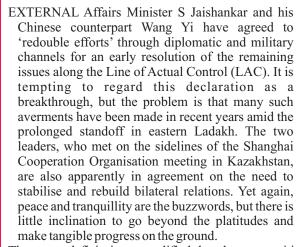
t is true that the short service commission officers who served for five or 10 years performed laudably well in wars. But officers serve as leaders, where they take individual decisions at the cutting edge. The soldiers, on the contrary, always work as a team in which esprit de corps is their glue. This is difficult to achieve in a disparate group. It has also been reported that an internal survey of the Army found the scheme to have merit. The reality,

however, is that the system does not allow the Army to publicly express disagreement with a government scheme. All internal analyses get dovetailed into support for the decision that has already been taken; it is not examined critically.

If the scheme is designed to inculcate discipline in the country's youth, as some have said, this can be achieved through less risky options. For one, the NCC (National Cadet Corps) scheme can be expanded and more Army personnel can be involved in the training than at present. The only known benefit of the scheme is bringing down the pension expenditure. This is clearly and quotably visible. The serious drawbacks of the scheme will only be known in the event of a war. But it will be too late by then.

LAC imbroglio

India-China talks making no headway



The trust deficit is exemplified by the competitive development of border villages. India has reportedly decided to set up villages or habitations in Arunachal Pradesh 'closer to the LAC' in a bid to match China's



efforts. The Chinese have established over 600 'prosperous villages' (Xiaokang) along the LAC to bolster their territorial claims and enhance their military readiness. India's counter is the Vibrant Villages Programme, which was launched last year. The ambitious project aims to cover around 3,000 villages in Arunachal, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Ladakh and Sikkim. The focus on improving road and telecom connectivity, housing and tourism facilities has a larger objective — to encourage more and more villagers to become the eyes and ears of the soldiers in border areas.

Amid this all-out infrastructural push and troop buildup, the periodic talks at the diplomatic and military levels have often been inconclusive. A summit-level interaction between Prime Minister Narendra Modi and President Xi Jinping has remained elusive. As Asia's largest powers, it is in the interests of

both countries to engage in dialogue and address the thorny issues, including China's unwillingness to exchange maps of the LAC.

Community service offers a window of opportunity

The key objective of community service is to promote among offenders a sense of responsibility towards society.

THE new criminal laws have come into force. The Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita and the Bharatiya Sakshya Adhiniyam have replaced the Indian Penal Code (1860), the Criminal Procedure Code (1973) and the Indian Evidence Act (1872), respectively. The transition will be very challenging for all stakeholders. Some teething troubles are bound to happen as the police and the judiciary will have to juggle the two systems of law.

he new statutes are aimed at providing justice in contrast to colonial legislation, which focused on 'punishment'. A progressive shift under the BNS is the introduction of community service as a form of punishment under Section 4(f). The BNS, however, does not define what community service entails. This will apply to six offences: attempting suicide to compel or restrain the exercise of lawful power, defamation, theft of property below Rs 5,000, misconduct in public by a drunken person, non-appearance at the specified place and time as required by a proclamation, and a public servant engaging in trade. The community service sentence can be awarded in addition to the prescribed punishment. This legislative change provides an alternative to imprisonment and reflects a rehabilitative approach.

Community service, as ordered by the court, offers the offender the opportunity of compensating society for the wrong s/he has done by performing unpaid work for the benefit of the community instead of going to prison. A proportionate use of imprisonment is essential for an effective penal system. India has over 5.73 lakh inmates in its 1,330 prisons, with an occupancy rate of 130 per cent. Undertrials constitute 75 per cent of the prison population. Not every suspect needs to be imprisoned. Non-custodial measures and, in particular, community service as a penal sanction are also in line with the United Nations Rules for Non-Custodial measures (The Tokyo Rules) of 1990. Positive experience with the The work and the supervision required need to be introduction of community service has been seen in



society. The key objective of community service is to promote among offenders a sense of responsibility towards society. Who will implement this judicial decision and the manner of its implementation remain a bit unclear as of now. Community service orders must be correctly worded in order to avoid possible confusion. The orders must specify the number of hours required to be worked; the days on which work is to be performed; the starting and finishing times of the work; and the place where the work is to be performed.

specified. Hence, having detailed provisions is essential

for successfully implementing this provision. Staff will have to be trained for the supervisory work as well. Will it be probation officers, the social welfare department, the prison department or community service supervisors who will oversee it? These issues need to be resolved promptly. In India, it was only under the Juvenile Justice Act, 2015, that community sentence could be given. The judges and Juvenile Justice Board members have not always been clear in terms of what kind of sentence should be passed. The Pune Porsche accident case is a notable example of how one order can spark a legal debate on the appropriateness and arbitrariness of such a measure. Hence, having clear guidelines is very essential. This promising step requires careful planning for its successful implementation. Identifying the community work, places for work and the supervision and monitoring agencies in any state is a task for the

governments, along with capacity building and training of relevant stakeholders. There are international best practices in this regard that can be considered.Community service in Spain and Singapore requires that the work should have some relation with the offence committed. The number of work hours varies — a range of hours is specified. Work like cleaning public areas, tree plantation, maintaining public parks and buildings may also be ordered. Centres of community service can include government hospitals, health clinics, schools, orphanages and old-age homes, along with charitable organisations like Pingalwara. Sewa is an essential component of our culture; in the Sikh religion, the one who is declared tankhaiya is ordered to do kar sewa as penance and is then accepted back into the community. John Braithwaite, a criminologist, argues in favour of the 'reintegrative shaming' approach, which eschews stigmatisation to deal with the crime problem. The reintegrative process involves a reciprocal relationship between the offender and the community.In certain jurisdictions, community sentencing is monitored by specifically established boards/institutions. A breach of the community sentence can be dealt with through a fine, an increase in the hours of work or sending back the offender to prison. The role of the supervisor is important, as it involves monitoring the offenders' work, ensuring compliance with the sentencing order and reporting back to the court. This sanction helps an offender make reparation for offences and can enhance self-respect. Community service projects can also empower communities as the offenders engage in community-building service endeavours. There are many possibilities for better designing the sentencing landscape. Successful implementation of the new laws can happen only when all stakeholders and the community come together and work in tandem. Knowing the direction where we are going becomes important for all agencies.

India has more consistent compounders than China: Report

NEW DELHI. Marcellus Investment Managers said on Friday that among emerging markets, both India and China have produced a significant number of consistent compounders — companies that have consistently achieved 10% YoY revenue growth and 10% RoCE over a decade. However, India not only surpassed China in the number of consistent compounders but also outperformed by delivering more than double the shareholder returns as against its Chinese counterparts. India has 162 compounders as against 126 in China. This

is despite the fact that the Chinese economy and its capital market are much bigger than Indi.

The finding stated that ver the long term, India's equity market (Nifty50) has given superior returns as against any other market in the world. In the last 20 years, Nifty50 has given an annual return of 11.6%. The US market (S&P 500) comes next at 9.9%. China's Shanghai Composite has had an annual rerun of 5.9% in the past 20 years. Marcellus said as global businesses look to diversify their supply chains away from China, India is poised to benefit. Key sectors like smartphones, active pharmaceutical ingredients (APIs), and medical devices are expected to drive this growth, potentially contributing an additional \$300 billion to India's economy, it added.

The report said 5,000 companies that sit below the 800 most profitable companies in India are growing at a faster pace. It also stated that the share of the top 20 companies in overall PAT of India Inc (listed players) reached its peak during Covid but fell sharply after that.

Karnataka High Court asks Byju's to maintain status quo

BENGALURU. The Karnataka High Court on Friday restrained ed-tech firm Byju's from proceeding with the second rights issue till the NCLT decides on the plea by a group of investors. Four investors had objected to Byju's second rights issue saying this would dilute their holding. A Few days ago, a single judge of the Karnataka High Court had set aside the interim NCLT order that had restrained Byju's from launching a second rights issue. The NCLT has been directed to decide the application filed by investors by July 31. Earlier, Think and Learn Pvt Limited (Byju's) and



Byju Raveendran had filed writ petitions against the order of NCLT dated 12 June 2024. The High Court has remanded the matter to the NCLT for fresh consideration within 2 weeks from 4 July 2024.

During the proceedings of remand and till the decision which may be taken by the NCLT, the parties shall maintain status quo about the subject matter dispute as obtained on today," the order stated.

The respondents shall not make allotment of shares in the interregnum, to be subject to the final order which may be passed by the NCLT, it added.Also, if any transactions took place from July 2-4, 2024, they will remain subject to a final order that may be passed by the NCLT and the rights in that regard will be governed

HDFC stock falls nearly 5%, drags sensex down



MUMBAI. HDFC Bank shares fell 4.6% on Friday, dragging the sensex below the 80,000 mark despite relatively strong sentiment in the equities market. The country's largest private lender came under pressure after it reported a decline in both loans and current & savings account deposits in the first quarter. The sensex closed 53 points down at 79,996 largely because of HDFC Bank. Nifty, which represents a broader range of stocks, continued to gain and closed 22 points higher at 24,324, with most of the gains coming in the last 30 minutes of the trade. According to brokers, if HDFC Bank's shares had not fallen, the sensex would have been up by over 500 points. Despite HDFC Bank being a drag, the sensex had its best week in over six months as well as the fifth consecutive week of gains.

Among the 30 sensex stocks, 17 posted gains. SBI shares gained the most at 2.5%, while Reliance Industries, which gained 2.3%, hit a new lifetime high at Rs 3,197. Shares of Raymond jumped 10% on Friday after the textile major said it will demerge its real estate business.

The broader market outperformed the benchmarks, with Nifty mid-cap and small-cap indices gaining more than 0.5% each. Technically, Nifty managed to defend the 24,200 support level on a closing basis, indicating strength. As long as the index holds this support, it may attempt to test the levels of 24,500-24,600," said Hrishikesh Yedve of Asit C Mehta Investment.In Friday's session, HDFC Bank erased the gains it had made earlier in the week after reporting its June-end shareholding numbers.

SMEs on IPO spree in April, May as corporates mobilise nearly Rs 85,000 crore from equity offerings

Leading the equity issuance surge during the first two months were IPOs from the small and mid-cap (SME) segment, with 44 of these companies getting listed in the first two months of the current fiscal (Fy25).

NEW DELHI. In just the first two months of financial year 2024-25 (FY25), Indian corporates have mobilised Rs 84,866 crore through equity issuances, including initial public offerings (IPO), follow-on public issues and preferential allotment. In the twelve months of FY24, corporates had raised Rs 67,956 crore from the IPO market and are expected to mobilise over Rs 1 lakh crore through primary issuances in the current fiscal.Leading the equity issuance surge during the first two months were IPOs from the small and mid-cap

(SME) segment, with 44 of these companies getting listed in the first two months of the current fiscal (FY25). This comes amid the Securities and Exchange Board of India (Sebi) Chairperson Madhabi Puri Buch raising concerns over manipulation in the listing of SMEs a few months back. While 44 companies got listed on SME platforms of the BSE and the NSE in April and May, there were a total of 52 listings (main board IPOs plus SME IPOs) during the two month period. In fiscal 2023-24, the total number of SME companies that were listed was 196.A total of 21 SMEs got listed in April, raising Rs 527 crore, while there were 23 SME IPOs which mobilised Rs 673 crore in May, according to the data from Sebi data.In March this year, the Sebi Chairperson had said that there were signs of price manipulation in SME IPOs and trading of such shares in the secondary market. "The reality is that SMEs are relatively small entities, the market is small, the free float is small, it is relatively easy to manipulate both at the IPO level and the trading level," Buch



had said.On an overall basis, Indian corporates mobilised Rs 84,866 crore through equity issuances, including initial public offering (IPO), both mainboard and SME platform, follow-on public offering and preferential allotment in the first two months of fiscal 2024-24, the SEBI data showed.ndia Inc raised Rs 14,661 crore through eight main board IPOs in April and May, the data showed. Some of the main board IPOs included Aadhaar Housing Finance (Rs 3000 crore), Go Digit General Insurance Rs 2,614 crore and Aufic Space Solutions 2,614 crore and Awfis Space Solutions Ltd (Rs 599 crore).Indian corporates raised Rs 67,956 crore from the IPO market in FY24 and they are expected to

primary issuances in the current fiscal. The rise in the number of companies raising money through IPOs can be attributed to the strong macroeconomic growth of the country, stable government and interest rates, and ease in inflation. According to Sebi data, corporates did not raise money through the follow-on public offer route in May

However, in April, Rs 18,000 crore was raised through a single FPO of Vodafone Idea, which was the largest issue in the country. Funds amounting to Rs 3,798 crore were raised through 20 rights issues in April and MayFunds raised through preferential allotment during the two months stood at Rs 32,695 crore. The amount raised through QIP (Qualified Institutional Placement) stood at Rs 14,512 crore in the period. In May 2024, Rs 1,207 crore was mobilised through the public issue of debt, compared to the Rs 687 crore raised during April. Private placement of debt raised Rs 61,227 crore in May, compared to Rs 30,508 crore in

Government unlikely to do away with angel tax, say experts

NEW DELHI. Even though the Department for Promotion of Industries and Internal Trade (DPIIT) has recommended the finance ministry remove the angel tax, it is unlikely that the government may pay attention to such recommendations. The DPIIT Secretary in a press briefing on Thursday said his department has recommended the removal of Angel Tax to the finance ministry and that it had done so in the past as well. "Ultimately, the decision has to be taken by the ministry," he told reporters on Thursday. However, tax experts are of the view that the government is unlikely to remove the angel tax, which is levied on unlisted companies raising capital through the issue of shares.

Rohinton Sidhwa, partner, of Deloitte India, told TNIE that the debate has died down because the government has largely fixed the issue though it's an irritating thing it involves a lot of



"Companies have, however, realised that they have to do the paperwork, but at least the issue has gone away," said Sidhwa. Shruti KP, partner, taxation, AZB & Partners, says the likelihood of any major change (in Angel Tax) is quite limited. If at all, the government may try and provide more exceptions, rather than removing the angel tax provision entirely, she says.

However, she admits that the angel tax is an unnecessary hassle and tax burden for businesses including for startups,

especially given that it now applies even to investments made by nonresident investors. "The so-called exceptions do not help very many (January-June 2024), the first half of this year (January-June 2024), the fintech sector businesses.As a tax professional, therefore, I do hope the MOF accepts the recommendation made by DPIIT," says Shruti KP. Angel tax was introduced in 2012, and it is the tax that unlisted companies are liable to pay on the capital they raise through the issue of shares, and it is calculated based on the premium

amount received above the fair market value of the shares.IT industry body Nasscom in its pre-budget meeting with the finance minister has raised the issue of angel tax. It said very few start-ups can avail the exemption from angel tax and even if a start-up avails exemption, it is not useful. "The end-use restrictions for utilising exempted investments are constraining and impact the business of start-ups," it

Fintech funding falls 59% to \$795 mn in H1, 2024

witnessed a declining trend in funding as they could manage to raise only \$795 million, a 59% fall compared to \$1.93 billion raised in the same period last year.he sector garnered \$896.7 million in H2, 2023, according to market intelligence platform Tracxn. In its semi-annual report, the firm said the funding in late-stage rounds stood at \$551 million, a 63% decline from the \$1.5 billion the sector raised in H1, 2023.

Jeha Singh, co-founder at Tracxn, said, "The slowdown in funding reflects the need for a cautious outlook and strategic planning among start-ups and investors. Our Fintech sector remains dynamic, and we are optimistic that a supportive policy environment and technological advancements will create new opportunities for growth and innovation in the



near future."The Reserve Bank of India (RBI) recently came up with the Framework for Self-Regulatory Organisation for FinTechs, and this is to promote self-regulation in the industry to adhere to government rules. "This can potentially help bring trust and stability to the sector and highlight the importance of Fintech start-ups in the country's financial system," the report said.

The funding in both the seed-stage and early-stage too declined in the first half of this year. About \$179 million was raised in early-stage rounds, which is a 50% decline from \$361 million raised in H1 2023. first quarter of 2024 (January-March) has been the major contributor to funding so far, as the quarter witnessed \$582 million in fundraising, and Q2, 2024 saw only \$214 million in funding. Alternative Lending, RegTech, and Banking Tech were the topperforming sectors in this space, and Perfios is the only start-up that turned unicorn in this space. With 37% of total funding (about \$297 million), Bengaluru leads the space in terms of total funds raised in this period, followed by Mumbai (\$231

New norms for funding infra, setting standards

NEW DELHI. The Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) has unveiled scheme guidelines aimed at funding testing facilities, infrastructure, and institutional support to develop standards and regulatory frameworks under the National Green Hydrogen Mission. With a total budget of the financial year 2025-26, the scheme targets addressing gaps in existing testing

facilities for components, technologies, and processes across the Green Hydrogen value chain. It will facilitate the establishment of new testing facilities and the enhancement of existing ones to ensure secure and efficient operations."The scheme aims to identify and bridge gaps in the current testing facilities for components, technologies, and processes in the Green Hydrogen value chain. It will support the creation of new testing facilities and upgrade



existing ones to ensure safe and reliable operations," stated MNRE in a statement. The National Green Hydrogen Mission (NGHM), launched on January 4, 2023, with a budget of Rs 19,744 crore, aims to position India as a global hub for the production, usage, and export of Green Hydrogen and its derivatives. This initiative is a crucial step towards India's goal of achieving self-reliance through clean energy and will serve as a model for the global transition to clean energy. According to government sources, the National

The National Green Hydrogen Mission (NGHM), launched on January 4, 2023, with a budget of Rs 19,744 crore, aims to position India as a global hub for the production, usage, and export of Green Hydrogen and its derivatives.

Institute of Solar Energy (NISE) will serve as the Scheme Implementation Agency (SIA). NISE's responsibilities will include developing robust quality and performance testing facilities to ensure the sustainability, safety, and high standards of Green Hydrogen (GH2) production and trade.

Retail, apparel dominate informal enterprises, employ most workers

The use of the internet for entrepreneurial purposes has increased by 7.2 per cent, indicating a rapid rate of digitisation in the sector, MoSPI said.

NEW DELHI. Retail trade, manufacturing of wearing apparel, and community, social and personal services were the top activity categories in the informal sector and employed the highest number of workers among the informal enterprises, the Annual Survey of Unincorporated Enterprises (ASUSE) for 2021-22 and 2022-23 released by the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) on Friday showeThe total number of establishments



in the informal sector increased to 6.50 crore in 2022-23 from 5.97 crore in 2021-22, recording a 5.88 per cent annual growth. Out of the total number of establishments, other services sector topped with the highest share of enterprises at 37.88 per cent in ASUSE

2022-23, followed by trade (34.71 per cent) and manufacturing (27.41 per cent), the MoSPI release said. Other retail trade accounted for 30.38 per cent of the enterprises and employed 29.80 per cent of the total workers in ASUSE 2022-23, followed by manufacturing of wearing The unincorporated non-agricultural sector employed about 11 crore workers from October 2022 to September 2023, up from 9.8 crore in ASUSE 2021-22. More than one-third of this labour force was engaged in the states of Uttar Pradesh, Maharashtra and West Bengal. The use of the internet for entrepreneurial purposes has increased by 7.2 per cent, indicating a rapid rate of digitisation in the sector, MoSPI said.Unincorporated sector enterprises' Gross Value Added (GVA) grew 9.83 per cent at current prices in October 2022-September 2023 compared with the April 2021-March 2022 period. The highest number of establishments (rural and urban combined) were recorded in Uttar Pradesh, followed by West Bengal and Maharashtra. The proportion of female workers has marginally increased to 25.63 per cent in ASUSE 2022-23 from 25.52 per cent in ASUSE 2021-22.

apparel with 11.27 per cent share of

establishments and 8.39 per cent share of

total workers.

Rainy weekend likely in Delhi, no respite in flood-hit Assam, Uttarakhand

Torrential rainfall continued to batter flood-hit states, including Assam, Uttarakhand and Himachal Pradesh, with no respite on the cards for now, while Delhi is likely to receive light rainfall today. New Delhi: More rainfall is predicted in several parts of the country, including Delhi, on Saturday, while floodwaters did not recede in states, including Himachal Pradesh, Uttarakhand and Assam, as torrential downpours continued to batter these regions.In Delhi, 0.6 mm of rainfall was recorded on Friday with the maximum and minimum temperatures pegged at 33.2 degrees Celsius and 27.1 degrees Celsius, respectively. Humidity was recorded at 75 per cent at 5:30 pm.Across North and Central India, isolated heavy rainfall was very likely in Himachal Pradesh, Haryana and Chandigarh on July 6, Uttarakhand Uttar Pradesh, East Rajasthan and East Madhya Pradesh between July 6 to 9, Punjab and West Madhya Pradesh on July 7, Vidarbha on July 8 and 9, and Chhattisgarh between July 7 to 9, the India Meteorological Department (IMD) said in its daily bulletin. An orange alert for heavy rain was predicted in Uttarakhand and East Uttar Pradesh on July

6 and 7, and Punjab, West Uttar Pradesh and

West Madhya Pradesh on July 6, the weather office said.In the East and Northeast, isolated heavy rainfall was predicted in West Bengal, Sikkim and Bihar between July 7 and 9, Jharkhand on July 7, Odisha on July 6 and 8, Nagaland, Manipur, Mizoram and Tripura between July 6 to 9, according to the Met Department. An orange alert for heavy rain was likely in West Bengal, Bihar and Sikkim on July 6, Odisha on July 7, Arunachal Pradesh, Assam and Meghalaya between July 6 and 9.In southern and western India, an orange alert was issued for Konkan and Goa and coastal Karnataka on July 6, Madhya Maharashtra on July 6 and south interior Karnataka on July 6, the IMD said. A red alert for extremely heavy rain was likely in coastal Karnataka on July 6.According to the weather department, heavy rain was predicted in Kerala and Mahe between July 6 and 8, coastal Andhra Pradesh and Yanam between July 6 and 8, Telangana on July 8 and 9, coastal and south



Interior Karnataka between July 7 and 9 and north interior Karnataka on July 8.

FLOODS DISRUPT DAILY LIVES IN **SEVERAL STATES**

In Assam, the flood situation remained grim with major rivers flowing above the danger mark and nearly 24 lakh people affected.Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma visited several flood-hit areas in Dibrugarh, one of the 30 affected districts in the state, which is reeling from the worst

deluge in recent years.At least 77 wild animals have died -- either due to drowning or during treatment -- while 94 have been rescued from the flooded Kaziranga National Park as on Friday, an official said. Two people, including a child, were killed and another was injured in a landslide following incessant rainfall in the Dispur area of Kamrup Metropolitan district, taking the death toll in this year's floods, landslides and storms to 64.In Uttarakhand, which has received heavy rain over the past few days, a five-year-old drowned in a rainwater-filled pit in Dehradun and a teenager in a Haridwar rivulet. The continuous rain in the hill state triggered numerous landslides, blocking key roads, including the national highway leading to Badrinath.In Rudraprayag district, debris from a landslide blocked the opening of an old tunnel on Friday. However, no casualties were reported, Superintendent of Police Vishakha Ashok

Supreme Court To Consider Requests To Review Verdict On Same-Sex Marriage

New Delhi: The Supreme Court is scheduled to consider on July 10 a batch of pleas seeking review of its last year's judgement which refused to accord legal recognition to same-sex marriage.

According to the cause list of July 10 uploaded on the top court website, a five-judge bench headed by Chief Justice DY Chandrachud would consider in-chamber the pleas seeking review of the October 17 last year verdict.As per the practice, the review pleas are considered in-chamber by five-judge benches.

Besides the CJI, the other members of the bench will be Justices Sanjiv Khanna, Hima Kohli, BV Nagarathna and PS Narasimha. In a setback to gay rights activists, the top court had on October 17 last year refused to accord legal recognition to same-sex marriage, saying there was "no unqualified right" to marriage with the exception of those that are recognised by law.

The top court, however, had made a strong pitch for the rights of queer people so they don't face discrimination in accessing goods and services that are available to others, safe houses known as 'Garima Greh' in all districts to provide shelter to members of the community facing harassment and violence and dedicated hotline numbers which they could use in case of trouble. Holding that transgender people in heterosexual relationships have the freedom and entitlement to marry under the existing statutory provisions, the top court had said an entitlement to legal recognition of the right to union, akin to marriage or civil union, or conferring legal status to the relationship can be only done through "enacted law". A five-judge constitution bench headed by CJI Chandrachud had delivered four separate verdicts on a batch of 21 petitions seeking legal sanction

Kerala records fourth case of rare brain-eating amoeba infection: Report

New Delhi: Kerala has reported another case of amoebic meningoencephalitis, a rare brain infection caused by a free-living amoeba found in contaminated waters, taking the total number of such cases to four. According to a report with news agency PTI, the patient is a 14-year-old boy, a resident of Payyoli in Kozhikode district of north Kerala, and is being treated



at a private hospital. The state has reported four such cases since May, and all patients were reported to be minors, three of whom have already died.

In the latest case, one of the doctors treating the boy said that he was admitted to the hospital on July 1, and his condition is improving, PTI reported. The doctor also said that on Saturday, the infection was identified quickly at the hospital and treatment, including medicines from abroad, was given immediately.On July 3, a 14-year-old boy infected with the free-living amoeba died in the state. Before that, two others -- a five-year-old girl from Malappuram and a 13-year-old girl from Kannur -- died on May 21 and June 25, respectively, due to the rare brain infection.

On Friday, Chief Minister Pinarayi Vijayan held a meeting in which several suggestions, including not to bathe in unclean waterbodies, were given to prevent further infections. In the meeting, it was also suggested that there should be proper chlorination of swimming pools and children should be careful when entering waterbodies as they are mostly affected by this disease, the statement read. The Chief Minister also said that everyone should take care to keep the waterbodies clean.

NEET-UG counselling deferred until further notice amid paper leak row

New Delhi:The counselling for the National Eligibility cum Entrance Test (Undergraduate) or NEET UG was on Saturday deferreduntil further notice. The new date for the counselling was yet to be announced.

Sources told India Today TV that the exam authorities want to wait for a court hearing in the case, which is scheduled for July 8.

Moments after the announcement, senior Congress leader Jairam Ramesh said the future of lakhs of students is unsafe in the hands of BJP leaders."The whole NEET-UG issue is getting worse by the day. The nonbiological PM and his biological Education Minister are adding further proof to their demonstrated incompetence and insensitivity," he said in an X post."The future of lakhs of our youth is simply unsafe in their hands," Jairam Ramesh added.

On July 5, amid the growing clamour for cancellation of the controversyridden NEET-UG, 2024 exam over alleged malpractices, the Centre and the National Testing Agency (NTA) told the Supreme Court that scrapping it would be "counterproductive" and would "seriously jeopardise" lakhs of honest candidates in the absence of confidentiality. The NTA, which conducts the NEET exam for admissions to MBBS, BDS, AYUSH

and other related courses, and the Union Education Ministry have been at the centre of media debates and protests by students and political parties over alleged large-scale malpractices ranging from question paper leak to impersonation in the test held on May 5.The Union Education Ministry and the NTA filed separate affidavits opposing the pleas which have sought the scrapping of the exam plagued by controversy, a re-test and a courtmonitored probe into the entire gamut of issues involved.

proof of large-scale breach of In their responses, they said the CBI, the country's premier investigating agency, has taken over the cases registered in different states.

Hathras Stampede: Main Accused Surrenders In Delhi, Claims His Lawyer

New Delhi: Devprakash Madhukar, the main accused in the July 2 Hathras stampede which claimed 121 lives, has been taken into custody by Uttar Pradesh Police after he surrendered in Delhi, his lawyer claimed on Friday night. Madhukar, the 'mukhya sevadar' of

the 'satsang' where the stampede occurred, is the only accused named in the FIR lodged at Sikandra Rao police station in Hathras in connection with the incident.In a video message, Madhukar's lawyer A P Singh claimed that his client had surrendered in Delhi, where he was undergoing treatment.

Today, we have surrendered Devprakash Madhukar, who was called the main organiser in the FIR



in the Hathras case, after calling the police, the SIT and the STF in Delhi since he was undergoing treatment here," Mr Singh said.

"We had promised we would not apply for anticipatory bail since we did no wrong. What is our crime? He is an engineer and a heart patient. Doctors said his condition is stable now and

so we surrendered today to join the probe," the lawyer said.Mr Singh said police may now record his statement or question him but must take into consideration his health condition and ensure that "nothing wrong happens with him".ecently, the Supreme Court lawyer had claimed that he represents Surajpal alias Narayan Sakar Hari alias Bhole Baba, the self-styled godman at whose 'satsang' the stampede occurred.Uttar Pradesh Police

had announced a reward of? 1 lakh for information leading to Madhukar's arrest. Till Thursday, six people, including two women volunteers who were members of the organising committee of Bhole Baba's 'satsang', had been arrested in

Big Fillip to Wind Power, **Industry Hails Viability Gap Funding for Offshore Projects**

New Delhi: The Global Wind Energy Council (GWEC) and India Off-shore Wind Working Group have hailed the Viability Gap Funding recently announced by the government to support the offshore wind energy projects in India. In a latest statement, the member-based organisations representing over 1,500 companies stated that the government support has come as a much-needed boost for the emerging industry.In its first Cabinet meeting post the election results, the NDA government had approved a total outlay of Rs 7,453 crore for installation and commissioning of 1 GW of offshore wind energy projects — 500 MW each off the coast of Gujarat and Tamil Nadu. It also included Rs 600 crore for upgradation of two ports to meet logistics requirements for offshore wind energy projects.

This would support the establishment of the necessary offshore ecosystem and lay a strong foundation for success in the 37 GW seabed lease tender trajectory aimed at harnessing the offshore wind potential in the country," said Bhupinder Singh Bhalla, Secretary, Ministry of New and Renewable Energy.Despite a 7500-km-long coastline, India is yet to establish an offshore wind project. GWEC — a global member-based organisation representing wind power companies — also met with ministry officials in 2022 to press for financial support mechanisms for the offshore industry.

"This decision sends an important signal about India's commitment to progress offshore wind at scale. GWEC's 2024 Offshore Wind Report shows that offshore wind can accelerate just transition in the energy sector, playing an important role in sparking new jobs and investments in the sector. This will help build confidence that will enable offshore wind to graduate from the status of an emerging technology in India," said Rebecca Williams, Chief Strategy Officer — Offshore Wind, GWEC.According to its Global Offshore Wind Report 2024, at least 3 per cent of Asia-Pacific (APAC)'s offshore wind capacity between 2024-2033 is estimated to be rooted in India, which is also expected to gradually emerge as the ground for offshore wind manufacturing.At COP 26, India had also committed to adding 500 GW of non-fossil fuel capacity by 2030 and meet 50 per cent of its energy requirements.

Cheetah 'Gamini', Her 5 Cubs Enjoy Rain At Kuno National Park

Union Minister Bhupender Yadav shared the joyous moment in a post on X, stating, "Together, they weave a timeless tale of familial harmony amidst nature's seasonal embrace.

New Delhi: South African Cheetah 'Gamini' with her five cubs on Friday morning, enjoyed the rain at Kuno National Park in Madhya Pradesh Sheopur.Cheetah Gamini was seen playing with her cubs, who also engaged in playful antics with each other.Union Minister Bhupender Yadav shared the joyous moment in a post on X, stating, "Together, they weave a timeless tale of familial harmony amidst nature's



seasonal embrace."

Earlier on March 10, South African Cheetah 'Gamini' gave birth to five cubs at Kuno National Park. An announcement in this regard was made by Union Minister for Environment, Forest and Climate Change Bhupender Yadav on Sunday. The Union Minister said that the total number of Indian-born Cheetah cubs has gone up to 13."High Five, Kuno!

Female cheetah Gamini, age about 5 years, brought from Tswalu Kalahari Reserve, South Africa, has given birth to 5 cubs today. This takes the tally of the Indian-born cubs to 13. This is the fourth cheetah litter on Indian soil and the first litter of cheetahs brought from South Africa," Bhupender Yadav said in a post on X.He lauded the officers and staff at Kuno National Park for ensuring a 'stressfree environment' for the cheetahs.

Congratulations to all, especially the team of forest officers, vets, and field staff who have ensured a stress-free environment for cheetahs, which has led to successful mating and birth of the cubs. The total number of cheetahs, including cubs in Kuno National Park, is 26. Gamini's legacy leaps forward: Introducing her adorable cubs!" he said. Earlier in January this year, Namibian Cheetah 'Jwala' gave birth to four cubs at Kuno National Park.Cheetahs were declared extinct in India in 1952, only to be reintroduced through the ambitious project in 2022.In 2022, eight Cheetahs - brought from Namibia - were introduced in India under Project Cheetah. Subsequently, twelve cheetahs from South Africa were also translocated and released in Kuno National Park in February 2023.A cheetah translocated from Namibia, died at Kuno National Park in January this year. So far, seven adult cheetahs and three cubs born in India have died since March 2023.

There will be no change in foreign

policy with India, irrespective of who becomes President of Iran: Ambassador Elahi

World Iran-India ties will continue to be robust, irrespective of who wins the Presidential elections. The results are expected this afternoon and the contest is between centrist Masoud Pezeshkian versus Hardline Conservative Saeed Jalali.n Friday, Iranians voted in a Presidential run-off as the results of the June 28th elections were inconclusive with nobody getting a clear majority. Four polling stations were set up in India -Delhi, Mumbai, Pune, Hyderabad – to facilitate the over 3000 Iranian population to come out and vote.

There will be no change in the foreign policy between Iran and India, irrespective of who comes to power. Iran-India is involved in a major infrastructural project Chabahar port - and that agreement will always be honoured. Infrastructure development is one of the bases of cooperation between our two nations," Iranian Ambassador to India, Iraj Elahi told this newspaper.

Iranians while exercising their vote in Delhi were seen getting their thumb pressed against the ink stamp, followed by putting their thumb impression against the candidate of their choice. Iranian voters are identified by their identification number (similar to Aadhar in India) which has to match the number listed against their name in the system. On the June 28th poll Pezeshkian led with 42.5 per cent votes while Jalili managed 38.7 per cent. Both ran short of an outright majority. In Iran, the winning candidate must get 50 per cent +1 votes to be elected. However, in the run-off, the candidate who gets more votes is declared the winner.

Pezeshkian is a physician and was the Minister of Health while Jalali was the deputy foreign minister and National Security Advisor of Iran and negotiator of

US lawmaker says Israeli hostage photos were vandalized in protest

Washington Democratic US Representative Brad Schneider's office was targeted by what he called on Friday "a vile act of hate," after pro-Palestinian protesters demonstrated outside his office in the US Capitol building and tore down posters of Israeli hostages held in Gaza.

Schneider, a staunch supporter of Israel, posted a photo of the posters crumpled on the floor."This was a shameful act on any day, but especially on July 4, our country's Independence Day," Schneider said on social media. Schneider, who is Jewish, represents a district covering the suburbs north of Chicago, Illinois.nstagram page "Direct Actions for Palestine" said protesters demanded the lawmaker support restoring US funding for the UN agency for Palestinian refugees (UNRWA) and ending the war.

Washington suspended funding to UNRWA after Israel alleged that members of the UNRWA staff had ties to extremist groups, a claim the UN said Israel has yet to provide evidence for.An Oct. 7 attack on Israel by Palestinian Hamas militants killed 1,200 people, while about 250 other people were abducted to Hamasgoverned Gaza as hostages, according to Israeli tallies.Israel's subsequent assault on Gaza has killed over 38,000, according to the local health ministry, flattened most of the enclave and caused widespread hunger. The US Capitol Police said in a statement that it was "aware and investigating" the incident related to the US lawmaker's office but could provide no further details. Schneider also said his home was targeted last weekend, with "approximately 50 masked demonstrators banging drums, blowing horns and screaming antisemitic chants" at 2:30 a.m.Protesters were criticizing Schneider's votes to defund UNRWA, "Direct Actions for Palestine Instagram page. A clip showed them as saying: "If we don't get no justice, then you don't get no sleep.

The conflict has also led to protests around the United States, Israel's most important ally, over US support for Israel. Rights advocates have noted a rise in antisemitism and Islamophobia.

How Texas is still investigating migrant aid groups on the border after a judge's scathing order

World Texas is widening investigations into aid organizations along the US-Mexico border over claims that nonprofits are helping migrants illegally enter the country, taking some groups to court and making demands that a judge called harassment after the state tried shuttering an El Paso shelter. The efforts are led by Republican Texas Attorney General Ken Paxton, whose office has defended the state's increasingly aggressive actions on the border, including razor wire barriers and a law that would allow police to arrest migrants who enter the US illegally. Since February, Paxton has asked for documents from at least four groups in Texas that provide shelter and food to migrants.

That includes one of the largest migrant aid organizations in Texas, Catholic Charities of the Rio Grande Valley, which on Wednesday asked a court to stop what the group called a "fishing expedition into a pond where no one has ever seen a fish."The scrutiny from the state has not stopped the organizations' work. But leaders of some groups say the investigations have caused some volunteers to leave and worry it will cast a chilling effect among those working to help migrants in Texas. Here are some things to know about the investigations and the groups: What started the investigations? Republican Gov. Greg Abbott sent Paxton a letter in 2022 urging him to investigate the role nongovernmental organizations play in "planning and facilitating the illegal transportation of illegal immigrants across our borders."Two years earlier, Abbott began rolling out his multibillion-dollar border security apparatus known as Operation Lone Star. Without citing evidence, Abbott's letter referenced unspecified "recent reports" that some groups may be acting unlawfully.Paxton later accused Annunciation House in El Paso, one of the oldest migrant shelters on the border, of human smuggling and other crimes. The groups have denied the accusations and no charges have been filed. Other Republicans and conservative groups have cheered on Texas' effort. Which groups are targets? Many nonprofit organizations on the Texas border are faith-based and have operated for years and in some cases decades — without state scrutiny. Several groups have coordinated with Abbott's busing program that has transported more than 119,000 migrants to Democratic-led cities across the US.

Iran reformist Pezeshkian defeats hardliner Saeed Jalili in presidential runoff

Pezeshkian got more than 17 million votes while hardliner Saeed Jalili garnered more than 13 million out of about 30 million votes cast in a runoff presidential election.

Tehran Iran's reformist candidate Masoud Pezeshkian on Saturday won a runoff presidential election against ultraconservative Saeed Jalili, the interior ministry said.ezeshkian got more than 17 million votes and Jalili more than 13 million out of about 30 million votes cast, electoral authority spokesman Mohsen Eslami said, adding that voter turnout stood at 49.8 per cent. The election, called early after the death of ultraconservative president Ebrahim Raisi in a helicopter crash, followed a first round marked by a historically low turnout last week.Iran's supreme leader Ayatollah Ali Khamenei, who wields ultimate authority, had called for a higher turnout in the runoff,



emphasising the importance of the election.He said the first round turnout was lower than expected, but added that it was not an act "against the system". The heightened regional tensions over the Gaza war, a dispute with the West over Iran's nuclear programme, and domestic discontent over the state of Iran's sanctions-hit economy.

REFORMIST SUPPORT

In last week's first round, Pezeshkian, who was the only reformist allowed to stand,

won the largest number of votes, around 42 per cent, while Jalili came second with around 39 per cent, according to figures from Iran's elections authority.

Only 40 per cent of Iran's 61 million eligible voters took part in the first round -- the lowest turnout in any presidential election since the Islamic Revolution of 1979. The candidacy of Pezeshkian, a relative unknown until recently, has raised the hopes of Iran's reformists after years of dominance by the conservative and ultraconservative camps.Iran's main

with endorsements by former presidents Mohammad Khatami and Hassan Rouhani, a moderate.ezeshkian, a 69year-old heart surgeon, has called for "constructive relations" with Western countries to revive the nuclear deal in order to "get Iran out of its isolation". Jalili, 58, is Iran's former nuclear negotiator who is widely recognised for his uncompromising anti-West stance. During his campaign, he rallied a substantial base of hardline supporters and received backing from other conservative figures. Ahead of Friday's runoff, Pezeshkian and Jalili took part in two televised debates during which they discussed the low turnout, as well as Iran's economic woes, international relations and internet restrictions.Pezeshkian vowed to ease long-standing internet restrictions and to "fully" oppose police patrols enforcing the mandatory headscarf for women, a high-profile issue since the death in police custody in 2022 of Mahsa Amini. The 22year-old Iranian Kurd had been detained for an alleged breach of the dress code and her death sparked months of nationwide

Biden's latest gaffe featuring Trump, says he'll beat him 'again in 2020'

New Delhi US President Joe Biden on Friday (local time) made yet another gaffe when he vowed to beat his Republican rival and former president Donald Trump "again in 2020" instead of saying 2024. He, however, corrected himself quickly and said he would do it "again in 2024".

Biden's latest slip of the tongue came amid concerns from a section of Democrats about the 81-year-old president's ability to serve a second four-year-term after last week's lacklustre performance at the first presidential debate with Trump. There have been calls for Biden to step aside given his health and age concerns.

However, Biden remained adamant during a campaign rally in Madison, Wisconsin, telling a cheering crowd that he was staying in the race. The presidential election is due to be held on November 5."You probably heard that I had a little debate last week. I can't say it is my best performance. But ever since then, there's been a lot of speculation. What's Joe going to do? Is he going to stay in the race? Is he going to drop out? What are you going to do?" he said."Well, here's my answer, I



am running and I am going to win again," the president said, with the crowd chanting 'Let's go, Joe'.He also admitted that some people were pressurising him to withdraw from the race."I'm the nominee of the Democratic Party. You voted for me to be your nominee, and no one else. You, the voters, did that. And despite that, some folks don't seem to care who you voted for. Well, guess what they are trying to push me out of the race," he said."Well, let me say this as clearly as I can- I'm staying in the race. I'll beat Donald Trump. I will beat him again in 2020," the president said, before realising his mistake, adding, "I am going to do that again in 2024."Biden asserted he would not let a 90-minute debate wipe out his work done in the

last three-and-a-half years. Earlier on Thursday, the 81-year-old president tripped up when he described himself as the "first black woman to serve with a black president" as he continued to struggle to reassure voters he was still fit to lead again, The New York Post reported.Biden made the gaffe when he was trying to candidacy if his next few public appearances do not go well. However, the ally emphasised that Biden is still deeply in the fight for re-election.

describe having served as former President Barack Obama's vice president and then choosing Kamala Harris as his deputy."By the way, I'm proud to be, as I said, the first vice president, first black woman, to serve with a black president," he told host Andrea Lawful-Sanders of Philadelphia's WURD black radio station.On Wednesday, White House Press Secretary Karine Jean-Pierre denied reports that Biden was planning to step aside from the race. "Absolutely not," she said. Her response came after The New York Times had reported that Biden had told a key ally that he knows he may not be able to salvage his

Delaware judge rules in favour of late pop star Prince's former business advisers in estate dispute

World A Delaware judge has declined to throw out a lawsuit brought by former business advisers to the late pop music icon Prince against two of his siblings and other heirs in a dispute over his estate. The judge also agreed with plaintiffs L Londell McMillan and Charles Spicer Jr that an agreement purportedly replacing them as managers of a limited liability company established by three siblings was invalid. Prince passed away in 2016 from an accidental fentanyl overdose, leaving no will. His six siblings inherited equal shares in the estate. Three of them assigned their combined 50 per cent interest to Prince Legacy LLC and granted McMillan

and Spicer each a 10 per cent interest in the company, along with extensive and exclusive management authority. However, one sister, Sharon Nelson, later regretted the decision and spearheaded an effort to remove McMillan and Spicer as managing members by amending the LLC

agreement. Chancellor Kathaleen St Jude McCormick determined that the terms of the initial LLC agreement are unambiguous and prohibit the defendants' attempts to amend it. She stated that the agreement remains in effect and McMillan and Spicer continue as managing members. "As a matter of contract law, this is the only

reasonable interpretation," the judge wrote.McCormick also ruled that the plaintiffs can pursue a claim that the defendants breached the LLC agreement by acting without authorization to amend it and remove McMillan and Spicer.The lawsuit arises from disagreements involving Tyka Nelson, Prince's sister, and five half-siblings: Sharon Nelson, Norrine Nelson, John R. Nelson, Omarr Baker, and Alfred Jackson. Tyka, Omarr, and Alfred sold their stake to a music publishing company called Primary Wave Music, LLC, which later assigned its interests to an affiliate, Prince OAT Holdings LLC. Alfred has since passed away.

Reformist Pezeshkian wins Iran's presidential runoff election, besting hard-liner Jalili DUBAI.Reformist candidate Masoud Pezeshkian

won Iran's runoff presidential election Saturday, besting hard-liner Saeed Jalili by promising to reach out to the West and ease enforcement on the country's mandatory headscarf law after years of sanctions and protests squeezing the Islamic Republic.ezeshkian promised no radical changes to Iran's Shiite theocracy in his campaign and long has held Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei as the final arbiter of all matters of state in the country. But even Pezeshkian's modest aims will be challenged by an Iranian government still largely held by hard-liners, the ongoing Israel-Hamas war in the Gaza Strip, and Western fears over Tehran enriching uranium to nearweapons-grade levels. vote count offered by authorities put Pezeshkian as the winner with 16.3 million votes to Jalili's 13.5 million in Friday's election.Supporters of Pezeshkian, a heart surgeon and longtime lawmaker, entered the streets of Tehran and other cities before dawn to celebrate as his lead grew over Jalili, a hard-line former nuclear negotiator.But Pezeshkian's win still sees Iran at a delicate moment, with tensions high in the Mideast over the Israel-Hamas war in the Gaza Strip, Iran's advancing nuclear program, and a looming U.S. election that could put any chance of a detente between Tehran and Washington at risk. The first round of voting on June 28 saw the lowest turnout in the history of the Islamic Republic since the 1979 Islamic Revolution. Iranian officials have long pointed to turnout as a sign of support for the country's Shiite theocracy, which has been under strain after years of sanctions crushing Iran's economy, mass demonstrations and intense crackdowns on all dissent.Government officials up to Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei predicted a higher participation rate as voting got underway, with state television airing images of modest lines at some polling centres across the country. However, online videos purported to show some polls empty while a survey of several dozen sites in the capital, Tehran, saw light traffic amid a heavy security presence on the streets. The election came amid heightened regional tensions. In April, Iran launched its first-ever direct attack on Israel over the war in Gaza, while militia groups that Tehran arms in the region — such as the Lebanese Hezbollah and Yemen's Houthi rebels — are engaged in the fighting and have escalated their attacks.Iran is also enriching uranium at near weapons-grade levels and maintains a stockpile large enough to build several nuclear weapons, should it choose to do so. And while Khamenei remains the final decisionmaker on matters of state, whichever man ends up winning the presidency could bend the country's foreign policy toward either confrontation or collaboration with the West.

Republicans turn their focus to Harris as talk of replacing Biden on Democratic ticket intensifies

NEW YORK. For years it's been a Republican scare tactic. A vote to reelect President Joe Biden, the GOP often charges, is really a vote for Vice President Kamala Harris. It's an attack line sometimes tinged with racist and misogynist undertones and often macabre imagery.But after Biden's dismal performance at last week's presidential debate, which has sparked Democratic calls for him to step aside, what was once dismissed as a far-right conspiracy — Harris replacing Biden — could now have a chance of coming to pass. And Republicans, including Donald Trump, are ramping up their attacks. Trump and his allies have been rolling out new attack lines against Harris, insulting her abilities, painting her as Biden's chief enabler and accusing her of being part of a coverup of his health. It's an effort, campaign officials insist, that is not a reflection of their concerns about a potential change at the top of the ticket, given Biden's insistence he is not leaving the race. But in a post marking Independence Day on his Truth Social site Thursday, Trump singled out Harris, calling her his "potentially new Democrat Challenger"

and giving her a new derisive nickname: "Laffin' Kamala Harris." She did poorly in the Democrat Nominating process, starting at Number Two, and ending up defeated and dropping out, even before getting to Iowa, but that doesn't mean she's not a 'highly talented' politician! Just ask her Mentor, the Great Willie Brown of San Francisco," he wrote. (Harris dated Brown in the mid-1990s.)he post came after Trump campaign senior advisers Chris LaCivita and Susie Wiles released a statement earlier this week that offered a different, but similar, moniker, calling her Biden's "Cackling Copilot Kamala Harris."Trump also posted an expletive-laced video, which was first been reported by the Daily Beast, in which he was captured on the golf course calling Biden an "old broken down pile of crap" and declaring that he'd driven the president from the race. (Trump, in interviews, has repeatedly said he did not expect Biden to be pushed aside.)"He's quitting the race," Trump said. "And that means we have Kamala. I think she's going to be better. She's so bad. She's so pathetic," he said. Allies have also joined the attacks, painting Harris as a chief



defender of Biden's faculties and accusing her of lying to the American public.Biden, the White House and his campaign insist he has no plans to drop out of the race. During an interview with ABC News that aired Friday night he said that only "the Lord Almighty" would drive him from the race.hite House press secretary Karine Jean-Pierre pushed back against the tenor of attacks against Harris, particularly Trump's decision to invoke a decades-old relationship and other sexist rhetoric.I think it's gross, I think it's disturbing," Jean-Pierre told reporters Friday aboard Air Force One. "She

should be respected in the role that she has as vice president. She should be respected like any other vice president before her who was in that room. It is appalling that I'm going to be careful here, that a former president is saying that about a current vice president. And we should call that out — it is not OK."It remains unclear how Harris would fare against Trump, compared to Biden. Replacing a candidate this late in a presidential cycle — much

less an incumbent president who has already sailed through the Democratic Party's primaries — would be unprecedented in modern history, and the mechanics are complicated and potentially messy. Polling shows that Harris' favorability ratings are similar to Biden's and Trump's. A June AP-NORC poll found about 4 in 10 Americans have a favourable opinion of her. But the share of those who have an unfavourable opinion is slightly lower than for Trump and Biden, and about 1 in 10 have no opinion of her yet.

ZIM vs IND, 1st T201: Prediction, team news, pitch conditions and predicted XI

New Delhi. India have once again visited the shores of Zimbabwe as a goodwill gesture between the countries. The Board of Control for Cricket in India (BCCI) has for long used these bilateral series to find the next generation of international players and this time it is no different. The Indian team is set to play their first T20I match of the series on Saturday, 6 July, under the captaincy of young Shubman Gill. It is a win-win situation for both boards as the series is surely expected to grab eyeballs given the very low average-age of the Indian team. The GT captain is being seen as a long-time successor of Rohit Sharma in all formats of the game and has been given a chance to prove his mettle against a wily T20I side. Zimbabwe might have shockingly missed the T20 World Cup 2024 berth after their loss agianst Uganda, but are fully capable of springing up surprises. Players like Sikandar and Blessing Muzarabani have played in the Indian Premier League and are well-known for their T20 credentials across the world.

There is going to be high expectations from Abhishek Sharma and Riyan Parag, who have been superb in the IPL 2024 season. The Indian team would also like to test out young fast bowling contingent in the absence of Jasprit Bumrah and Arshdeep Singh, who have made the T20I spot their own.India captain Shubman Gill has already confirmed that he and his state teammate Abhishek Sharma are going to open the innings. This will mean a demotion for Ruturaj Gaikwad, who has captained India in the past and also opens for his side in the IPL. Harare is expected to be a highscoring venue, and the match might bring a little refreshment for people who love to watch sixes getting hit, especially after the low-scoring T20 World Cup 2024.

Cristiano Ronaldo consoles heartbroken Pepe after Portugal's Euro 2024 exit

New Delhi. Legendary Cristiano Ronaldo consoled his compatriot Pepe after Portugal were knocked out of the Euro 2024 after their quarter-final loss to France on Friday, 5 July. Portugal were beaten in the penalties 5-3 after the match remained 0-0 after Extra Time in Hamburg, Germany. Pepe broke into tears after the match as the 41-year-old Pepe signed off, from what surely is his final appearance in the competition.

Ronaldo, who had broken into tears after missing the penalty in the previous game, held things together as the players around him were inconsolable after the team's exit from the tournament.France secured a nailbiting win over Portugal via penalties, which marked a bitter-end to Cristiano Ronaldo's Euro 2024 journey. After a stalemate throughout the game, the match again found its way to the spot-kicks and France had the last laugh. There were very few factors to separate the two sides, but Joao Felix's penalty hitting the post sent Kylian Mbappe's side to the semi-final against Spain on July 10.France defender Theo Hernandez struck the winning penalty in a 5-3 shootout win against Portugal to reach the semi-finals of Euro 2024 where they will meet Spain. Joao Felix missed for Portugal during the shootout which came after the match finished 0-0 following extra time.

Both teams missed a string of chances in 120 minutes of open play at the Volksparkstadion, the best chance falling to Cristiano Ronaldo in the first period of extra time when he skied over from close range.

Toni Kroos picks positives from bitter farewell vs Spain: The exit covers it all



Toni Kroos opines there were a lot of positives for his national side to take away from their narrow loss to Spain after an action-packed UEFA Euro 2024 quarterfinal on July 5. Kroos, who played his last professional football match in Germany's 2-1 loss to Spain in extra-time, believes that the future of his side is in good hands based on their performance on Friday. Spain knocked out the hosts to book their place in the semifinal, after a goal by Mikel Merino in the final minute of extra-time. Speaking postmatch, Kroos reflected on the bitter end to what had been a phenomenal career, but did not shy away from marking the all-out approach of Germany against Spain.

I would not say it was the most brutal match, but one where we put everything in. We did not want to lose, we were so close...Now at the moment the exit covers it all. We wanted to achieve something big and that dream is now gone. We will realise we played a good tournament, but being so close to reaching the next round is hard," Kroos said. We can all be proud because we improved. I am happy to have helped Germany as a football nation to have hope again. In the future I am convinced the team will succeed, but today we are sad because we wanted to stay in this competition a bit longer, "Kroos added.

After King Kohli bids adieu to T201, time for Prince Gill to stake claim of throne

Star India off-spinner Ravichandran Ashwin expressed his emotions seeing nationwide celebrations for the Indian team following their T20 World Cup 2024 victory.

New Delhi. Following India's historic T20 World Cup triumph in the West Indies, the Men in Blue have lost arguably the greatest batter in T20Is in Virat Kohli. The 35-yearold bid adieu to the game being the highest run scorer in the history of T20 World Cup (1292 runs) and the second highest run scorer in T20Is (4188 runs).

In his illustrious career, Kohli took India home from several precarious situations after an early batting collapse stamping his authority as the 'chase master' in the shortest format of the game. However, with him gone, team India has massive shoes to fill as they look the find a worthy successor of the king. Hailed as the prince of Indian cricket for his rapid rise at the international level,

New Delhi. BCCI (Board of Control for

Cricket in India) vice president Rajeev

Shukla has responded to Shiv Sena Leader

Aditya Thackrey's remark that BCCI

should never take the World Cup final

away from Mumbai. Notably, the Indian

Cricket Team was given a rousing

reception in Mumbai upon their arrival

from Barbados following the T20 World

Cup 2024 triumph.A special roadshow

was organized by the BCCI for the World

Champions where people turned up in

huge numbers to see their stars up close.

The entire squad was also felicitated at the

Wankhede Stadium in front of a packed

crowd who cheered at the top of their

voices for the Men in Blue.vzSeeing the

fervour for cricket in the people of

Mumbai, Thackrey took to his X account

and wrote, "Yesterday's celebration in

Mumbai is also a strong message to the

BCCIâ€æNever take away a World Cup

final from àä®àå àä,àä¬àä^!."BCCI Vice

President Rajeev Shukla has also reacted

to the statement saying that as per the

cricket board's policy, the final cannot

always be given to a particular city.



India captain for the Zimbabwe tour, Shubman Gill, will be eager to make a strong case for the king's throne in the upcoming series. In the 14 matches played in his T20I career so far, Gill has scored 335 runs from 14 innings at an average of 25.76 and a strike rate of 147.57. The 24-year-old has also

registered the highest individual score by an Indian batter in T20Is having scored a magnificent 126* (63) against New Zealand in February 2023 in Ahmedabad. However, Gill hasn't had a memorable in the shortest format after scoring his century as he only has just one 50-plus score in the last eight

Wankhede Stadium. However, in the last

year's edition of the tournament held in

India, the hosting rights of the final were

awarded to the Narendra Modi Stadium in

innings.During this time period, the right-handed batter has scored 133 runs from eight innings at an average of 16.62 and a strike rate of 126.66, out of which 77 came in just one innings against West Indies in August 2023. Gill further had a decent IPL season earlier this year where he scored 426 runs from 12 innings at an average of 38.72 and a strike rate of 147.40 with one hundred and two fifties.

Gill to embark on India's new chapter in T20Is

However, it didn't prove to be enough for him to find a place in the 15member squad for the T20 World Cup 2024 where he got included as a reserve. Hence, the upcoming series will be the perfect platform for Gill to start afresh in his T20I career and fill in the massive spot left behind by Virat Kohli.

The Punjab-born batter has shown enough promise at the international level in the two formats so far and will be eager to bring all his talent to the fore in the shortest format as well to embark on a new journey for the

ZIM vs IND: Would be nice to get captain Shubman Gill out, says Blessing Muzurabani

New Delhi Zimbabwe pacer Blessing Muzurbani said that it would be nice to get Shubman Gill out during the upcoming series against India, starting on July 6, Saturday. India will be fielding a young side during the series with Gill leading them, in what will be his first captaincy assignment with the national team. Gill is expected to be the key batter for India during the series.In an exclusive interaction with Indiatoday.in, Muzurbani was asked if Gill would be one of the players he would target and trying to dismiss quickly. The Zimbabwe pacer said that he does have a lot of respect for the Indian star, who he feels is already a big name in international. However, Muzurbani said he functions a bit different from other bowlers and would take each wicket as they come.

"I think I'm a bit different to probably some of



"It is BCCI's policy that where the final should take place. It cannot always be given to a particular city. There has been a final match -- 1987 World Cup -- in Kolkata also, and Kolkata is considered as Mecca. So it can't be decided that it should always happen in a particular city," Shukla told PTI."There are semi-finals and finals which have taken place in Mumbai. Similarly, the Ahmedabad ground has got a capacity of 1,30,000, and we go by capacity also," he continued. Kolkata (Eden Gardens) has got a big capacity, around 80,000 spectators (approx. 66,000) can be accommodated. Similarly, other cities also," he added. Notably, team India won the ODI World Cup 2011 at the

Ahmedabad which boasts a capacity of around 1,30,000. Unfortunately, India lost the final against Australia leading to a breakdown of cricket fans all over India. Really delighted to see Mumbaikars and their response: Rajeev Shukla Further speaking ahead, Shukla revealed that he was delighted to see such a response from Mumbai for the victory

parade and said that the city is always their priority."This is purely a decision keeping in mind the entire country and all the venues. You cannot confine to one venue. We were really delighted to see Mumbaikars and their response. Mumbai is always our priority. It's not that (it is not). But it has to be decided by the entire BCCI, where to host finals, where to have semifinals... Every match is important. Mumbai is always on our priority list. But saying that all the finals should take place in one city... It never happens in any country," Shukla concluded.



the other bowlers. I do give Shubman Gill a lot of respect because he's already performed a lot in international cricket. He's actually a big name in cricket world. But as for me, I just take every wicket as it comes, actually. So I don't really look at any player, and want to make any bunny or anything like that," said Muzurbani.

Shubman Gill is a good player

Muzurbani said that the goal at the end of the day is to ensure Zimbabwe get over the line and he isn't really looking at the names he will be up against."The goal is to win the game for Zimbabwe. Either take a wicket or don't take the wicket. So it's just all about us as a team and try and do what's required for me to win the game. So I'm not really looking at the names. Either I get them out or don't.

Saba Karim backs Abhishek Sharma to fulfil all-rounder's role vs Zimbabwe

New Delhi. Former India cricketer Saba in a few overs with the ball. Former India of them. The opening batter had a Karim has backed Abhishek Sharma to fulfill all-rounder's role in the upcoming Zimbabwe vs India five-match T20I series. India will take on Zimbabwe in the first T20I on Saturday, July 6 at Harare Sports Club, Harare. For the tour, several players have earned their maiden India call-up and 23-year-old Abhishek Sharma is one of them. The opening batter had a phenomenal season with the bat in the Indian Premier League (IPL) 2024 scoring a mammoth 484 runs from 16 innings at an average of 32.26 and a breathtaking strike rate of 204.21. The southpaw made headlines for exhibiting a fearless brand of cricket in the season and rightfully earned his place in the Indian team.peaking about Abhishek ahead of the series, Saba Karim backed the youngster to not only contribute with the bat but also roll his arm over to chip

cricketer Saba Karim has backed Abhishek Sharma to fulfill all-rounder's role in the



upcoming Zimbabwe vs India five-match T20I series. India will take on Zimbabwe in the first T20I on Saturday, July 6 at Harare Sports Club, Harare. For the tour, several players have earned their maiden India callup and 23-year-old Abhishek Sharma is one

phenomenal season with the bat in the Îndian Premier League (IPL) 2024 scoring a mammoth 484 runs from 16 innings at an average of 32.26 and a breathtaking strike rate of 204.21.

The southpaw made headlines for exhibiting a fearless brand of cricket in the season and rightfully earned his place in the Indian team. Speaking about Abhishek ahead of the series, Saba Karim backed the youngster to not only contribute with the bat but also roll his arm over to chip in a few overs with the ball."About whether he will get that role or not, I think that's the way the team management and I'm sure the selectors are also looking at him. If he has to play, as I said, I think it the opening slot is perfect for him because he has excelled and he has grown as a player. There's more maturity in

Krunal Pandya pens emotional note for brother Hardik: 'People forgot he's a human'

India cricketer Krunal Pandya penned an emotional note for brother Hadik after his historic T20 World Cup 2024 triumph. Hardik was booed by fans during IPL 2024 after replacing Rohit Sharma as skipper.

NEW DELHI. India cricketer Krunal Pandya penned an emotional note for his brother Hardik following his pivotal role in India's T20 World Cup 2024 triumph. Notably, Hardik bowled the crucial last over of the final against South Africa and successfully defended 15 runs by dismissing the dangerous David Miller on the first ball itself.As a result, India managed to win the match by seven runs and clinched their second T20 World Cup trophy ending their 11-year-long ICC Trophy drought. Following their win, Hardik has become a national hero as all the hate which was spewed on the India all-rounder in the past few months has been replaced with loud cheers all around. Encapsulating his brother's struggles in an Instagram post, Krunal mentioned how the last few days have been emotional for him seeing Hardik at the centre of India's historic triumph.

'It's almost been a decade since Hardik and I started playing professional cricket. And the last few days have been like a fairy tale that we've dreamt off. Like every countryman I've lived this through our teams heroics and I couldn't be more emotional with my brother being at the heart of it," wrote Krunal in his Instagram post.Krunal further recalled Hardik's struggles in the last few months where he was booed and jeered by the crowd after replacing Rohit Sharma as the skipper of MI for Indian Premier League 2024 (IPL 2024). However, the elder Pandya lauded his brother for passing through that with a smile and working hard towards winning the World Cup for India. The last six months have been the toughest for Hardik. He



simply didn't deserve what he went through, and as a brother, I felt very, very bad for him. From booing, to people saying all kinds of nasty things, at the end of the day, we all forgot that he is just a human being who also has emotions. He somehow passed through all of this with a smile, though I know how hard it was for him to put on a smile. He kept working hard and focusing on what he needed to do to get the World Cup since that was his ultimate objective," he added.

He has now played his heart out to realise India's long standing dream - And nothing has ever meant to him more. From the age of 6 - It's playing for the country and winning the World Cup that's been the dream. I just want to remind people that what Hardik has

done in such a short span in his career is unbelievable. His efforts for the national team have never been compromised. Every time, at every stage of Hardik's life, people have written him off, and that has only motivated him to come back even stronger," Krunal further wrote."For Hardik, it has always been country first, and it will always be that way. For a young boy coming from Baroda, there can be no bigger achievement than helping his team win the World Cup," he concluded.

Hardik's all-round show in T20 World Cup Notably, Hardik shined with both bat and ball in India's victorious campaign scoring 144 runs from six innings at an average of 48 and a strike rate of 151.57 registering one half century. His highest score of the tournament came against Bangladesh in the Super 8 stages when he scored an unbeaten 50* (27). With the ball, the right-arm seamer picked up 11 wickets from eight innings at an average of 17.36 and an economy of 7.64. The 30-year-old saved his best bowling performance for the final picking up 3/20 in three overs which included the prized scalps of Heinrich Klaasen (52 off 27) and David Miller(21 off 17).

Anushka Sharma To Permanently Move To London After Virat Kohli's Retirement? Here's What We Know



nushka Sharma is currently in London with her two kids, Vamika and Akaay. Virat Kohli was also seen jetting off to meet them soon after he returned to India from Barbados. Virat Kohli recently announced his retirement from T20 cricket after Team India lifted the T20 World Cup on June 29. Now, fans suspect that the couple will permanently shift to London to live a 'normal' life. This speculation comes especially because Anushka and Virat have often been spotted in London. In 2023, Virat even took a break from his hectic schedule and spent some time with Anushka in London. A viral photo featured Anushka and Virat outside a restaurant in London. Virat was also seen with Vamika at a restaurant in London, days after Akaay's birth was announced.

This led to the belief that Akaay was born in London. Anushka Sharma reportedly spent several months of her pregnancy in London, away from the limelight. Anushka Sharma and Virat Kohli announced the birth of their son five days after he was born and till then, fans had no clue about Akaay's birth - which is uncommon if a celebrity goes into labour in Mumbai. Reports also claimed that Virat Kohli missed the India vs England Test series and travelled to England for the birth of his second child.

Anushka Sharma's absence from Bollywood events and films also has led to this speculation. Last year, the actress said that she didn't want to do too many films anymore and spend time with her family instead. "I enjoy acting but I don't want to do too many films as much as I was doing earlier. I want to do one film a year, enjoy the process of acting which is what I like and balance my life out like the way I am, give time to family," she said. Virat Kohli has often expressed that he loves spending time with his family in London where they are not recognised. "We were not in the country. Just to feel normal for two months – for me, my family - it was a surreal experience. Couldn't have been more grateful to God for the opportunity to spend time with the family.

There Is Nothing Dia Mirza Enjoys More Than Her Son Avyaan Azaad's Company; Here's Proof



ia Mirza is happily engrossed in her maternal duties. The mother of two recently returned from a family vacation in London. Keeping her fans engaged, Dia has been sharing photos and videos on Instagram, capturing precious moments with her loved ones. She has now added a new clip to her London diaries on Instagram, and the wholesome video is filled with pure love. In a blissful scene, Dia Mirza was seen playing with her three-year-old son, Avyaan Azaad. With her little bundle of joy in her arms, the actress beamed with joy. The bright smile on her face as she lovingly gazed at her son is proof. Later, we can see the adorable duo in some more playful moments. For her causal day out, Dia sported a comfy look in a blue printed shirt and relaxed-fit jeans elevated with brown sneakers. Her little munchkin looked every bit cute in a printed coord set and little black shoes. Dia Mirza captioned her post, "Let go. Play, laugh, be joyful! Our children teach us this everyday. The art to be."

Beyond her professional endeavours, Dia Mirza is a devoted wife and mother. Not long ago, she marked Father's Day by honouring her husband, Vaibhav Rekhi through an Instagram post. She shared a series of photos featuring her son and step-daughter, Samaira along with husband Vaibhav. In her caption, the actress expressed her love and admiration for him, stating, "We love you. You are the absolute best."Dia Mirza entered marital bliss with businessman and investment banker Vaibhav Rekhi on February 15, 2021. In the same year, the couple embraced parenthood and welcomed their first child together, Avyaan. Before Vaibhav, Dia Mirza was married to Sahil Sangha. The former couple separated in August 2019.



Comes Out In Support of Samantha Prabhu After Doctor Calls Her 'Health Illiterate'

ollywood actor Varun Dhawan and several other actors has stepped forward to defend Samantha Prabhu, after she was criticized by a doctor who labeled her as health illiterate. Earlier this morning, Samantha took to her Instagram stories when she recommended the use of hydrogen peroxide nebulisation. Her post caught The Liver Doc's attention who then called her "health and science illiterate" and mentioned that the use of hydrogen peroxide nebulisation "is dangerous for health". The doctor even demanded that Samantha should be jailed and added, "In a rational and scientifically progressive society, this woman will be charged with endangering public health and fined or put behind bars. She needs help or a better advisor in her team." However,

earlier today, Samantha reacted to the doctor's criticism and mentioned that she "merely suggested" the use of hydrogen peroxide nebulisation with "good intention' since it was suggested to her by a "highly qualified doctor".

Varun who would be seen sharing screen space with Samantha, took to the comments section dropped a heart emoji. Rhea Chakraborty on the other hand wrote, 'Potatoes gonna potate,' in the comments section. Other celebs like Kiara Advani, Tahira Kashyap, Rakul Preet Singh, and Manushi Chhillar liked her post.

Hours after Samantha's post went viral, Dr Cyriac Abby Philips aka The Liver Doc once again lashed out

at Samantha Ruth Prabhu for allegedly playing "victim". The doctor, who previously slammed the actress for recommending hydrogen peroxide nebulisation, has now called her a 'serial offender'. He called Samantha's claims about the use of hydrogen peroxide nebulisation "unscientific, pseudoscientific and baseless". "Please note, she is a serial offender in the context of healthcare misinformation and she has been in the line of fire previously too. The reason why doctors like me have to spend (waste) time from our busy schedules to fight misinformation online is because it is peddled by large influential "celebrity" accounts that have no regard for public health. Engagement and monetization is their concern," he wrote.

Lokesh Kanagaraj shared the stylish look of Rajinikanth. The superstar was seen sitting before the mirror while Lokesh Kanagaraj stood behind him to snap the photo of the actor. Rajinikanth donned a black shirt along with

Shruti Haasan

Teams Up With Rajnikanth For Lokesh Kanagaraj's 'Coolie' ctor-musician Shruti Haasan has joined the cast of the much-anticipated film "Coolie" starring Superstar Rajnikanth. The Lokesh Kanagaraj directorial promises to be an action-packed drama combining Rajnikanth's ⊾screen presence and Kanagaraj's direction. Thaliavar 171 officially titled Coolie is now garnering headlines after Lokesh Kanagaraj recently shared the first look of Rajinikanth for the film. He also announced that the film's shooting will start from next month-July. The look test for Thalaivar 171 was recently conducted. On this occasion,

sunglasses of the same colour. In a semi-white beard and smoky hairstyle, the actor looks dashing as he poses for the picture. More than giving a glimpse of a possible look of Rajinikanth in the film, the director also delighted the superstar's fans with the announcement of the shooting date of Coolie. "Look test for #Coolie. On floors from July" wrote Lokesh Kanagaraj.

As soon as the photo was posted by the filmmaker, the fans flooded the comment box with compliments. "Rs 1000 crore loading," wrote one of the users. Another fan simply mentioned "Thalaivaa" in respect to the actor. Anirudh Ravichander will be composing the music for the



film. The teaser released by the makers consisted of a noteworthy background score that sets the tone for what's to come. The film also stars Prithviraj Sukumaran, Ranveer Singh and Parvathy Thiruvothu in key roles. Produced by Sun Pictures, Coolie is expected to be released in 2025. This film will mark the first collaboration between director Lokesh Kanagaraj and Rajinikanth.